हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 11

खेल

नाओमी ओसाका ऑस्ट्रेलिय से बाहर, नाम वापस लिया, बोलीं-शरीर को ध्यान देने की...

देश

बिहार में टूटेगा महागठबंधन? कांग्रेस में तेजस्वी यादव की आरजेडी से अलग होने...

Page 09

शुक्ल पक्ष, अश्विनी, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • रविवार • 25 जनवरी 2026 • वर्ष 27 • अंक 55 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

18वें रोजगार मेले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 61 हजार से अधिक युवाओं को सौंपा नियुक्ति पत्र, कहा

यह राष्ट्र निर्माण का निमंत्रण

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 18वें रोजगार मेले के अवसर पर देशभर के विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में चयनित 61 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 की शुरुआत उनके जीवन में नई खुशियों और नई शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बसंत का आगमन हो चुका है और उसी तरह युवाओं के जीवन में भी नए बसंत का आगमन हो रहा है। यह समय उन्हें संविधान के प्रति अपने दायित्वों से भी जोड़ता है और संयोग से इसी दौरान देश गणतंत्र पर्व भी मना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज 61 हजार से अधिक युवा अपने जीवन का नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। उन्हें मिले नियुक्ति पत्र केवल सरकारी नौकरी का दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का निमंत्रण और विकसित व समृद्ध भारत के निर्माण की प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है और सरकार लगातार युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने के लिए कार्य कर रही है। भारत सरकार कई देशों के साथ व्यापार और मोबिलिटी समझौते कर रही है, जिससे देश के युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुल रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत का बढ़ता वैश्विक आत्मविश्वास युवाओं के लिए नए अवसर खोल रहा है। भारत दुनिया की उन चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, जिसने एक दशक में अपनी जीडीपी को दोगुना किया है। वर्तमान में 100 से अधिक देश विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के माध्यम से भारत में निवेश कर रहे हैं और 2014 से पहले के दशक की तुलना में एफडीआई का प्रवाह ढाई गुना से अधिक बढ़ चुका है। इस बढ़ते निवेश से रोजगार के असंख्य अवसर सृजित हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश अब रिफॉर्म एक्सप्रेस पर आगे बढ़ रहा है, जिसका उद्देश्य जीवन और कारोबार दोनों को आसान बनाना है। उन्होंने बताया कि इस रोजगार मेले में 8 हजार से अधिक बेटियों को भी नियुक्ति पत्र दिए गए हैं और बीते 11 वर्षों में कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी लगभग दोगुनी हो चुकी है। भारत तेजी से एक बड़ी मैन्युफैक्चरिंग पावरहाउस के रूप में उभर रहा है। कई क्षेत्र उत्पादन और निर्यात दोनों में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज कर रहे हैं। वर्ष 2014 के बाद से इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग छह गुना बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का उद्योग बन गया है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात भी 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है।

रोजगार मेला एक मजबूत संस्था के रूप में हुआ विकसित

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में रोजगार मेला एक मजबूत संस्था के रूप में विकसित हुआ है, जिसके माध्यम से लाखों युवाओं को विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्ति मिली है। उन्होंने कहा कि डिजिटल मीडिया, टेक्नोलॉजी और क्रिएटर इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से वैश्विक केंद्र बनता जा रहा है और इससे युवाओं के लिए नए करियर विकल्प पैदा हो रहे हैं। भारत की क्रिएटर इकोनॉमी तेज गति से बढ़ रही है, जो युवाओं के लिए नए अवसरों का माध्यम बन रही है।

बिहार के 450 युवाओं को सौंपे गए नियुक्ति पत्र

निज संवाददाता | पटना

प्रधानमंत्री के रोजगार मेला कार्यक्रम के तहत शनिवार को पटना के ऊर्जा स्टेडियम में भव्य आयोजन किया गया, जहां बिहार के 450 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। यह कार्यक्रम सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के तत्वावधान में आयोजित किया गया। पटना में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज 61,000 से अधिक नौजवान अपने करियर की नई शुरुआत कर रहे हैं और यह विकसित भारत के निर्माण का संकल्प है। प्रधानमंत्री ने सभी चयनित युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है और सरकार की प्राथमिकता है कि देश के युवाओं के लिए अधिक से अधिक अवसर सृजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से एक बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनता जा रहा है और युवाओं से आग्रह किया कि वे "नागरिक देवो भव" की भावना के साथ सेवा करें।

उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय द्वारा बिहार में इस आयोजन की जिम्मेदारी एसएसबी को सौंपी गई थी और इसके लिए उन्होंने गृह मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में युवा अभ्यर्थी, पुलिस एवं अर्धसैनिक बलों के अधिकारी तथा प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। आयोजन स्थल पर उत्साह और उम्मीद का माहौल देखने को मिला, जहां चयनित युवाओं ने अपने भविष्य को लेकर खुशी और आत्मविश्वास व्यक्त किया।

बजट सत्र से पहले सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद के आगामी बजट सत्र से पहले सरकार ने विधायी कार्यों और अन्य अहम मुद्दों पर सहमति बनाने के उद्देश्य से 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाने का निर्णय लिया है। यह बैठक संसद भवन के मुख्य समिति कक्ष में सुबह 11 बजे आयोजित होगी, जिसकी अध्यक्षता संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू करेंगे। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों और विधायी एजेंडे पर चर्चा की जाएगी। बजट सत्र की शुरुआत 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के साथ होगी। इसके बाद दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी, जिसके लिए लोकसभा में अस्थायी रूप से 2 से 4 फरवरी तक तीन दिन निर्धारित किए गए हैं। सत्र के दौरान 28 जनवरी और 1 फरवरी को शून्यकाल नहीं होगा। केंद्रीय बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा, जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण प्रस्तुत करेंगी। यह उनका लगातार नौवां केंद्रीय बजट होगा।

बजट सत्र का पहला चरण 13 फरवरी तक चलेगा, जिसके बाद संसद का अवकाश रहेगा और दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। सूत्रों के अनुसार, वर्तमान में लोकसभा में नौ विधेयक लंबित हैं, जिनमें विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025, प्रतिभूति बाजार संहिता 2025 तथा संविधान (एक सौ उनतीसवां संशोधन) विधेयक 2024 शामिल हैं। ये विधेयक फिलहाल संसदीय स्थायी समितियों या चयन समितियों के पास विचाराधीन हैं और बजट सत्र के दौरान इन पर चर्चा की संभावना है।

सीएम नीतीश कुमार ने समृद्धि यात्रा के दौरान वैशाली जिले को दी सौगात

128 योजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

निज संवाददाता | वैशाली

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्धि यात्रा के दौरान नियोजित शिक्षकों को लेकर बड़ा और राहत भरा बयान दिया है। शनिवार को वैशाली पहुंचे मुख्यमंत्री ने विकास योजनाओं की घोषणा के साथ-साथ सक्षमता परीक्षा देने वाले नियोजित शिक्षकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उन्हें घबराने की कोई जरूरत नहीं है, सभी को "सेट" किया जाएगा। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद शिक्षकों के बीच उम्मीद की नई किरण जगी है। समृद्धि यात्रा के तहत वैशाली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने करीब 15 हजार करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। इसी दौरान उन्होंने नियोजित शिक्षकों की स्थिति पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार शिक्षकों के भविष्य को लेकर संवेदनशील है और किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो शिक्षक सक्षमता परीक्षा दे रहे हैं, वे घबराएं नहीं, सरकार समाधान निकालेगी।

गौरतलब है कि बिहार सरकार द्वारा नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी यानी 'विशिष्ट शिक्षक' का दर्जा देने के लिए सक्षमता परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। अब तक चार चरणों में आयोजित सक्षमता परीक्षाओं में कुल 2 लाख 66 हजार 786 नियोजित शिक्षक सफल हो चुके हैं, जिन्हें विशिष्ट शिक्षक का दर्जा मिल चुका है। हालांकि अब भी लगभग 76 हजार शिक्षक ऐसे हैं, जिन्हें यह दर्जा मिलना बाकी है। इन्हीं शिक्षकों के लिए पांचवीं सक्षमता परीक्षा को अंतिम अवसर माना जा रहा है, जिसके लिए आवेदन प्रक्रिया भी जारी है। पहले सरकार ने यह निर्णय लिया था कि नियोजित शिक्षकों को विशिष्ट शिक्षक बनने के लिए कुल पांच अवसर दिए जाएंगे। ऐसे में पांचवीं सक्षमता परीक्षा को लेकर शिक्षकों के मन में यह चिंता बनी हुई थी कि यदि वे इस अंतिम अवसर में सफल नहीं हो पाए तो उनका भविष्य क्या होगा।

बिहार के सरकारी स्कूलों में बनेंगी एआई और लैंग्वेज लैब

पटना (नि.सं.)। सरकारी विद्यालयों में अब बच्चे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आधुनिक तकनीकी शिक्षा से भी रूबरू होंगे। राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि सभी 31,297 मध्य विद्यालयों में एआई आधारित लैब और लैंग्वेज लैब स्थापित की जाएंगी, ताकि सरकारी स्कूलों के छात्र तकनीकी शिक्षा में निजी विद्यालयों के बच्चों से पीछे न रह जाएं। इस योजना के लिए केंद्र सरकार की ओर से आवश्यक संसाधन और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी तथा इसे वित्तीय वर्ष 2026–27 से प्रभावी रूप से लागू करने की तैयारी है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा है कि वैश्विक शिक्षा की बदलती चुनौतियों को देखते हुए विद्यालय स्तर पर इंटीग्रेटेड साइंस एंड टेक्नोलॉजी के साथ नवाचार को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता है।

पांच साल बाद मजदूरी के लिए बिहार से बाहर नहीं जाएगा कोई भी व्यक्ति : सम्राट चौधरी

निज संवाददाता | वैशाली।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वैशाली दौरे के दौरान पलायन और रोजगार को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि अगले पांच वर्षों में बिहार से मजदूरी के लिए बाहर जाने की प्रवृत्ति पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार राज्य के प्रत्येक ऐसे व्यक्ति को चिन्हित करेगी जो काम की तलाश में बाहर जाता है और उसे बिहार में ही सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने एनडीए सरकार के 'एक करोड़ रोजगार' के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि यह लक्ष्य हर हाल में पूरा किया जाएगा।

वैशाली में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार अब 'न्याय यात्रा' के दौर से निकलकर 'समृद्धि यात्रा' के पथ पर आगे बढ़ चुका है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार के साझा प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांव-गांव तक बिजली पहुंचाने का कार्य किया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उसे हर घर तक पहुंचाया। उन्होंने दावा किया कि आज बिहार उद्योग और निवेश के लिए एक उभरता हुआ केंद्र बन रहा है और हाजीपुर व मुजफ्फरपुर जैसे इलाके निवेशकों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। राजनीतिक परिदृश्य पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने वैशाली की जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि जिले की आठ में से सात विधानसभा सीटों पर एनडीए को जनसमर्थन मिला है, जो विकास के प्रति जनता के विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि एक सीट विपक्ष के पास जाने के पीछे केवल भ्रम की स्थिति रही, अन्यथा वहां भी नीतीश-मोदी की विकास नीति को समर्थन मिलता।

» रोजगार के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए सम्राट चौधरी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वर्ष 1990 से 2005 के बीच बिहार में मुश्किल से एक लाख लोगों को सरकारी नौकरी मिली, जबकि 2005 से 2020 के बीच नीतीश कुमार के नेतृत्व में लगभग सात लाख लोगों को रोजगार दिया गया। इसके बाद 2020 से 2025 के बीच करीब पांच लाख और नौकरियां दी गईं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर गूंजा 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का संकल्प

निज संवाददाता। नवादा

शनिवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में नवादा सदर प्रखंड समेत जिला मुख्यालय के विभिन्न केंद्रों पर 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रमुख गतिविधियां और आयोजन कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं के विकास और सुरक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। स्कूली छात्राओं द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें "बेटी है तो कल है" और "पढ़ेगी बेटी, तभी बढ़ेगी बेटी" जैसे नारों के जरिए समाज को जागरूक किया गया। कन्या भ्रूण हत्या को रोकने और बेटियों को समान अधिकार देने के लिए जागरूकता चलाया गया।

विभिन्न क्षेत्रों (शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली जिले की मेधावी बेटियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी अभिभावकों और नागरिकों को बेटियों को उच्च शिक्षा दिलाने और बाल विवाह जैसी कुरीतियों को समाप्त करने की शपथ दिलाई गई।

अधिकारियों का संबोधनः कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बेटियां आज किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। नवादा सदर में इस अभियान का मुख्य लक्ष्य लिंगानुपात में सुधार लाना और बालिकाओं के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करना है। अधिकारियों ने सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं, जैसे 'मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना' के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

सांस्कृतिक प्रस्तुतिः स्थानीय विद्यालयों की छात्राओं ने नाटक और गीतों के माध्यम से बेटियों के महत्व को दर्शाया। मंच पर प्रस्तुत किए गए नाटकों ने समाज में बेटियों के प्रति भेदभाव मिटाने का कड़ा संदेश दिया। इस मौके पर प्रवेक्षिका आशा किरण ने बताया नवादा सदर में आयोजित यह कार्यक्रम न केवल एक उत्सव था, बल्कि बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक ठोस कदम भी रहा। स्थानीय ग्रामीणों और बुद्धिजीवियों ने इस पहल की सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

नवादा। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2026 के अवसर पर शनिवार को प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय नवादा में जिला प्रशासन नवादा के द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अधीनस्थ बालिकाओं के साथ वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कई मुद्दे जैसे सहो नहीं कहो 181 पर कॉल करो, कम उम्र में शादी कानून अपराध है , प्रसव पूर्व लिंग जांच संपूर्ण मानवता पर आंच, सखी वन स्टॉप सेंटर, जिला हब फॉर एंपॉवरमेंट ऑफ़ वीमेन आदि विषयों पर चर्चा कर विद्यालय की छात्राओं को जागरूक किया गया कार्यक्रम में अनुग्रह प्रसाद तिग्गा जिला परियोजना प्रबंधक महिला एवं बाल विकास निगम नवादा अमोद कुमार सुरक्षा प्रहरी के देखरेख में यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाग लेने वाली सभी बालिका प्रतिभागियों को ट्रैकसूट एवं टोपी देकर सम्मानित किया गया साथ ही साथ गाइड शिक्षिका ममता रानी एवं स्काउट मास्टर संतोष कुमार वर्मा के नेतृत्व में नगर भ्रमण रैली का भी आयोजन किया गया। प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय नवादा के प्रभारी प्रधानाध्यापक अनिल शाहा ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम आयोजन से विद्यार्थियों में सीखने पढ़ने एवं अधिकारों को पहचानने की कला विकसित होती है। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक संजय कुमार अविनाश रंजन अंकित दीप कंचन माला सिंह कुमारी शालिनी एवं विद्यालय के सभी शिक्षकों ने कार्यक्रम में भाग लिए भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को जलपान कराकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

शिवम एवं पटेल नर्सिंग कॉलेज, काझा कोठी में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन — नूतन गुप्ता

पूर्णिया। भारत में 24 जनवरी को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर बालिकाओं के अधिकार, शिक्षा और सशक्तिकरण को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिवम एवं पटेल नर्सिंग कॉलेज, काझा कोठी परिसर में कार्यशालाओं, सेमिनारों एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने और सामाजिक पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर नूतन गुप्ता, निदेशक, शिवम एवं पटेल नर्सिंग कॉलेज, काझा कोठी, पूर्णिया ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में बालिकाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें समान अवसर और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कर्पूरी जयंती पर पूर्णिया में सामाजिक संकल्प का संदेश, विधायक विजय खेमका ने किया माल्यार्पण

पूर्णिया। पूर्णिया विकास बाजार स्थित कर्पूरी स्मारक पर जननायक भारत रत्न एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर की जयंती भारतीय जनता पार्टी द्वारा श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक चेतना के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के केंद्र में रहे विधायक विजय खेमका, जिन्होंने स्मारक पर स्थापित कर्पूरी ठाकुर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। विधायक विजय खेमका ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर समाजवाद के सच्चे प्रतीक थे। उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल में वंचित, पिछड़े और शोषित वर्गों को अधिकार और सम्मान मिला। सामाजिक न्याय, समानता और समरसता उनके जीवन दर्शन का मूल आधार था। उन्होंने कहा कि विधायक निधि से कर्पूरी स्मारक का आधुनिक सौंदर्यीकरण कर्पूरी जी के विचारों और संघर्षों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। यह स्मारक आने वाली पीढ़ियों के लिए सामाजिक न्याय और सेवा का स्थायी संदेश बनेगा। कर्पूरी जयंती के अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष गोपाल सिन्हा के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्मारक परिसर एवं आसपास हाइटेक सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं ने उत्साह और अनुशासन के साथ भागीदारी निभाई। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उपमुख्यमंत्रियों के नेतृत्व में एनडीए सरकार कर्पूरी ठाकुर जी की विचारधारा को धरातल पर उतारते हुए बिहार को विकास की नई ऊँचाइयों की ओर ले जा रही है। कर्पूरी जी का मंत्र—"सबका सम्मान, सबका अधिकार"—आज भी शासन और समाज की दिशा तय कर रहा है। कार्यक्रम में भाजपा नेता संजय मिश्रा, सुजीत सिन्हा, संजय पटवा, मनोज सिंह, अजीत सिन्हा, राजेश चौरसिया, श्रवण मंडल, मिथलेश पोद्दार, बिनोद सिन्हा, मुकेश साह, मुन्ना ठाकुर, चंद्र किशोर भगत, मनोरंजन कुमार, अवधेश सिंह, गणेश घोष, भगवान झा, बिनोद यादव, अरुण यादव, गुड्डू यादव सहित दुग्ध विक्रेता संघ के सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नीतीश के न्याय के साथ विकास के मूल में कर्पूरी का समाजवाद – ललन सर्राफ

मधेपुरा। शनिवार को मधेपुरा जिला जदयू अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ द्वारा स्थानीय जीवन सदन में भारतरत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की 102वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में जदयू के वरिष्ठ नेता और विधानपरिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता श्री ललन सर्राफ एवं सुपौल के सांसद श्री दिलेश्वर कामत प्रदेश की ओर सम्मलित हुए। वहीं, मधेपुरा जदयू अध्यक्ष एवं सिंहेश्वर विधायक श्री रमेश ऋषिदेव, बिहारीगंज विधायक श्री निरंजन मेहता, समाजसेवी-साहित्यकार डॉ. भूपेन्द्र मधेपुरी, मधेपुरा विधानसभा प्रत्याशी श्रीमती कविता साहा, कार्यकारी अध्यक्ष श्री महेन्द्र पटेल, वरीय नेता डॉ. रत्नदीप, डॉ. सत्यजीत यादव, श्रीमती गुड्डी देवी, श्री नरेश पासवान, श्री अशोक चौधरी, श्री नीरज मंडल, प्रो. मनोज भटनागर, डॉ. राजीव जोशी, श्री सुजय मेहता समेत जिला जदयू के सभी पदाधिकारीगण, सभी प्रखंडों के अध्यक्षगण एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण उपस्थित हुए और जननायक के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष श्री विनोद मंडल ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री ललन सर्राफ ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर और नीतीश कुमार जैसे नेता युगों में पैदा होते हैं। उन्होंने कहा कि जननायक के विचारों को आत्मसात कर ही हम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह हमलोगों का सौभाग्य है कि हम जननायक के आदर्शों को अमलीजामा पहनाने वाले और उनके विचारों को आगे ले जाने वाले युगपुरुष श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में काम कर रहे हैं।

श्री ललन सर्राफ ने अपने संबोधन में आगे कहा कि कर्पूरी जी का समाजवाद ही नीतीश जी के न्याय के विकास के मूल में है। उन्होंने अपने संबोधन के क्रम में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी की समृद्धि यात्रा, सात निश्चय-3 और पार्टी के सदस्यता अभियान की भी विस्तार से चर्चा की। श्री दिलेश्वर कामत ने अपने संबोधन में कहा कि कर्पूरी ठाकुर के जीवन से जदयू कार्यकर्ताओं को प्रेरणा लेकर जनसेवा का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि श्री नीतीश कुमार ने उन्हीं के पदचिह्नों पर चलकर बिहार को आगे बढ़ाया है। डॉ. रमेश ऋषिदेव ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर के आदर्श पर चलकर ही हम वंचित-शोषित समाज की सच्ची सेवा कर सकते हैं। वहीं, विधायक श्री निरंजन मेहता ने कर्पूरी जी के विचारों को आज भी उतना ही प्रासंगिक बताया। अंत में सभी नेताओं ने जननायक के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

रसोईया संघ की बैठक में मानदेय बढ़ोतरी की उठी मांग

बैठक करते मध्याह्न भोजन रसोईया संघ

निज संवाददाता। नरहट (नवादा)

शनिवार को प्रखंड परिसर में बिहार राज्य मध्यान भोजन रसोईया संघ के तत्वाधान में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में प्रखंड क्षेत्र के करीब सैकड़ों की संख्या में रसोईया सह सहायकों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रदेश कार्यकारणीय सदस्य पवन कुमार ने किया। बैठक के दौरान रसोईया सह सहायकों ने विभिन्न समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रूप से मानदेय बढ़ोतरी का मुद्दा उठाया गया। संघ के संस्थापक ओम प्रकाश राय अपने सम्बोधन में कहा कि वर्तमान महंगाई के दौर में रसोइया सहसहाय को मिलने वाला मानदेय अत्यंत कम है, जिससे परिवार का भरण पोषण करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि सीमित मानदेय के बावजूद रसोईया सह सहायकों पूरी निष्ठा से विद्यालय के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि संघ के रसोईया सा सहायकों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें सम्मानजनक मानदेय दिलाने के लिए निरंतर संघर्षरत है।

बाल वैज्ञानिकों के जज्बे से देश मे विज्ञान के विकास में गढ़े जाएंगे नए आयाम -डॉ राजेंद्र साहू

निज संवाददाता। नवादा

नवादा के प्रसिद्ध जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल हिसुआ के परिसर में शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया ।जिसमें 125 छात्र-छात्राओं ने बाल वैज्ञानिक के रूप में विज्ञान के बनाये शोधपरक प्रदर्शो को प्रदर्शित कर दर्शकों को कई आविष्कारों के नए आयाम की जानकारी दी। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रबंध निदेशक डॉ राजेंद्र प्रसाद साहू तथा निदेशक प्रोफेसर रश्मि गुप्ता ने फीता काटकर की। बाल वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए प्रबंध निदेशक डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद साहू ने कहा कि बाल वैज्ञानिकों के जज्बे के कारण ही भारत में विज्ञान के विकास के नए आयाम गढ़े जाएंगे।

उन्होंने कहा है कि आप सब इसी तरह तन- मन से लगकर शोध परक प्रदर्श पर काम करते रहें। ताकि हमारा देश भारत विकसित भारत का सपना को साकार कर सके। निदेशक प्रोफेसर रश्मि गुप्ता ने बेहतर विज्ञान की खोज के प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिकों को मेडल देकर सम्मानित करते हुए कहा कि आप सब उत्साह के साथ काम करें एक दिन आप भारत के बेहतर वैज्ञानिक बनोगे। बलवैज्ञानिक आरूषी कुमारी, दृष्टि ,रिया भारती ,अंकुश सिंह, सत्यम कुमार, ताल्हा मिराज ,तस्किया परवीन, रिया राज, नैंसी हंस, अलीशा ,अरुण ,पीयूष ,अमित शौर्य अदिति, संजना, समीर ,प्रीतम, मैं भी हिस्सा लेकर अपने विचार व्यक्त किया व्यक्त किये।इस अवसर पर ट्रैफिक डीएसपी भी उपस्थित हुए एवं साइंस एग्जीबिशन को देखकर बच्चों को अच्छे-अच्छे एग्जीबिशन के लिए धन्यवाद दिया रामनारायण पांडे अमित मिश्रा गौतम सिंह नीतीश कुमार स्नेह कुमार संजीत कुमार चंदन पांडे ए राकेश कुमार सत्येंद्र कुमार सोनू कुमार प्राचार्य अनुराधा विश्वकर्मा ने सभी को धन्यवाद दिया इस अवसर पर बाल मेला का भी आयोजन किया गया था जिसमें अच्छे-अच्छे व्यंजन शामिल थे अच्छे-अच्छे मिठाइयां थी बच्चों ने हर्षोल्लास के साथ बाल मेला का आनंद लिया।

जेपीएस इंटरनेशनल इंग्लिश स्कूल का रजौली विधायक ने किया उद्घाटन

बच्चों की सांस्कृतिक कार्यक्रम ने लोगों का मन मोहा

निज संवाददाता। रजौली

सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल छात्रा

प्रखंड मुख्यालय के सिरदला रोड में घसियाडीह मोहल्ले में शनिवार को जेपीएस इंटरनेशनल इंग्लिश स्कूल का भव्य उद्घाटन रजौली विधायक विमल राजवंशी एवं एसडीएम स्वतंत्र कुमार सुमन ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान सीओ मो. गुफरान मजहरी, नगर पंचायत प्रतिनिधि प्रमोद कुमार,गौरव शांडिल्य गगन,भाजपा मंडल अध्यक्ष संतोष कुमार वर्मा एवं वेलफेयर अध्यक्ष विजय कुमार भी मौजूद रहे। स्कूल का विधिवत उद्घाटन रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। स्कूल के संचालक संतोष कुमार द्वारा सभी मुख्य अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। संचालक ने बताया कि शिक्षा हमारा मुख्य उद्देश्य है एवं गरीब से गरीब बच्चा भी पढ़ सके। उन्होंने कहा कि हमारे स्कूल में म्यूजिक क्लास,डांस क्लास,स्पोकन क्लास एवं कंप्यूटर लैब पहली कक्षा से सिखाया जाएगा।साथ ही बच्चों में बौद्धिक प्रगति के लिए सभी क्लासरूम डिजिटल रूप से होगा। संचालक ने कहा कि कम पैसे में बेहतर शिक्षा देना ही हमारे स्कूल का उद्देश्य है। स्कूल में नामांकन 12 जनवरी से शुरू है और इच्छुक परिजन अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए स्कूल पहुंच नामांकन करवा रहे हैं। उद्घाटन के मौके पर बच्चों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में नशा मुक्ति,दहेज प्रथा निषेध,ऑपरेशन सिंदूर,लोक आस्था के महापर्व छठ आदि थीम पर मनमोहक नृत्य किया। इस दौरान शिक्षक मनीष माथुर,संदीप वर्मा, कपिलदेव प्रसाद, अनुराधा कुमारी,स्वाती कुमारी पटेल एवं मीनाक्षी कुमारी द्वारा दर्जनों आगंतुकों को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

मनाई गयी जननायक की जयंती समारोह

निज संवाददाता। नवादा

जननायक कर्पूरी ठाकुर जी का 102 वीं जयंती समारोह राजद कार्यालय सद्भावना चौक नवादा में किया गया! इस मौके पर राजद के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सह मोतिहारी जिला प्रभारी श्रवण कुशवाहा जी, जिला अध्यक्ष उदय कुमार जी, रजौली विधानसभा प्रत्याशी पिंकी भारती, महिला सेल अध्यक्षा रेणु सिंह जी, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष गौतम कपूर चंद्रवंशी, प्रधान महासचिव उमेश शर्मा, नीलम पासवान जी,युवा जिला अध्यक्ष कौशल राय, मिडिया प्रभारी नितिन राज, नगर अध्यक्ष राकेश कुमार जिला में रहने वाले प्रदेश के प्रकोष्ठ पदाधिकारी सभी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, प्रखंड अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष सहित सभी राजद कार्यकर्ता साथियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया एवं कार्यक्रम को सफल बनाए!

कादिरगंज क्रिकेट क्लब ने प्रिंसिपल क्रिकेट क्लब को हराया

निज संवाददाता। नवादा

यंग स्टार क्रिकेट क्लब B डिविजन की विजेता टीम

जिला क्रिकेट एसोसिएशन नवादा द्वारा में सिरदला के लौंध हाई स्कूल में आयोजित एडमिशन लीग में आज कादिरगंज क्रिकेट क्लब का मुकाबला प्रिंसिपल क्रिकेट क्लब नारदीगंज के बीच हुआ। कादिरगंज क्रिकेट क्लब के कप्तान ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट के नुकसान पर 305 रनों का स्कोर खड़ा किया। जिसमें कादिरगंज के बल्लेबाज विक्रम कुमार ने शानदार शतक(128 रन) बनाए जबकि उनके साथ सौरभ कुमार 70 रन एवं सुभाष ने 31 रनों के साथ मिला। गेंदबाजी करते हुए प्रिंसिपल क्रिकेट क्लब के गेंदबाज तेजस्वी ने चार विकेट अपने नाम किया तथा एक विकेट मुस्कान वर्मा को मिला ।

इसके जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रिंसिपल क्रिकेट क्लब की पूरी टीम 37 ओवर में 189 रन बनाकर ऑल आउट हो गई जिसमें प्रिंसिपल क्रिकेट क्लब के बल्लेबाज मैन्युअल ने 28, तेजस्वी ने 32 सनी ने 23 जबकि कुणाल ने 22 रनों का योगदान अपनी टीम के लिए दिया। गेंदबाजी करते हुए कादिरगंज क्रिकेट क्लब के स्पिनर रितिक शर्मा ने शानदार चार जबकि आर्यन एवं सुभाष ने दो-दो खिलाड़ियों को आउट किया। इस तरह से कादरीगंज क्रिकेट क्लब की टीम ने प्रिंसिपल क्रिकेट क्लब को 116 रनों के बड़े अंतर से हराया ।आज के मैच में शानदार शतक बनाने वाले बल्लेबाज विक्रम को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी दी गई। वही कादिरगंज में आयोजित बी विजन लीग में यंग स्टार क्रिकेट क्लब की टीम ने अकबरपुर की टीम को हराकर शानदार जीत दर्ज की इस मैच में शानदार 71 रन बनाने वाले रोशन आदर्श को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी दी गई।

रजौली में धूमधाम से मनाई गई जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती

रजौली के ब्लॉक रोड में समाजसेवियों ने मनाया जयंती कार्यक्रम

निज संवाददाता। रजौली

जयंती के दौरान पुष्पांजलि देते लोग

रजौली के ब्लॉक रोड में भारत रत्न से सम्मानित बिहार के जननायक मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की 102वीं जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। रजौली के उपरटंडा निवासी समाजसेवी जदयू टकुआटांड़ पंचायत संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित जयंती कार्यक्रम में उपस्थित रजौली के दर्जनों समाजसेवी एवं गणमान्य लोगों ने जननायक कर्पूरी ठाकुर के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पित कर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपस्थित लोगों ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के जीवनी पर चर्चा करते हुए उन्हें दलितों, अति पिछड़ों का मसीहा बताया। लोगों ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर ने बिहार में दलितों, अति पिछड़ों के लिए कार्य कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया। इसी वजह से उन्हें बिहार का जननायक कहा जाता है।

मौके पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष दिलीप कुमार उर्फ कारू सिंह, मनोज प्रसाद, अलखदेव प्रसाद, पूर्व प्रमुख जगदीश प्रसाद, पूर्व मुखिया राजेंद्र प्रसाद, कृष्णदेव सिंह, मेवालाल साव, नीतीश कुमार, सत्यम राज, मुनीलाल प्रसाद, बालेश्वर सिंह, सदानंद प्रसाद साव, मनोज साव, श्रीचंद्र प्रसाद, राम रतन गिरी समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

प्रमोशनल संस्था फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ़ इण्डिया के द्वारा दिल्ली में सम्मानित होंगे संतोष वर्मा

पुरे देश में चयनित 13 शिक्षकों में बिहार के एक मात्र शिक्षक संतोष का भी हुआ चयन

निज संवाददाता। नवादा

नवादा युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की प्रमोशनल संस्था फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया ने देश के विशिष्ट एवं प्रतिभावान शारीरिक शिक्षकों को सम्मानित करती है जो की 8वें पेफी नेशनल अवार्ड 2026 में पूरे भारत से कुल 13 शारीरिक शिक्षकों का चयन विभिन्न जोन से किया गया है जिसमें भारत के ईस्ट जोन से दो शारीरिक शिक्षक में बिहार से एकमात्र शारीरिक शिक्षक संतोष कुमार वर्मा का चयन वेस्ट फिजिकल एजुकेशन टीचर इन इंडिया अवार्ड के लिए किया गया है।

यह अवार्ड कार्यक्रम 6 फरवरी को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर नई दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे संतोष कुमार वर्मा इंटर विद्यालय आती कदीरगंज में शारीरिक शिक्षक के रूप में जिले एवं राज्य के लिए बेहतर कार्य कर रहे हैं कई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कोच रेफरी व दल प्रबंधक के रूप में भाग ले कर पदक दिला चुके हैं इनके द्वारा प्रशिक्षित किए गए खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भाग लेकर पदक दिला रहे हैं खेल के साथ शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में भी इनका योगदान बेहतर रहा है फिट इंडिया, खेलो इंडिया, योग, पीटी व्यायाम साइक्लोथन मॉर्निंग वॉक, विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम, शिक्षा में नवाचार आदि विषय पर जिले ही नहीं राज्य स्तर पर बेहतर कार्य किए हैं जिसके लिए राज्य सरकार ने राजकीय शिक्षक सम्मान 2024 से सम्मानित कर चुका है उन्होंने अब तक 30 से ज्यादा राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग ले चुके हैं।

पूरे बिहार के हैंडबॉल खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में परचम लहराया है जिले के चर्चित खिलाड़ी प्रेम कुंज खुशबू लक्की संजीव श्याम विक्रम कीर्ति रंजन तौसीफ रसूल आदि ऐसे खिलाड़ियों को सहयोग देकर खेल में आगे बढ़ाया है जिले के दर्जनों खिलाड़ी खेल से रोजगार के अवसर को प्राप्त किए हैं इन तमाम उपलब्धियां को देखते हुए फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया के तरफ से 6 फरवरी को सम्मानित किया जाएगा इनके चयन पर जिले ही नहीं बल्कि राज्य के कई जिलों से फोन पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है

संक्षिप्त समाचार

जनता दरबार में 2 जमीनी विवादों का निपटारा

सहरसा। अंचल कार्यालय में शनिवार को जमीनी विवाद के निपटारे को लेकर जनता दरबार का आयोजन किया गया। अंचलाधिकारी आशीष कुमार की अध्यक्षता में फरियादियों की समस्याएं सुनी गईं। जनता दरबार में कुल छह मामले सामने आए, जिनमें दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और संबंधित कागजातों की जांच के बाद दो मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। शेष मामलों में आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने अथवा जांच की आवश्यकता को देखते हुए अगली तिथि निर्धारित की गई। अंचलाधिकारी आशीष कुमार ने फरियादियों को भरोसा दिलाया कि शेष मामलों का निष्पक्ष जांच के बाद शीघ्र समाधान किया जाएगा। उन्होंने लोगों से आपसी सहमति और कानूनी प्रक्रिया के तहत विवाद सुलझाने की अपील की। इस अवसर पर थाना से एसआई आभा कुमारी एवं हसीन खान भी मौजूद रहे। एसआई आभा कुमारी ने कहा कि जमीनी विवादों के कारण अक्सर कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होती है, ऐसे में जनता दरबार के माध्यम से समय रहते समाधान बेहद जरूरी है।

सलखुआ में सरस्वती पूजा का समापन प्रतिमा विसर्जन में उमड़ा जनसैलाब

सहरसा। प्रखंड क्षेत्र में सरस्वती पूजा का समापन शनिवार को शांति पूर्वक और भक्तिमय माहौल में हुआ। माता सरस्वती की प्रतिमा को विभिन्न नदियों और तालाब में विसर्जित किया गया। इस अवसर पर प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे, जिसमें पुलिस बल की तैनाती और गस्ती शामिल थी। सरस्वती पूजा के अवसर पर सरकारी, गैर सरकारी और निजी संस्थानों में भी प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गई। संकुल समन्वयक सह प्रारम्भिक शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष सुदर्शन कुमार गौतम, शिक्षक रामचंद्र यादव, शिक्षिका रीता कुमारी, और अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बताया कि सरस्वती मध्य विद्यालय रैठी समेत संकुल के सभी विद्यालयों में विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती का पूजन धूमधाम से किया गया। बसंत पंचमी मां सरस्वती का जन्मोत्सव है, और इस अवसर पर विद्यारंभ संस्कार भी संपन्न कराया गया। प्रतिमा विसर्जन के दौरान लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिसमें राजेश कुमार, अनिल यादव, विजय कुमार, बंटी कुमार, शंकर साह, प्रवेश मंडल, मिंटू साह, और अमरदीप कुमार सहित अन्य लोग शामिल थे। पुलिस प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कड़े इंतजाम किए थे। इस अवसर पर लोगों ने माता सरस्वती की जयकारे लगाए और उनके प्रति आस्था व्यक्त की।

नम आंखों से दी विदाई, विसर्जन के साथ सम्पन्न हुआ सरस्वती पूजा

सहरसा। प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण इलाकों में शनिवार को मां सरस्वती की प्रतिमाओं का विसर्जन श्रद्धा और भावनात्मक माहौल के बीच किया गया। विद्यार्थियों ने "मां अगले वर्ष फिर आना" के जयघोष के साथ नम आंखों से नदी, तालाब और पोखरों में प्रतिमाओं का विसर्जन किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसने माहौल को भक्तिमय बना दिया। दर्जनों प्रतिमाओं का विसर्जन शाम तक किया गया। जगह-जगह युवाओं की टोलियां झूमते-गाते नजर आईं। अबीर-गुलाल से सराबोर युवक उत्साह के साथ विसर्जन जुलूस में शामिल हुए। रसलपुर में सरस्वती पूजा को लेकर मेले का आयोजन भी किया गया, जहां काफी भीड़ देखी गई। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक गीत व नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। मां के अंतिम दर्शन के लिए छोटे बच्चों, युवाओं और छात्र-छात्राओं की भारी भीड़ उमड़ी। प्रशासन इस दौरान पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। थानाध्यक्ष खुशबू कुमारी ने बताया कि सरस्वती पूजा का पर्व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ है और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से डीजे बजाने वालों पर कार्रवाई की गई है। विसर्जन के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने शांति व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विसर्जन के बाद लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर त्योहार की शुभकामनाएं दीं।

सोनवर्षा में मां सरस्वती की प्रतिमाओं का विसर्जन प्रारंभ

सहरसा। सोनवर्षा अंचल क्षेत्र में विद्या की देवी मां सरस्वती के प्रतिमाओं का नदी तालाबों में पूरे विधि विधान से विसर्जन प्रारंभ हो गया है। हालांकि शनिवार की वजह से ज्यादातर कमेटियों द्वारा विसर्जन कार्य रविवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। इस दौरान सम्पूर्ण ईलाका मां सरस्वती की स्तुति व पुजा अर्चना से धार्मिक बना रहा। प्रशासन की सख्ती से लाउडस्पीकर के दिन लौटते नजर आना सुखद लग रहा था। डीजे के शोरगुल व अश्लील गाने ने आमजनों को परेशान कर दिया था, जिसके बाद प्रशासन ने डीजे पर सख्ती से प्रतिबंध लगा दिया। पुजा कमेटी द्वारा टेंट स्पीकर वालों से लाउड स्पीकर ढुंढ ढुंढ कर लाया गया। प्रशासन ने डीजे पर प्रतिबंध लगाने के बाद लगातार फ्लैग मार्च भी किया। विभिन्न सरकारी व नीजी विद्यालय व कमेटियों में शुक्रवार को विद्या, ज्ञान और सात्विकता की देवी भगवती मां सरस्वती की पूजा-अर्चना पूरे विधि विधान व हर्षोल्लास के साथ किया गया। दिनभर सभी पुजा पंडालों में पुजा अर्चना करने वाले महिला पुरूष श्रद्धालूओं की भीड़ जुटी रही। विसर्जन के दौरान लोगों ने मां सरस्वती की जयकारे लगाए और उनकी पूजा-अर्चना की।

राष्ट्रीय बालिका दिवस : सहरसा स्टेडियम में प्रतियोगिताओं का आयोजन

सहरसा। राष्ट्रीय बालिका दिवस-2026 के अवसर पर शनिवार को सहरसा स्टेडियम में मिनी मैराथन, टग ऑफ वार एवं वॉकथान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं के सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, आत्मविश्वास एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना था। जिलाधिकारी दीपेश कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उप विकास आयुक्त गौरव कुमार ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में जिला खेल पदाधिकारी वैभव कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी श्रेयांश तिवारी, कला एवं संस्कृति पदाधिकारी स्नेहा कुमारी, उप निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क श्री आलोक कुमार, डीटीओ सहरसा राजेश कुमार, कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण संजय कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा एवं सशक्त भविष्य के लिए समाज को प्रेरित करना आवश्यक है। हमें बालिकाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और उन्हें समाज में समान अवसर प्रदान करने चाहिए। कार्यक्रम का मुख्य प्रबंधन जिला मिशन समन्वयक, जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन एवं वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक काजल चौरसिया द्वारा किया गया। नोडल पदाधिकारी के रूप में कुमारी पुष्पा, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस की भूमिका सराहनीय रही। कार्यक्रम में किलकारी सहरसा, +2 कन्या उच्च विद्यालय सहरसा एवं प्लेयर्स प्रतिभागी रहे। सभी प्रतिभागियों को महिला एवं बाल विकास निगम एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के लोगोयुक्त कॉफी मग, टोपी, बैग, टी-शर्ट एवं ट्रैक सूट के प्रदान किया गया।कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक के कलाकारों ने बालिकाओं के अधिकार, समानता एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े संदेशों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों का स्वागत पौधा भेंटकर किया गया। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि यह कार्यक्रम बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें इस दिशा में और अधिक काम करने की आवश्यकता है।

जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर पुष्पांजलि सभा

सहरसा। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में शनिवार को जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर एक पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री और जिलाध्यक्ष ने जननायक को श्रद्धांजलि दी। भाजपा जिलाध्यक्ष साजन शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जननायक के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके द्वारा समाज के वंचित वर्गों के लिए किए गए संघर्षों को याद किया। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री डॉ. आलोक रंजन ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर जी ने अपना संपूर्ण जीवन दलितों, पिछड़ों और गरीबों के हक की आवाज बुलंद करने में समर्पित कर दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष साजन शर्मा ने कहा कि भाजपा जननायक के विचारों और उनके सामाजिक न्याय के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है।

बिहार में पहली बार ऑनलाइन एंट्री के साथ कुश्ती दंगल विजेता पहलवान को मिलेगा 1 लाख का नकद इनाम

निज संवाददाता। नालंदा

जमुई में फरवरी में होगा आयोजन

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए इस बार राज्यस्तरीय कुश्ती दंगल में एक बड़ा बदलाव किया है। पहली बार प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से पंजीकरण कराने का अवसर मिलेगा। प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रन शंकरन ने बताया कि यह कदम खेल में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

'दिल से खेलो, मिलकर जीतो' के तहत होगा आयोजनः बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले मल्लयुद्ध कार्यक्रम को इस बार 'दंगल' का नाम दिया गया है। महानिदेशक ने बताया कि इस आयोजन में राज्य भर के सभी प्रमुख अखाड़ों से पहलवानों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। बेतिया, बगहा से लेकर गयाजी और बक्सर से लेकर मुंगेर, भागलपुर तक के सभी अखाड़ों के पहलवानों से अपेक्षा की जा रही है कि वे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में हिस्सा लें।

जमुई के एस के सिंह स्टेडियम में होगा मुकाबलाः इस वर्ष का दंगल जमुई जिले के एस के सिंह स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। हालांकि आयोजन की निश्चित तिथि अभी घोषित नहीं की गई है, लेकिन प्रारंभिक योजना के अनुसार यह दो दिवसीय कार्यक्रम 14-15 फरवरी के आसपास आयोजित होने की संभावना है। यह आयोजन बिहार के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने वाला है।

सात वर्ग में होगी प्रतियोगिताः इस बार की प्रतियोगिता में बालकों के लिए चार भार वर्ग और बालिकाओं के लिए तीन भार वर्ग निर्धारित किए गए हैं। यह व्यवस्था विभिन्न आयु और शारीरिक संरचना के खिलाड़ियों को समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। महिला पहलवानों को भी बराबर का मंच देना प्राधिकरण की प्राथमिकता है।

विजेताओं को मिलेगा आकर्षक पुरस्कारः विजेता पहलवानों को प्रोत्साहित करने के लिए प्राधिकरण ने आकर्षक नकद पुरस्कारों की घोषणा की है। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पहलवान को एक लाख रुपए, द्वितीय स्थान के लिए 50,000 रुपए और तृतीय स्थान के लिए 25,000 रुपए की नकद राशि प्रदान की जाएगी। यह पुरस्कार राशि युवा खिलाड़ियों को पारंपरिक खेलों की ओर आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

ऑनलाइन पंजीकरण से होगी पारदर्शिताः पिछले वर्षों से अलग इस बार सबसे बड़ा परिवर्तन ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली है। महानिदेशक शंकरन ने बताया कि प्राधिकरण जल्द ही एक विशेष पोर्टल खोलेगा, जिसका लिंक आधिकारिक वेबसाइट, फेसबुक और इंस्टाग्राम के माध्यम से साझा किया जाएगा। इस पोर्टल पर पहलवान अपने भार वर्ग के अनुसार पंजीकरण करा सकेंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रतिभागियों को ऑनलाइन ही यह जानकारी मिल जाएगी कि उनके भार वर्ग में कौन-कौन से पहलवान प्रतिस्पर्धा करेंगे।

नालंदा के डीएम कुंदन कुमार को मिलेगा 'बेस्ट डीईओ अवॉर्ड'

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा के जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार को प्रतिष्ठित 'बेस्ट डीईओ अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार उन्हें 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी 2026 को पटना में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय समारोह में दिया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से जारी सूचना के अनुसार, यह सम्मान चुनावी प्रक्रिया में उत्कृष्ट कार्य और बेहतरीन प्रबंधन के लिए दिया जा रहा है। राज्यस्तरीय समारोह का आयोजन रविवार को सुबह 10:30 बजे पटना सिंचाई भवन परिसर स्थित अधिवेशन भवन में होगा। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार के नेतृत्व में नालंदा जिले में चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी और सुचारू रूप से संपन्न कराने के साथ-साथ मतदाता जागरूकता अभियान में भी उल्लेखनीय कार्य किया गया। जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने और चुनावी नैतिकता को मजबूत करने की दिशा में उनके प्रयासों को राज्य स्तर पर सराहा गया है। हर साल 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य युवा मतदाताओं को चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना और लोकतंत्र के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस वर्ष 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जा रहा है। राज्यस्तरीय समारोह में बिहार के विभिन्न जिलों से चयनित जिला पदाधिकारियों और चुनावी कर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा।

जदयू ने मनाई भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की जयंती, नेता बोले- सीएम नीतीश ने उनके सपनों को साकार किया

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के देखरेख में आज शहर के आईएमए हॉल (IMA Hall) में भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व शिक्षा मंत्री सह हरनौत विधायक हरिनारायण सिंह ने किया, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जदयू के राष्ट्रीय महासचिव इं. सुनील और अस्थावां विधायक उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता जदयू जिला अध्यक्ष मो. अरशद ने की, जबकि मंच संचालन अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अजय चंद्रवंशी की ओर से किया गया।

आरक्षण ने बदली समाज की तस्वीरः समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से दिए गए आरक्षण के कारण ही आज समाज के अतिपिछड़ा वर्ग के लोग मुख्यधारा से जुड़ पाए हैं। उन्होंने कहा कि आज इसी आरक्षण की बदौलत अतिपिछड़ा समाज के लोग मुखिया, जिला परिषद अध्यक्ष, प्रमुख, पंच और सरपंच जैसे सम्मानजनक पदों को सुशोभित कर रहे हैं।

कर्पूरी के साथ बिताए पलों को किया यादः उद्घाटनकर्ता और पूर्व शिक्षा मंत्री हरिनारायण सिंह ने जननायक कर्पूरी ठाकुर के साथ बिताए हुए पलों को साझा किया। उन्होंने कर्पूरी ठाकुर के काम और उनके सादगी भरे जीवन पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं को उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा दी। वहीं, राष्ट्रीय महासचिव इं. सुनील ने विस्तारपूर्वक जननायक की जीवनी पर चर्चा की। समारोह में अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के जनार्दन पंडित ने भी कर्पूरी ठाकुर के जीवन संघर्षों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जिला प्रभारी ललन महतो, जिला महासचिव अरविंद कुमार, गुलरेज अंसारी, संजय पासवान, रंजीत प्रसाद, जिला उपाध्यक्ष विनोद प्रसाद, प्रखंड अध्यक्ष संजय कुशवाहा, राकेश कुमार समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

26 जनवरी को होने वाली परेड व झांकी का ट्रेलर बनी रिहर्सल, अनुशासन-एकता का संदेश गूंजा

निज संवाददाता। जोगबनी

जेनिथ पब्लिक स्कूल, जोगबनी एवं 56वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), बथनाहा के संयुक्त तत्वावधान में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली परेड एवं झांकी की भव्य रिहर्सल का आयोजन उत्साहपूर्ण और देशभक्ति से ओत-प्रोत वातावरण में किया गया। इस रिहर्सल के दौरान मैदान राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रीय एकता के रंग में पूरी तरह रंगा नजर आया। रिहर्सल में एसएसबी के जवानों की सुसंगठित कदमताल, अनुशासित परेड और शानदार तालमेल ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जवानों की एक-एक चाल में देश की सुरक्षा, समर्पण और अनुशासन की झलक साफ दिखाई दे रही थी, जिसने उपस्थित लोगों के मन में गर्व की अनुभूति कराई।

छात्रों की झांकियों में दिखी भारत की आत्माः वहीं जेनिथ पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने रंग-बिरंगी एवं विषय आधारित झांकियों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत कार्यक्रमों के माध्यम से गणतंत्र दिवस के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। झांकियों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता, संविधान के मूल मूल्य, स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास तथा राष्ट्रनिर्माण में युवाओं की भूमिका को सजीव और प्रेरणादायी रूप में दर्शाया गया। छात्रों की प्रस्तुतियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का सुंदर समन्वय देखने को मिला, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि आने वाली पीढ़ी राष्ट्र के प्रति सजग और जिम्मेदार है।

गणमान्य अतिथियों ने की मुक्तकंठ से प्रशंसाः इस अवसर पर 56वीं बटालियन एसएसबी के कमांडेंट, जेनिथ पब्लिक स्कूल के निदेशक खुर्शीद खान सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने रिहर्सल की भव्यता और अनुशासन की सराहना करते हुए प्रतिभागियों के परिश्रम, समर्पण और प्रतिबद्धता की प्रशंसा की।

अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि— "इस तरह के आयोजन छात्रों में देशभक्ति, अनुशासन और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता को मजबूत करते हैं। स्कूल और सुरक्षा बलों का यह संयुक्त प्रयास समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।"

मुख्य कार्यक्रम को लेकर बढ़ा उत्साहः रिहर्सल के सफल आयोजन से यह स्पष्ट हो गया कि 26 जनवरी को आयोजित होने वाला मुख्य गणतंत्र दिवस समारोह अत्यंत भव्य, अनुशासित और प्रेरणादायी होगा। यह आयोजन न सिर्फ विद्यार्थियों के लिए बल्कि पूरे क्षेत्रवासियों के लिए गर्व और उत्साह का विषय बनेगा। स्थानीय लोगों में भी कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है और बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

तीन दिनों बाद सुरक्षित घर लौटा लापता किशोर

निज संवाददाता। वजीरगंज

- परिजनों ने ली राहत की सांस
- अमन दो दिनों तक ट्रेन में ही इधर-उधर भटकता रहा

वजीरगंज नगर पंचायत क्षेत्र से तीन दिनों से लापता 11 वर्षीय छात्र अमन राज शनिवार को सकुशल अपने घर लौट आया। बच्चे के सुरक्षित मिलने से परिजनों के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने भी राहत की सांस ली। अमन राज मौलानगर निवासी वीरेन्द्र कुमार रजक का पुत्र है और मध्य विद्यालय दखिनगांव में छठी कक्षा का छात्र है। परिजनों के अनुसार बुधवार को अमन घर से स्कूल जाने के लिए निकला था, लेकिन वह विद्यालय न पहुंचकर मानपुर स्थित अपनी मौसी के घर जाने की नीयत से पुरा हॉल्ट पहुंच गया। वहां से वह गलती से ट्रेन पर चढ़ गया, जो किउल की ओर जा रही थी।

बताया गया कि अमन दो दिनों तक ट्रेन में ही इधर-उधर भटकता रहा। बाद में किसी तरह वह मानपुर के गेरे गांव पहुंच गया, जहां एक शिक्षक ने बच्चे से बातचीत के दौरान उसकी पहचान की। शिक्षक ने तत्काल अमन के परिजनों को फोन कर इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन मानपुर पहुंचे और अमन को सुरक्षित अपने साथ घर ले आए। बच्चे के सकुशल लौटने पर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस संबंध में थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि बच्चे को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आगे की कार्रवाई के तहत बच्चे का बयान दर्ज कराया जाएगा, ताकि पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली जा सके।

नालंदा में गणतंत्र दिवस पर भव्य कार्यक्रम की तैयारी

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में 77वें गणतंत्र दिवस पर भव्य आयोजन को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने अलग-अलग विभागों के पदाधिकारियों को 26 जनवरी के राष्ट्रीय पर्व के सफल आयोजन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मुख्य समारोह सोगरा उच्च विद्यालय परिसर, बिहारशरीफ में सुबह 9 बजे आयोजित किया जाएगा। जिला पदाधिकारी ने समारोह स्थल पर बैठने की उचित व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, झंडारोहण और राष्ट्रगान के साथ-साथ विभिन्न विभागों की ओर से प्रस्तुत की जाने वाली झांकियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया है।

जिले भर में होगा कार्यक्रमः मुख्य समारोह के अतिरिक्त जिले के विभिन्न कार्यालयों में भी कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। नालंदा समाहरणालय में सुबह 9:45 बजे, जिला परिषद कार्यालय में 10 बजे, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण में 10:10 बजे, अनुमंडल कार्यालय बिहारशरीफ में 10:15 बजे, गृह रक्षा वाहिनी कार्यालय में 10:25 बजे, बिहारशरीफ नगर निगम में 10:40 बजे, बिहारशरीफ थाना परिसर में 10:50 बजे झंडारोहण होगा। इसके बाद कारगिल पार्क में 11:10 बजे शहीदों को श्रद्धांजलि और माल्यार्पण किया जाएगा, जबकि पुलिस लाइन बिहारशरीफ में 11:25 बजे कार्यक्रम संपन्न होगा।

13 विभागों की रंगारंग झांकियांः गणतंत्र दिवस समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए 13 विभागों की ओर से विविध विषयों पर आधारित झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी।

जिला स्वास्थ्य समिति 'कन्या भ्रूण हत्या एक अपराध' पर झांकी पेश करेगी, तो जिला ग्रामीण विकास अभिकरण मनरेगा खेल मैदान का प्रदर्शन करेगा। सर्व शिक्षा अभियान की झांकी में शिक्षा में आईसीटी के प्रयोग को दर्शाया जाएगा। इसके अलावा सामाजिक सुरक्षा कोषांग बिहार भिक्षावृत्ति निवारण योजना, कृषि कार्यालय फार्मर रजिस्ट्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण नल-जल योजना, आईसीडीएस सक्षम आंगनवाड़ी, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग शराबबंदी के सकारात्मक प्रभाव, जीविका मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना, जिला पंचायत राज पंचायत सरकार भवन और विवाह मंडप, योजना कार्यालय सात निश्चय-3, पशुपालन कार्यालय सेक्स-सॉर्टेड सीमेन तथा परिवहन कार्यालय सड़क सुरक्षा पर झांकियां प्रस्तुत करेंगे।

परेड में शामिल होंगी सात टुकड़ियांः राष्ट्रीय ध्वज को भव्य सलामी देने के लिए परेड में विभिन्न बलों की टुकड़ियां शामिल होंगी।

- सोगरा मैदान में 13 विभागों की झांकियां

इनमें डीएपी की तीन प्लाटून, होमगार्ड की एक प्लाटून, एनसीसी सीनियर डिवीजन की एक प्लाटून, एनसीसी जूनियर डिवीजन की एक प्लाटून, स्काउट एवं गाइड की दो प्लाटून, फायर ब्रिगेड की एक यूनिट और सैनिक विद्यालय राजगीर की एक यूनिट शामिल होगी।

सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यानः जिला प्रशासन ने भीड़ नियंत्रण और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। अनुमंडल पदाधिकारी बिहारशरीफ और पुलिस उपाधीक्षक (विधि-व्यवस्था) तथा यातायात को संयुक्त रूप से यह सुनिश्चित करने का जिम्मा सौंपा गया है कि समारोह स्थल पर एकत्रित भीड़ अनियंत्रित न हो। सोगरा उच्च विद्यालय के प्रवेश द्वार पर भीड़ जमा न हो, इसके लिए पुलिस उपाधीक्षक यातायात विशेष व्यवस्था करेंगे। समारोह स्थल पर महत्वपूर्ण व्यक्तियों, जन प्रतिनिधियों, स्वतंत्रता सेनानियों, आमंत्रित अतिथियों, प्रेस प्रतिनिधियों और महिलाओं के लिए अलग-अलग कर्णांकित क्षेत्रों में बैठने की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक क्षेत्र में एक पदाधिकारी या कर्मचारी तैनात किया जाएगा ताकि आगंतुकों को स्थान ग्रहण करने में कोई कठिनाई न हो।

महादलित टोलों में भी कार्यक्रमः जिला कल्याण पदाधिकारी को महादलित टोलों में भी झंडारोहण कार्यक्रम विधिवत संपन्न कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही शहर की साफ-सफाई, पेयजल और विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया है।

आज होगा फुल ड्रेस रिहर्सलः समारोह की सफलता के लिए आज फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया जाएगा। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों से अपने दायित्वों का समय पर निर्वहन सुनिश्चित करने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

सीएसपी संचालक लहुलुहान ,अपराधियों ने उनके पास से डेढ़ लाख रुपये तथा गले से एक सोने की चेन लूटकर हो गए फरार

शिवसागर/ रोहतास । जिले के शिवसागर थाना क्षेत्र अंतर्गत मडकन पुल के समीप शनिवार की दोपहर बाइक सवार दो अपराधियों ने एक सीएसपी संचालक को लूटपाट के दौरान गोली मार दी। गोली युवक के पैर में लगी है और आनन-फानन में स्थानीय लोगों की मदद से उसे सदर अस्पताल के ट्रामा सेंटर में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घायल युवक की पहचान शिवसागर के पखनारी गांव निवासी 40 वर्षीय राकेश कुमार सिंह के रूप में हुई है। घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि सीएसपी संचालक राकेश कुमार सिंह अपनी स्कूटी से शनिवार को रायपुर चोर स्थित सीएसपी केंद्र पर जा रहे थे, तभी मडकन पुल के समीप बाइक सवार दो अपराधियों ने पीछा कर उन्हें हथियार का भय दिखा कर रोक लिया और लूटपाट की कोशिश करने लगे। वहीं राकेश कुमार ने साहस दिखाते हुए जब लूटपाट का विरोध किया, तो अपराधियों ने उनपर पर गोली चला दी। पैर में गोली लगते हीं सीएसपी संचालक लहुलुहान होकर गिर पड़े और अपराधियों ने उनके पास से डेढ़ लाख रुपये तथा गले से एक सोने की चेन लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते हीं मौके पर पहुंची शिवसागर थाने की पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सदर डीएसपी वन दिलीप कुमार ने बताया कि फिलहाल घायल युवक का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। उन्होंने कहा कि पुलिस अपाचे बाइक सवार दो अपराधियों की पहचान करने में जुटी है और जल्द हीं उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सामान्य वर्ग के हितों के विरुद्ध बनाए जा रहे कानूनों और भेदभाव को रोकाजायःमानवता सेवा संघ

काराकाट/ रोहतास । मानवता सेवा संघ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि UGC द्वारा सामान्य वर्ग के हितों के विरुद्ध बनाए जा रहे कानूनों और भेदभाव को रोकाजाय अन्यथा संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा । हमलोग भी इस देश का एक जागरूक नागरिक और सामान्य वर्ग (General Category) का सदस्य, इस विज्ञप्ति के माध्यम से अत्यंत क्षोभ और आक्रोश व्यक्त करते हैं। हाल ही में UGC द्वारा शिक्षा और नियुक्तियों के संदर्भ में जो नीतियां और कानून प्रस्तावित किए जा रहे हैं, वे सामान्य वर्ग के युवाओं के भविष्य पर सीधा प्रहार हैं। कहा गया कि एक तरफ आपकी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा देती है, वहीं दूसरी तरफ 'एक देश, एक कानून' की बात को हाशिए पर रखकर केवल सामान्य वर्ग पर ही कड़े नियमों का बोझ लादा जा रहा है।

हमारी मुख्य मांगें और चिंताएं निम्नलिखित हैं:

प्रतिभा के साथ अन्यायः शिक्षा और नौकरियों में योग्यता (Merit) को दरकिनार कर सामान्य वर्ग के प्रति जो दमनकारी नीतियां अपनाई जा रही हैं, उससे सामान्य वर्ग का युवा खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

समान कानून की अनदेखीः जब हम एक राष्ट्र हैं, तो शिक्षा और प्रगति के अवसर सबके लिए एक समान क्यों नहीं हैं? सामान्य वर्ग का वोट केवल सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि न्याय पाने के लिए भी है।

निरंतर उपेक्षाः हर राजनीतिक दल ने सामान्य वर्ग को केवल एक 'वोट बैंक' समझा है। हम स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि यदि हमारी बिरादरी के हितों की रक्षा नहीं हुई, तो हम अपना समर्थन वापस लेने में संकोच नहीं करेंगे।

अतः मानवता सेवा संघ की ओर से और अपनी बिरादरी की ओर से यह घोषणा करता हूँ कि यदि UGC के इन जनविरोधी कानूनों को तुरंत वापस नहीं लिया गया, तो हम आने वाले समय में व्यापक बहिष्कार करेंगे। मानवता सेवा संघ और मेरा परिवार इस अन्याय के विरोध में आपकी पार्टी के किसी भी प्रतिनिधि का स्वागत वोट मांगने के लिए नही जाएगी । मौके पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण दूबे, उपाध्यक्ष गुड्डू उपाध्याय, सचिव अखिलेश तिवारी, महासचिव दशरथ मिश्रा ,अंगद उपाध्याय, कुन्दन पाण्डेय ,कौशल किशोर पाण्डेय,फणींद्र त्रिपाठी सहित अन्य संगठन के सदस्य रहे।

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के कार्यालय अर्जुन भवन में मनाई गई भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर जयंती

पूर्णिया। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के कार्यालय अर्जुन भवन में भारत रत्न एवं सामाजिक न्याय के पुरोधा कर्पूरी ठाकुर की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन बबलू भगत के नेतृत्व में किया गया, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बुद्धिजीवियों की सहभागिता रही। कार्यक्रम की शुरुआत कर्पूरी ठाकुर जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। वक्ताओं ने उनके संघर्षपूर्ण जीवन, सादगी, ईमानदारी और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण को याद किया।

इस अवसर पर सांसद प्रवक्ता राजेश यादव ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर केवल एक नेता नहीं, बल्कि एक विचारधारा थे, जिन्होंने राजनीति को सत्ता नहीं, सेवा का माध्यम बनाया और वंचित वर्गों को अधिकार दिलाया। कार्यक्रम में शंकर सहनी, वैश खान, सतेन्द्र ठाकुर, हजारी मेहता, गोपाल राम, अजय जयसवाल, संजय पोद्दार सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे और कर्पूरी ठाकुर के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

अररिया स्थित आवास पर जनता दरबार में उमड़ा भरोसा, समस्याओं के त्वरित निदान के निर्देश

अररिया। जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने आज अररिया स्थित अपने आवास पर आयोजित जनसंवाद/जनता दरबार में क्षेत्रवासियों की समस्याएँ ध्यानपूर्वक सुनीं। दूर-दराज से आए लोगों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पेयजल, पेंशन, आवास और प्रशासनिक अड़चनों से जुड़ी अपनी-अपनी समस्याएँ सांसद के समक्ष रखीं। सांसद ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए न केवल बारीकी से समझा, बल्कि तत्काल समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने मौके पर मौजूद कार्यालय सहयोगियों और संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि समस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनता को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। जनसंवाद के दौरान सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। "जनता की आवाज़ सुनना, उसे समझना और ठोस समाधान तक पहुँचाना—यही हमारी कार्यसंस्कृति है," उन्होंने दोहराया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जनता दरबार केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जवाबदेही और परिणाम-केंद्रित शासन का माध्यम है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने सांसद की संवेदनशीलता, सहज उपलब्धता और त्वरित कार्रवाई के आश्वासन की सराहना की। स्थानीय नागरिकों का कहना था कि ऐसे जनसंवाद से न केवल समस्याओं का समाधान होता है, बल्कि लोकतंत्र में विश्वास भी मजबूत होता है।

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर गुरुकुल स्कूल, सुजानपुर की 'वंदे भारत प्रभात यात्रा' का भव्य आयोजन

निज संवाददाता। डेहरी (रोहतास)

77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर गुरुकुल स्कूल, सुजानपुर के निदेशक श्री आर.पी. सिंह एवं प्रधानाध्यापक श्री कुमार सविनय के नेतृत्व में रविवार प्रातः विद्यालय परिसर से भव्य "वंदे भारत प्रभात यात्रा" निकाली गई। प्रभात यात्रा घोड़े, गाजे-बाजे एवं देशभक्ति गीतों के साथ पूरे उत्साह, अनुशासन और देशप्रेम के वातावरण में संपन्न हुई। प्रभात यात्रा विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर कटार, नारायणपुर, कमरगंज, बस्तीपुर, बी.एम.पी.-2, निरंजन बीघा होते हुए एनिकट, डेहरी तक निकाली गई तथा अंत में पाली रोड स्थित समधान कंसल्टेंसी परिसर में इसका समापन किया गया।

प्रभात यात्रा में राम–जानकी दरबार एवं राधा–कृष्ण की भव्य झाँकियाँ विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इसके साथ ही माँ दुर्गा के नौ रूप, महात्मा गांधी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, खुदीराम बोस, झांसी की रानी, इंदिरा गांधी एवं प्रतिभा पाटिल के रूप में सजे बच्चों ने देशभक्ति एवं सांस्कृतिक चेतना का प्रभावशाली संदेश दिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मानव पिरामिड ने भी उपस्थित लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

बच्चों ने हाथों में तिरंगा लेकर "नशामुक्त भारत" एवं "पर्यावरण संरक्षण" का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने पूरे जोश के साथ देशभक्ति एवं जागरूकता से जुड़े नारे लगाए —

"1, 2, 3, 4 — भारत माता की जय जयकार", "हमसे जो टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा", "नशा छोड़ो, जीवन संवारो", "नशे से दूर, सेहत भरपूर",

"शराब, सिगरेट, तंबाकू से किनारा — यही है जीवन का सहारा।"

इस अवसर पर लगभग 300 छात्र-छात्राएँ तथा विद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बच्चों का उत्साह और अनुशासन देखते ही बनता था। प्रभात यात्रा को देखकर स्थानीय नागरिकों ने कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा की। प्रभात यात्रा के समापन के पश्चात पाली रोड स्थित समधान कंसल्टेंसी परिसर में प्रधानाध्यापक श्री कुमार सविनय द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई, जिसमें सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की।

निदेशक श्री आर.पी. सिंह ने अपने संबोधन में कहा — "इस प्रकार के आयोजन बच्चों में देशभक्ति, अनुशासन एवं सामाजिक जागरूकता को सुदृढ़ करते हैं। नशामुक्त और सशक्त भारत का निर्माण ही हमारे गणतंत्र का सच्चा उद्देश्य है।" प्रधानाध्यापक श्री कुमार सविनय ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा — "लगभग 300 विद्यार्थियों तथा समस्त शिक्षक-कर्मचारियों के सहयोग से यह प्रभात यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। गुरुकुल परिवार भविष्य में भी राष्ट्रहित, समाजहित एवं नशामुक्त भारत के निर्माण हेतु निरंतर कार्य करता रहेगा।"

साक्षर होगीं असाक्षर महिलाएं,10 से 12 की संख्या पर खुलेगा एक केन्द्र

निज संवाददाता। बिक्रमगंज(रोहतास)

सर्वे के आधार पर चिन्हित असाक्षर महिलाओं को साक्षर करने का पहल शिक्षा विभाग ने आरंभ किया। विभागीय आदेश के आलोक में शनिवार को प्रखंड कार्यालय बिक्रमगंज के साभागार में इसके लिए एक बैठक आयोजित की गई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं टोला सेवकों को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सह श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी रितेश कुमार ने संबंधित जानकारी को विस्तार पूर्वक साझा किया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में सर्वे कराकर असाक्षर महिलाओं को चिन्हित किया गया है। जिन्हें साक्षर करने के लिए केन्द्र खोला जाएगा।10 से 12 असाक्षर महिलाओं पर एक केन्द्र का संचालन किया जाएगा। असाक्षर महिलाओं की आयु 15 वर्ष से ऊपर की होनी चाहिए। केन्द्रों का संचालन शिक्षा सेवक एवं वालंटियर टीचर द्वारा किया जाएगा। वालंटियर टीचर के संदर्भ में उन्होंने बताया कि वैसे वर्ग 9 एवं 10 के छात्र छात्राएं जो स्वेच्छा से इस कार्य के लिए राजी होंगे उन्हें असाक्षर महिलाओं को साक्षर बनाने के लिए स्वीकृति दी जाएगी। बैठक में शिक्षक जयप्रकाश, भास्कर कुमार सिंह ,अभिमन्यु भाई पटेल एवं घोसिया कला तथा जोन्हीं के पंचायत समिति सदस्य सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

वसंत पंचमी पर बच्चों की कला ने जीता दिल

कोचिंग के छात्र-छात्राओं ने नाट्य मंचन से दिया सामाजिक संदेश

निज संवाददाता। करगहर (रोहतास)

प्रखंड क्षेत्र के ग्राम सीढ़ी सहित आसपास के इलाकों में वसंत पंचमी के पावन अवसर पर श्रद्धा, विश्वास और भक्तिभाव के साथ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई।

इस शुभ अवसर पर रफ्तार कोचिंग सेंटर के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नाट्य मंचन कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता रफ्तार कोचिंग सेंटर के संचालक सुनील सर ने की, जबकि मंच संचालन धनु कुमार गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. सुरेंद्र राय द्वारा फीता काटकर किया गया।

बाल नवयुवक छात्र संघ के तत्वावधान में कोचिंग के छात्र-छात्राओं ने "बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ" तथा "वन है तो जीवन है" जैसे सामाजिक संदेशों से ओतप्रोत नाटकों का प्रभावशाली मंचन किया। नाटक के दौरान बच्चों की भावपूर्ण प्रस्तुति देख कार्यक्रम में उपस्थित लोग भावुक हो उठे और जमकर तालियां बजाईं। मुख्य अतिथि डॉ. सुरेंद्र राय ने अपने संबोधन में कहा कि "बेटी के बिना घर अधूरा है। आज बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। बेटियां लक्ष्मी का रूप होती हैं, बस उन्हें समझने और अवसर देने की जरूरत है।"

उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि "वन है तो जीवन है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है। पेड़ ऑक्सीजन, वर्षा और जल संरक्षण में अहम भूमिका निभाते हैं।" वहीं प्रोफेसर शिवमुनि ने कहा कि फिल्मी नाटक केवल मनोरंजन तक सीमित रहते हैं, लेकिन इस प्रकार के सामाजिक नाटक छात्र-छात्राओं को ज्ञान, संस्कार और जिम्मेदारी का बोध कराते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा मेडल, कॉपी और कलम देकर सम्मानित किया गया, जिससे बच्चों का उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ा।

मौके पर राधेश्याम शाह, संतन शाह, मुन्ना साह भोला, रिंकू, ओमप्रकाश, मिंटू, संकल्प, मंटू (शेरा), पप्पू, गुलशन, विशाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

करगहर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, मारपीट मामलों में फरार चार अभियुक्त गिरफ्तार

निज संवाददाता। करगहर (रोहतास)

थाना क्षेत्र में कानून से बचते फिर रहे आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कदम उठाते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। तिलकपुर, मनियारी एवं पहाड़ी गांवों में हुई मारपीट की घटनाओं से जुड़े मामलों में फरार चल रहे चार अभियुक्तों को करगहर पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने बताया कि उक्त अभियुक्त न्यायालय द्वारा बार-बार समन भेजे जाने के बावजूद उपस्थित नहीं हो रहे थे। न्यायालय के आदेश पर जारी

गिरफ्तारी वारंट के आलोक में पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान चलाकर फरार अभियुक्तों को उनके ठिकानों से दबोच लिया।

गिरफ्तार अभियुक्तों में तिलकपुर निवासी श्रवण कुमार, मनियारी निवासी शशि कुमार एवं बासुदेव पासवान, तथा थाना कांड संख्या 313/24 के अभियुक्त पहाड़ी निवासी कृष्णा राम शामिल हैं। सभी अभियुक्त अलग-अलग मारपीट मामलों में नामजद बताए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार सभी अभियुक्तों से आवश्यक पूछताछ की जा रही है तथा कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर आम लोगों में भरोसा बढ़ा है, वहीं फरार अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाई गई बड़ी ही धूमधाम से

निज संवाददाता। काराकाट /रोहतास

काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय काराकाट जयश्री के प्रांगण में बड़ी ही धूमधाम से राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाई गई। शुरुआत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2008 में मनाई गई थी। 24 जनवरी को ही हमारे पूर्व महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 24 जनवरी 1966 को शपथ ली थी। इस कार्यक्रम के द्वारा एक प्रेरणा दिया गया कि सामान्यता व सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता, उज्जवल भविष्य, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ इत्यादि। मौके पर वार्डेन गुड़िया पांडेय, नादिदा खातून , अनिता कुमारी रीना सिंह । छात्रा पूनम कुमारी ,रौशनी कुमारी,काजल कुमारी,छोटी कुमारी, रविता कुमारी रंजनी कुमारी,ऊषा कुमारी सहित अन्य सभी विद्यालय परिवार।

सच्चे समाजवादी थे कर्पूरी ठाकुर : कुलपति प्रो.(डॉ.)बी. एस. झा

निज संवाददाता। मधेपुरा

♦ बीएनएमयू में भारतरत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर का 102वां जन्मोत्सव समारोह

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), बीएनएमयू, मधेपुरा के तत्वावधान में शनिवार को विश्वविद्यालय प्रेक्षागृह में भारतरत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर का 102वां जन्मोत्सव गरिमामय वातावरण में मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो.(डॉ.) बी. एस. झा ने की। उन्होंने कर्पूरी ठाकुर से जुड़े अपने संस्मरण साझा करते हुए उनके व्यक्तित्व, विचार और संघर्षशील जीवन पर प्रकाश डाला।

कुलपति प्रो.(डॉ.) बी. एस. झा ने बताया कि कर्पूरी ठाकुर का जन्म दरभंगा (अब समस्तीपुर) जिले के पितौंझिया गांव (वर्तमान कर्पूरी ग्राम) में हुआ। महात्मा गांधी के आह्वान पर वे भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रहे और 1943 में अंग्रेजी हुकूमत द्वारा गिरफ्तार किए गए। इस दौरान उन्हें 26 माह की जेल झेलनी पड़ी। जेल से रिहाई के बाद भी उन्होंने ब्रिटिश शासन और सामाजिक अन्याय के खिलाफ अहिंसक संघर्ष जारी रखा। स्वतंत्रता के बाद वे कुछ समय तक अपने गांव के विद्यालय में शिक्षक रहे। 1948 में आचार्य नरेंद्र देव और जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में गठित सोशलिस्ट पार्टी के वे प्रांतीय मंत्री बने। 1952 और 1962 में ताजपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए। 1967 में बिहार के उपमुख्यमंत्री बने और शिक्षा व वित्त मंत्रालय का दायित्व संभाला। वे 1970 और 1977 में दो बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे। उनका निधन 17 फरवरी 1988 को हुआ।

कुलपति ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर सादगी, सरलता और ईमानदारी की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने कभी जातिवाद या परिवारवाद को बढ़ावा नहीं दिया। आमजन के हक और न्याय के लिए वे हमेशा धारा के विपरीत खड़े रहे—इसी कारण आज़ादी के बाद भी उन्हें 18 बार जेल जाना पड़ा। उन्होंने पिछड़ों, अतिपिछड़ों, महिलाओं और गरीब सवर्णों के लिए भी आरक्षण का प्रावधान किया। डीएसपी प्रो. अशोक कुमार ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर केवल किसी एक वर्ग के नहीं, बल्कि सर्वसमाज के नेता थे। सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. कैलाश प्रसाद यादव ने बताया कि शिक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने मैट्रिक पाठ्यक्रम से अंग्रेजी की अनिवार्यता हटाई, जिससे गरीबों और पिछड़ों की शिक्षा में भागीदारी बढ़ी।

विषय प्रवेश कराते हुए कुलसचिव प्रो. अशोक कुमार ठाकुर ने बताया कि कुलपति के विशेष प्रयास से विश्वविद्यालय परिसर में जननायक कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। कार्यक्रम की शुरुआत जननायक के चित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलन से हुई। अतिथियों का अंगवस्त्रम व पुष्पगुच्छ से सम्मान किया गया। प्रारंभ में कुलगीत तथा समापन पर वंदे मातरम् और जन-गण-मन का सामूहिक गायन हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुधांशु शेखर (एनएसएस पदाधिकारी) ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनील कुमार (वित्त पदाधिकारी) ने दिया। मौके पर विश्वविद्यालय के कई वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दरोगा को एक तेज रफ्तार बाइक ने मारी टक्कर

निज संवाददाता। भागलपुर

- मोटरसाइकिल पर 3 लोग थे सवार, सिर-सीने में चोट लगी

भागलपुर के पीरपैंती पावर प्लांट टीओपी में तैनात दरोगा सुनील कुमार को शुक्रवार देर शाम एक तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दरोगा गंभीर रूप से घायल हो गए और सड़क पर गिर पड़े। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर किया गया है। पावर प्लांट के कर्मियों और स्थानीय लोगों ने घायल दरोगा को तुरंत पीरपैंती रेफरल अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मायागंज अस्पताल भेजने का फैसला लिया। दरोगा सुनील कुमार के सिर और सीने में गंभीर चोटें आई हैं और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है।

बाइक पर 3 युवक थे सवारः घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ-2 पंकज कुमार, पीरपैंती थानाध्यक्ष नीरज कुमार और सिविल एसडीओ शशिकांत सहित कई पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मायागंज अस्पताल पहुंचे। उन्होंने डॉक्टरों से दरोगा की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दरोगा सुनील कुमार गश्त से लौट रहे थे। चाय पीने के बाद जैसे ही वे टीओपी की ओर बढ़ रहे थे, तिरुपति की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें सीधी टक्कर मार दी। बताया गया कि बाइक पर तीन युवक सवार थे, जो लापरवाही से गाड़ी चला रहे थे। हादसे के बाद बाइक सवार युवक मौके से फरार हो गए। हालांकि, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को घटनास्थल से गिरफ्तार कर लिया है। अन्य दो फरार युवकों की पहचान कर उनकी तलाश जारी है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को भी जब्त कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

गणतंत्र दिवस की तैयारी पूरी

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। 26 जनवरी को पोलो मैदान में होने वाले मुख्य समारोह के लिए चल रहे परेड पूर्वाभ्यास का शनिवार को समापन हो गया। अंतिम दिन जिलाधिकारी (डीएम) निखिल धनराज और पुलिस अधीक्षक (एसपी) सैयद इमरान मसूद ने संयुक्त रूप से परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद, डीएम ने झंडा फहराया। इस अवसर पर बैजनाथ गर्ल्स स्कूल की छात्राओं ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया, जबकि डीएवी स्कूल मुंगेर के छात्रों ने बैंड धुन बजाई।

हर साल पोलो मैदान में झंडारोहणः डीएम निखिल धनराज ने बताया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर हर साल पोलो मैदान में झंडारोहण किया जाता है, जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि समारोह के दौरान जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस को लेकर जिले भर में सुरक्षाः पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद ने सुरक्षा व्यवस्था पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस को लेकर जिले भर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और फ्लैग मार्च भी किया जा रहा है। पोलो मैदान में भी सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात रहेगा। एसपी ने सभी थाना अध्यक्षों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में लगातार गश्त करने का निर्देश दिया है। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में विभिन्न विभागों द्वारा झांकियां भी निकाली जाएंगी, जो पोलो मैदान में उपस्थित लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र होंगी।

पिता ने मेरी मां को एसिड पिलाया

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में सिविल कोर्ट के मुंशी पर पत्नी को जबरदस्ती एसिड पिलाने आरोप है। महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। इलाज के लिए मायागंज में एडमिट कराया गया है। घटना लोदीपुर थाना क्षेत्र के तबलपुर गांव का है। रुखसाना की बेटी अफसाना (10) ने बताया कि मेरी मां को मेरे पिता, चाचा और दादा ने पकड़ा था। मेरे पापा ने मम्मी को एसिड पिला दिया। मुझे भी मारते थे। छोटी-छोटी बात पर गुस्सा करते थे। सारी घटना मेरी नजरों के सामने हुई। मैंने अपने ननिहाल में सारी बात बताई। उसके बाद ननिहाल के लोग आए। मेरे मां को किसी तरह बचाकर अस्पताल लेकर गए। ननिहाल और दादी घर एक ही मोहल्ले में है।

दामाद बेटी को मारने के लिए बोलता हैः पीड़िता की मां खुर्शीदा ने बताया कि 10 साल पहले मेरी बेटी रुखसाना की शादी मोहम्मद जलाल से हुई थी। शादी के बाद से ही दहेज को लेकर मारपीट और प्रताड़ित किया जाता था। 2 बेटी और एक बेटा है। मेरा दामाद कहता है कि एक बेटी को बेच दो या मार दो। मेरी बेटी ये मानने को तैयार नहीं थी। ससुराल वालों ने मिलकर जान से मारने की नीयत से उसे जबरन एसिड पिला दिया। जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। इसके बाद रुखसाना को जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज लेकर गए। जहां उसका इलाज चल रहा है। दामाद कोर्ट में मुंशी का काम करता है।

सास घर नहीं बसने दे रही हैः वहीं, इस मामले में आरोपी दामाद जमाल का कहना है कि मेरी सास घर बसने नहीं दे रही है। मेरे तीन बच्चे हैं। तीनों बच्चों को ससुराल वाले अनाथ करने पर लगे हैं। शादी के बाद से लगातार दहेज प्रथा का झूठा केस में फंसा रही है। कहलगांव से अपने ममेरे भाई और गुंडे को मारपीट करने के लिए बुलाया जाता है। बच्चों का परवरिश कौन करेगा। मेरी सास ही घर खराब कर रही है। पत्नी अगर मुझे गलत साबित कर देगी तो हम गलत हैं। बाकी लोगों पर भरोसा नहीं कर सकता हूं। आप लोग ही देख लीजिए, मेरे साथ क्या हो रहा है।

आवेदन के आधार पर की जाएगी कार्रवाईः इस संबंध में लोदीपुर थानेदार घनश्याम मंडल का कहना है कि अभी तक किसी ने आवेदन नहीं दिया है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है।

पुलिस का 'ऑपरेशन मुस्कान'

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत शनिवार को 96 खोए हुए मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए गए। यह कार्यक्रम एसपी कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया, जहां विभिन्न जिलों से आए पीड़ितों को उनके फोन सौंपे गए। इस अवसर पर एसपी कार्यालय में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। जैसे ही पुलिस अधिकारियों ने एक-एक कर मोबाइल धारकों को उनके फोन लौटाए, वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर मुंगेर पुलिस की सराहना की। कई पीड़ितों ने बताया कि उन्हें मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद नहीं थी, लेकिन पुलिस की सक्रियता से यह संभव हो सका।

असली मालिकों को फोन सौंपे गएः पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज मोबाइल गुमशुदगी के मामलों की तकनीकी जांच की गई। साइबर सेल और संबंधित थाना पुलिस के समन्वय से इन मोबाइलों की लोकेशन ट्रेस कर उन्हें बरामद किया गया। इसके बाद सत्यापन प्रक्रिया पूरी कर असली मालिकों को फोन सौंपे गए।

मुंगेर पुलिस का आभार व्यक्त कियाः मोबाइल वापस मिलने पर पीड़ितों ने मुंगेर पुलिस का आभार व्यक्त किया। कई लोगों ने कहा कि आज के समय में मोबाइल केवल संपर्क का साधन नहीं है, बल्कि इसमें व्यक्तिगत और महत्वपूर्ण जानकारी भी होती है। ऐसे में फोन वापस मिलना उनके लिए बड़ी राहत की बात है। एसपी ने आम लोगों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने की स्थिति में तुरंत नजदीकी थाने में या ऑनलाइन माध्यम से शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। पुलिस ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी 'ऑपरेशन मुस्कान' के माध्यम से जनता की समस्याओं का समाधान इसी तरह किया जाता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

घायल भजन गायक की मौत

बेगूसरायः बेगूसराय में सड़क हादसे में घायल भजन गायक की इलाज के दौरान मौत हो गई। कार्यक्रम के बाद 17 जनवरी को देर रात घर लौट रहे थे। इस दौरान अंग्रेजी ढाला के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। मृतक की पहचान अमरौर-किरतपुर गांव के वार्ड नंबर 20 निवासी महावीर सिंह के पुत्र कपिल देव सिंह के तौर पर हुई है। घटना सिंघौल थाना क्षेत्र की है।

रोड क्रॉस करने के दौरान हादसाः भतीजा अमरजीत कुमार ने बताया कि हमारे चाचा भजन-कीर्तन करते थे। 17 जनवरी को अंग्रेजी ढ़ाला के पास अजगैबीनाथ मंदिर गए थे। रात में कार्यक्रम के बाद घर वापस लौटने के दौरान NH-31 फोरलेन पर रोड क्रॉस करने के दौरान तेज रफ्तार वाहन ने रौंद दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत उठाकर अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने के बाद परिवार के सदस्य अस्पताल पहुंचे। दो दिन आईसीयू में एडमिट रहे। इसके बाद बेगूसराय सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान शुक्रवार देर रात उन्होंने दम तोड़ दिया। इस संबंध में सिंघौल थाना में लिखित आवेदन दिया है। था। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव सौंप दिया है।

बंद 2 घरों से लाखों के आभूषण चोरी

मुंगेरः मुंगेर के कासिम बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत बिंदवाड़ा मोहल्ले में दो बंद घरों से लाखों रुपए के सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान चोरी हो गए। शुक्रवार की देर शाम पीड़ित ने थाने में आवेदन दिया है। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरअसल, शंभुशरण सिंह और मलिंदर कुमार सिंह अपने घरों में ताला लगाकर निजी कार्य से रिश्तेदारों के यहां गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने उनके बंद घरों को निशाना बनाया।

पिता के देहांत के बाद घर गया था पीड़ितः शंभुशरण सिंह की पत्नी बिंदु देवी ने बताया कि उनके पिता के निधन के बाद वे पति और बच्चों के साथ मायके खंड बिहारी गांव गई थी। बुधवार को जब उनके पति घर लौटे, तो मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ मिला। हालांकि, घर का अन्य सामान व्यवस्थित था। गुरुवार शाम को जब पूरा परिवार घर पहुंचा, तो गोदरेज में रखे सोने और चांदी के आभूषण गायब पाए गए। बिंदु देवी के अनुसार, चोरों ने गोदरेज को तोड़े बिना डुप्लीकेट या मास्टर चाबी का इस्तेमाल कर चोरी की। चोरी हुए आभूषणों में छह जोड़ी सोने के कान के जेवर, एक चेन, दो मंगलसूत्र और अंगूठियां शामिल हैं। कुल मिलाकर लगभग पांच भर सोने के आभूषणों की चोरी हुई है, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत पांच लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। दूसरे पीड़ित मलिंदर कुमार सिंह ने बताया कि वे 12 जनवरी को अपनी पत्नी के साथ बेटे के घर आसनसोल गए थे। उन्हें पड़ोसियों से सूचना मिली कि उनके घर के मुख्य दरवाजे का ताला कटा हुआ है।

10 लाख के आभूषण चोरीः गुरुवार को गांव लौटने पर उन्होंने देखा कि घर से एलईडी टीवी गायब है तथा गोदरेज में रखे पत्नी के आभूषण भी चोरी हो चुके हैं। चोरी गए आभूषणों में चार ग्राम की सोने की चेन, चार सोने के कंगन, तीन भर का मंगलसूत्र एवं कान के आभूषण शामिल हैं। इस घटना में लगभग दस लाख रुपए मूल्य के आभूषणों की चोरी होने की बात कही गई है। इस संबंध में कासिम बाजार थाना को सूचना दिए जाने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

मामले की जांच में जुटी पुलिसः थानाध्यक्ष रूबी कांत कच्छप ने बताया कि दो घरों में चोरी से संबंधित आवेदन प्राप्त हुआ है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चोरों ने गोदरेज को तोड़े बिना डुप्लीकेट अथवा मास्टर चाबी से लॉकर खोलकर आभूषणों की चोरी की है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर श्रद्धांजलि, व्यक्तित्व पर चर्चा

अररियाः फारबिसगंज के जेपी सभा भवन परिसर में शनिवार को नाई समाज और जननायक कर्पूरी ठाकुर विचार मंच की ओर से भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। समारोह की अध्यक्षता मुन्ना ठाकुर ने की,जबकि संचालन पार्षद रॉकी ठाकुर उर्फ नन्दन ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस नेता शंकर प्रसाद साह,विशिष्ट अतिथि कांग्रेस नेता अनिल सिन्हा,जदयू नेता किशोर राय और अरुण निराला थे।मौजूद लोगों सहित नाई समाज के कार्यकारी अध्यक्ष किशोर ठाकुर, उपाध्यक्ष बिजेंद्र ठाकुर, सन्नी ठाकुर, योग नारायन ठाकुर, महेंद्र ठाकुर आदि ने जननायक के तस्वीर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मौके पर वक्ताओं ने जननायक के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा जननायक कर्पूरी ठाकुर शोषित वंचित सभी जाति के लोंगो के मसीहा थे। जिन्होंने देश की आजादी से लेकर समाज के कमजोर तबकों के लिए कार्य किया। मौके पर वक्ताओ ने फारबिसगंज में कर्पूरी ठाकुर के नाम पर कोई चौक चौराहा नहीं होने को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। इस अवसर पर पवन ठाकुर, हरेंद्र ठाकुर, दिलीप ठाकुर, प्रदीप ठाकुर,सत्यनारायण ठाकुर, प्रभु कुमार प्रभाकर, महेंद्र ठाकुर, मुकेश कुमार ठाकुर, अर्जुन ठाकुर, सिकंदर ठाकुर, रमेश कुमार ठाकुर, रूपेश कुमार ठाकुर, नीरज ठाकुर, सुनील कुमार ठाकुर, मंटू ठाकुर, उपेन्द्र ठाकुर, दयानन्द ठाकुर, अनिल ठाकुर, लालू ठाकुर, दीपक ठाकुर, उदय ठाकुर, मिठू ठाकुर, विवेक ठाकुर आदि उपस्थित थे।

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में बालिका दिवस पर कार्यक्रम आयोजन

अररियाः महिला एवं बाल विकास निगम और जिला प्रशासन की ओर से शनिवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आज कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें स्कूल की बालिकाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में रंगोली, पेंटिंग प्रतियोगिता, पास दी बाल आदि खेल आयोजन किया गया। इसके बाद बच्चों को महिला सशक्तिकरण पर आधारित फिल्म दंगल का भी प्रदर्शन कराया गया। मौके पर राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, आईसीडीएस सह नोडल पदाधिकारी कविता कुमारी द्वारा अपने संबोधन में बाल विवाह जैसी कुरीति से बचने, हिंसा के खिलाफ आवाज बुलंद करने पर बल दिया तथा बच्चो का उत्साहवर्धक करते हुए सभी प्रतिभागियों को इनाम स्वरुप ट्रॉफी, मैडल, पेंसिल बॉक्स, कलर बॉक्स आदि दिया गया।साथ ही सभी बच्चों को कैप व टी शर्ट भी दिया गया। जिला परियोजना प्रबंधक लोभा कुमारी द्वारा महिला एवं बाल विकास निगम अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अधिवक्ताओ ने भी बालिकाओं के अधिकार, एक्ट आदि के बारे में जानकारी साझा की।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर स्कूली बच्चों ने गांव में रैली निकाल बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का दिया संदेश

अररियाः फारबिसगंज के तिरसकुंड पंचायत के प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला मधुरा के बच्चों की ओर से शनिवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर गांव में जागरूकता रैली निकाली गई।जिसमें स्कूली बच्चों ने बेटी बचाने और बेटी को पढ़ाने की अपील ग्रामीणों से की गई।आदिवासी वाद्य यंत्रों के साथ नृत्य गीत के साथ निकली रैली में बच्चों को पढ़ाने को प्रोत्साहित किया गया।मौके पर स्कूल जाने के लिए बच्चों को किताब,कॉपी और कलम देकर पढ़ाई के प्रति प्रेरित किया गया। मौके पर संबोधित करते हुए शिक्षक कुमार राजीव रंजन ने कहा कि प्राचीन काल में जिस प्रकार महिलाओं का सम्मान किया जाता था,वह सम्मान समय के परिवर्तन के साथ खत्म होते जा रही है। रूढ़िवादी विचारधारा जैसे बाल विवाह,सती प्रथा,दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या के प्रचलन के कारण लड़कियों को शिक्षा पोषण चिकित्सा एवं अनेक कानूनी अधिकारों से वंचित किया जाने लगा। यही भेदभाव को समाप्त करने के लिए अभी के समय में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाना ज्यादा आवश्यक है।मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को सशक्तिकरण और उन्हें अधिकार प्रदान करने में मदद करना ताकि दुनिया भर में आने वाली समस्याओं का स्वयं सामना कर सके। मौके पर भूमि दाता अंबिकानंद ठाकुर,सामाजिक कार्यकर्ता अशोकनाथ झा,सामुदायिक पंडित शिबू हेंब्रम, प्रधान शिक्षक मिथिलेश कुमार, शिक्षक संजीत कुमार निगम सहित सैकड़ो बच्चे एवं दर्जनों अभिभावक उपस्थित थे।

समस्तीपुर के युवक की बेगूसराय में मिली लाश

निज संवाददाता। बेगूसराय

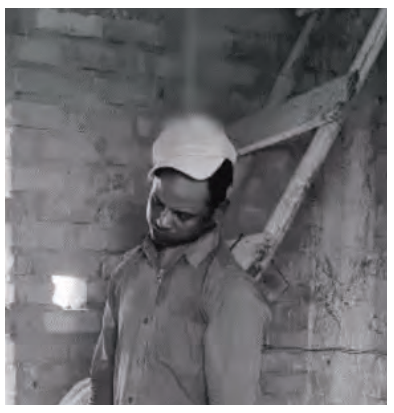

- निर्माणाधीन घर के कमरे से लटका था शव, सेंटरिंग का करता था काम

समस्तीपुर के रहने वाले एक सेंटरिंग मिस्त्री की लाश आज बेगूसराय में फंदे से लटकी मिली है। घटना मंसूरचक थाना क्षेत्र के समस पंचायत-एक स्थित सोहिलवाड़ा गांव की है। मृतक की पहचान समस्तीपुर के विभूतिपुर थाना क्षेत्र स्थित गंगौली गांव के रहने वाले रामप्रताप दास के बेटे संजीत कुमार दास (36) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही विभूतिपुर के विधायक अजय कुमार भी मौके पर पहुंचे। परिजनों से बात की, घटनास्थल का जायजा लिया और पुलिस अधिकारियों से बात कर मामले का जल्द खुलासा करने की बात कही है। कारण के संबंध में परिजन अभी कुछ नहीं बता पा रहे हैं। संजीत कुमार दास घर बनाने में सेंटरिंग लगाने का काम करता था। सोहिलवाड़ा में अनिल साह का घर बन रहा है, जिसके मालिक कोलकाता में रहते हैं और यहां घर राजमिस्त्री की ओर से बनाया जा रहा था। जिसमें संजीत कुमार दास ने सेंटरिंग लगाया था। कल संजीत साइट पर जाने की बात कह कर घर से निकला। रात में घर नहीं लौटा और फोन भी रिसीव नहीं कर रहा था।आज जब खोजते हुए पिता और गांव के लोग मौके पर पहुंचे, तो निर्माणाधीन घर में ही उपरी मंजिल पर नारियल के रस्सी से संजीत की लाश की लटकी हुई थी। उसका पैर नीचे धरातल पर सटा हुआ था, जिससे मामला संदिग्ध लग रहा है। स्थानीय लोगों की सूचना पर मंसूरचक थाना की पुलिस मौके पर पहुंची।

एफएसएल की टीम को भी बुलायाः वरीय पदाधिकारी को घटना की सूचना दी गई, तो तेघड़ा डीएसपी कृष्ण कुमार मौके पर पहुंचे। एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। इसके बाद साक्ष्य जुटाने सहित सभी प्रक्रिया कर लाश को नीचे उतारा गया है। फिलहाल पुलिस की टीम सभी पहलुओं पर जांच पड़ताल कर रही है। उसके बाद लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। मृतक के पड़ोसी कृष्णा कुमार ने बताया कि संजीत रात में घर नहीं पहुंचा, तो घर के लोग लगातार फोन कर रहे थे, लेकिन वो फोन रिसीव नहीं कर रहा था। आज करीब 10 बजे संजीत की मां मेरे घर पर आई और उसने बताया कि फोन रिसीव नहीं कर रहा है। हम लोगों ने भी फोन किया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। लोकेशन ट्रैक करने पर ये सोहिलवाड़ा का निकला। फिर हम लोग संजीत के पिता राम प्रताप दास के साथ पहुंचे, तो बन रहे घर के नीचे संजीत की बाइक सड़क किनारे लगी हुई थी। लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। संजीत के पिता खोजने के लिए छत पर गए तो उसकी लाश फंदे से लटकी हुई थी।

घर से आभूषण-नगदी चोरी, बांका में दुकानदार सहित 3 अरेस्ट

निज संवाददाता। बांका

- पीड़ित के नाबालिग भतीजे और एक अन्य युवक भी शामिल, कुछ सामान बरामद

बांका के रजौन थाना क्षेत्र के संझा गांव में एक घर से आभूषण और 50 हजार रुपये नकद चोरी के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक दुकानदार, पीड़ित का नाबालिग भतीजा और एक अन्य युवक शामिल हैं। इस संबंध में संझा गांव निवासी अरुण यादव ने थाने में आवेदन देकर घटना की जानकारी दी थी। सभी आरोपियों को शनिवार को जेल भेज दिया गया।

गोदरेज अलमारी चेक करने पर कुछ गहने कम मिलेः अरुण यादव ने पुलिस को बताया कि वह गाड़ी में खलासी का काम करते हैं। मकर संक्रांति के दिन उनकी पत्नी मायके गई हुई थी,और घर में केवल उनका छोटा बेटा मौजूद था।कुछ दिनों बाद जब उनकी पत्नी घर लौटीं और घरेलू जरूरत के लिए गोदरेज खोला,तो उसमें रखे सभी सोने-चांदी के आभूषण और नकद गायब मिले।

पूछताछ करने पर नाबालिग भतीजे ने चोरी की बात स्वीकारीः पूछताछ करने पर अरुण यादव के नाबालिग भतीजे ने चोरी की बात स्वीकार कर ली।उसने बताया कि संझा गांव निवासी दिनेश यादव ने उसे नाश्ता कराने के बहाने बुलाया और फिर चाचा के घर से आभूषण व नकद निकालकर देने को कहा।दिनेश के कहने पर उसने गोदरेज से सारा सामान निकालकर उसे सौंप दिया था। इसके बाद दिनेश और नाबालिग भतीजा आभूषण बेचने के लिए संझा गांव के स्वर्णकार मुन्ना साह की दुकान पर गए थे।पीड़ित परिजनों द्वारा बाद में पूछताछ करने पर स्वर्णकार ने बताया कि दो युवक जेवर का दाम पूछने आए थे और वापस चले गए थे, उन्होंने जेवर उसे नहीं दिए थे।

आभूषण छुड़ाने के लिए 45 हजार रुपये की मांग की गईः इस बीच,दिनेश यादव ने नाबालिग भतीजे के फोन पे खाते में 18 हजार रुपये भेजे।जब भतीजे ने आभूषण और नकद की मांग की,तो दिनेश ने दावा किया कि उसने जेवर स्वर्णकार को बेच दिए हैं।बाद में जब परिजन स्वर्णकार की दुकान पहुंचे, तो आभूषण छुड़ाने के लिए 45 हजार रुपये की मांग की गई। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी के कुछ आभूषण बरामद कर लिए हैं।वहीं,दिनेश यादव ने अपने ऊपर लगे आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि चोरी उसके भतीजे ने की है और उसे झूठा फंसाया जा रहा है।थानाध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया कि इस मामले में कानूनी कार्रवाई पूरी कर सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कराटे खिलाड़ी नेहा का राष्ट्रीय स्तर में चयन

- 26-28 जनवरी को पुणे में मुकाबला, अंडर-19 में बिहार का प्रतिनिधित्व, जिले में खुशी का माहौल

निज संवाददाता। बांका

बांका जिले की कराटे खिलाड़ी नेहा ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी जगह सुनिश्चित की है। वह 26 से 28 जनवरी 2026 तक महाराष्ट्र के पुणे शहर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में भाग लेंगी। नेहा का चयन अंडर-19 आयु वर्ग के 36 किलोग्राम भार वर्ग में हुआ है, जहां वह बिहार राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। नेहा बांका शहर स्थित एसएस बालिका उच्च विद्यालय की छात्रा हैं और बांका इंडोर स्टेडियम में निःशुल्क कराटे प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगातार शानदार प्रदर्शन का परिणाम है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाईः नेहा ने अपने कराटे सफर की शुरुआत जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता से की थी, जहां उन्होंने स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद प्रमंडलीय स्तर पर भी उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी नेहा ने उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए स्वर्ण पदक जीता और राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। नेहा की इस सफलता पर जिला खेल पदाधिकारी ने खुशी व्यक्त करते हुए इसे बांका जिले के लिए गौरव बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि नेहा राष्ट्रीय मंच पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और राज्य का नाम रोशन करेंगी। कराटे प्रशिक्षकों और अन्य खिलाड़ियों ने भी नेहा को शुभकामनाएं दी हैं।

छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत बन रहीः विद्यालय परिवार और खेल प्रेमियों में भी नेहा की उपलब्धि को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि सीमित संसाधनों के बावजूद नेहा ने अपनी लगन और आत्मविश्वास से यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता जिले की अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत बन रही है। गौरतलब है कि नेहा 23 जनवरी को पटना के लिए रवाना हो चुकी है, जहां से वह बिहार कराटे टीम के साथ 24 जनवरी को पुणे के लिए प्रस्थान करेगी। अब सभी की निगाहें पुणे में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता पर टिकी हैं, जहां बांका की बेटी नेहा से स्वर्णिम प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

गणतंत्र दिवस की फुल ड्रेस रिहर्सल परेड का आयोजन

निज संवाददाता। बक्सर

- डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण, सुरक्षा कड़ी, 26 जनवरी को मुख्य समारोह

बक्सर में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए शनिवार को ऐतिहासिक किला मैदान में फुल ड्रेस रिहर्सल परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला पदाधिकारी साहिला और पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने स्वयं उपस्थित रहकर परेड का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। रिहर्सल के दौरान किला मैदान में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इसमें पुलिस बल, होमगार्ड, एनसीसी कैडेट्स और विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। परेड में राष्ट्रध्वज फहराने से लेकर सलामी मंच तक की सभी गतिविधियों का बारीकी से अभ्यास किया गया।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगीः निरीक्षण के दौरान डीएम साहिला ने मंच व्यवस्था, ध्वजारोहण स्थल, दर्शक दीर्घा, प्रवेश-निकास मार्ग, पेयजल, शौचालय और चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गणतंत्र दिवस जिले का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व है, इसे पूरी गरिमा, अनुशासन और सुरक्षा के साथ मनाया जाना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनातीः पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक व्यवस्था और आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने परेड में शामिल जवानों और छात्रों को बेहतर समन्वय और अनुशासन बनाए रखने की सलाह भी दी। फुल ड्रेस रिहर्सल में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान और सलामी परेड का प्रदर्शन किया गया।

सुरक्षित बनाने की अंतिम तैयारियों में जुट गयाः जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह किला मैदान में आयोजित होगा। इसमें विभिन्न विभागों की झांकियां, परेड और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र होंगी। सफल फुल ड्रेस रिहर्सल के बाद जिला प्रशासन गणतंत्र दिवस समारोह को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने की अंतिम तैयारियों में जुट गया है। 26 जनवरी को यह राष्ट्रीय पर्व गौरव और उत्साह के साथ मनाया जाएगा।

दुकानदारों को बिना गारंटी मिलेगा लोन

निज संवाददाता। बक्सर

प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना अंतर्गत क्रेडिट कार्ड योजना का उद्घाटन शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा किया गया। भारत सरकार द्वारा संचालित अति महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजना अंतर्गत नगर परिषद बक्सर के फूटकर विक्रेताओं के जीविकोपार्जन को बढ़ावा देने के लिए प्रथम चरण में ऋण की राशि 15,000 एक वर्ष के लिए, द्वितीय चरण में रुपए 25,000 डेढ़ वर्ष के लिए एवम तृतीय चरण में रुपए 50,000 तीन साल के लिए कार्यशील पूंजी बैंकों के माध्यम से बिना गारंटी के प्रदान किया जा रहा है । योजना अंतर्गत शहरी फुटकर दुकानदारों जिन्होंने दूसरे किस्त का ऋण के मध्यम से जमा कर दिया है वह इस क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ ले सकते है। मौके पर नगर परिषद कार्यालय के सभागार में शहरी फुटकर विक्रेता मौजूद थे। नगर परिषद की सभापति कमरून निशा ने दुकानदारों से इस योजना का लाभ उठाने अपील की। कार्यक्रम में नगर परिषद के सशक्त स्थाई समिति के सदस्य इंद्र प्रताप सिंह, मनोज कुमार, नगर मिशन प्रबंधक कुमार अविनाश, आवास योजना एमआईएस राहुल सिंह, शहरी फुटकर दुकानदार, आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, स्वच्छता साथी एवं कार्यालय कर्मी उपस्थित थे ।

संक्षिप्त समाचार

शहीद जवान को दी गयी सलामी

कोईलवर। बीएसएफ के सहायक उप निरीक्षक जय किशोर सिंह (उम्र-54वर्ष) जो बक्सर जिले के ब्रह्मपुर थाने के महुआर गांव के रहने वाले थे। गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक से निधन हो गया था। शुक्रवार को श्रीनगर से पार्थिव शरीर को पटना एयरपोर्ट लाया गया, जहां से रैफ-114 कोइलवर द्वारा सम्मानपूर्वक जवान के पैतृक आवास तक पहुंचाया गया। पटना के दीघा घाट पर रैफ-114 कोईलवर ने पटना कोइलवर की शहीद सम्मान गार्ड ने उन्हें अंतिम सलामी दी। इस मौके पर रैफ-114 के सहायक कमांडेंट चंद्र भूषण तिवारी एवं इंस्पेक्टर ओमप्रकाश कुमार ने पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद के परिवार को तिरंगा सौंपा और उन्हें ढांढस बंधाया। जय किशोर सिंह के दो बच्चे हैं। अंतिम विदाई के दौरान सैकड़ों ग्रामीणों, सिविल पुलिस, रैफ और बीएसएफ के अधिकारियों ने जय किशोर सिंह अमर रहें के नारे लगाए। इधर रैफ-114 बल के कमांडेंट अश्विनी कुमार झा ने शहीद जवान के परिवार को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया।

बहन की शादी से पहले भाई की मौत

आरा। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर ट्रेन की चपेट में आने से एक किशोर की मौत हो गई। 10 फरवरी को बहन की शादी होने वाली थी। मृतक आदित्य कुमार(17) चांदी थाना क्षेत्र के भदवर गांव वार्ड नंबर 1 का रहने वाला था। घटना कुल्हड़िया स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक की है। बड़े भाई विकास कुमार ने बताया कि मां बुची देवी रिश्तेदार के घर पटना गई हुई थी। मां को लाने के लिए पैसेंजर ट्रेन से जा रहा था। इस दौरान हादसे का शिकार हो गया। स्थानीय लोगों से सूचना मिली। जिसके बाद परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव सौंप दिया।

घर में मचा कोहरामः आदित्य कुमार तीन भाई-बहन में दूसरे नंबर पर था। घर में मां बुची देवी, भाई विकास कुमार और बहन पूर्णिमा कुमारी है। पिता इस दुनिया में नहीं हैं। अगले महीने 10 फरवरी को पूर्णिमा की बारात आने वाली थी। लेकिन बहन की घर से डोली उठने से पहले ही भाई की अर्थी उठ गई। परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

वसंत पंचमी ज्ञान-कला और संस्कृति से जोड़ने का पर्व

बक्सर। बक्सर में वसंत पंचमी के अवसर पर कला, संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार और जिला प्रशासन बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय वसंत पंचमी महोत्सव का आयोजन किया गया। नगर भवन में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पदाधिकारी श्रीमती साहिला ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। वसंत पंचमी को मां सरस्वती के पूजन, ज्ञान और कला के पर्व के रूप में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार, इस दिन मां शारदे का जन्म हुआ था। कार्यक्रम की शुरुआत कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुई। महोत्सव में संगीत, नृत्य और काव्य पाठ सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। स्थानीय कलाकारों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें शास्त्रीय नृत्य, लोकगीत और कविताएं शामिल थीं। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी साहिला ने अपने संबोधन में कहा कि वसंत पंचमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है, बल्कि यह समाज में ज्ञान, साहित्य, कला और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने की प्रेरणा देते हैं। महोत्सव के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं और प्रस्तुतियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, वसंत पंचमी महोत्सव का समापन हुआ, जिसने नगरवासियों को ज्ञान, कला और संस्कृति के महत्व से जोड़ा।

सांसद सिग्रीवाल ने 12 दिव्यांग जनों को मोटर स्कूटर देने की घोषणा की

बक्सर। जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र का शुभारंभ शुक्रवार को लोकसभा सांसद सुधाकर सिंह फीता काटकर व शिलापट्ट का पर्दा हटाकर किया। इस दौरान भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें जिले के कोने-कोने से दिव्यांग जन उपस्थित हुए थे। सभा की अध्यक्षता जिला दिव्यांग संघ के अध्यक्ष जितेंद्र ठाकुर तथा संचालन युवा नेता आकाश कुमार सिंह उर्फ रामजी सिंह ने किया। जिलाध्यक्ष जितेंद्र ठाकुर ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने दिव्यांग साथियों के लिए बड़ी खुशी का पल करार दिया। उन्होंने पुनर्वास केंद्र के मांगों व प्रयासों के लिए युवा नेता आकाश कुमार सिंह उर्फ रामजी सिंह व अपने संघ के सदस्यों की सराहना की। सांसद सुधाकर सिंह पर विशेष जोर देते हुए कहा कि आज हमारे सांसद की वजह से हमारा सपना साकार हुआ है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व उद्घाटनकर्ता सांसद सुधाकर सिंह ने अपनी अभिव्यक्ति के दौरान 12 दिव्यांग जनों को मोटर स्कूटर देने की घोषणा की। धन्यवाद ज्ञापन जिला दिव्यांग संघ के सचिव प्रमोद केशरी ने किया। मौके पर राजद जिलाध्यक्ष शेषनाथ सिंह, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि श्याम प्रकाश सिंह, चंदन पाठक, जिला दिव्यांग संघ के कोषाध्यक्ष टीके सर, पप्पू जायसवाल, अभय कुमार, अनिल शर्मा, जितेंद्र गुप्ता, अगस्त पाठक, राजू गुप्ता, दिलीप राम, पप्पू जायसवाल, अभय पासवान, भुताली राम आदि उपस्थित थे।

बिलासपुर-बक्सर ट्रेन के ट्राई विकली परिचालन और साउथ बिहार एक्सप्रेस के विस्तार की मांग

बक्सर। बक्सर रेलवे युवा संघर्ष समिति ने जनहित से जुड़ी दो महत्वपूर्ण रेल मांगे सामने रखी हैं। समिति ने बिलासपुर–बक्सर सुपरफास्ट एक्सप्रेस (22843/22844) की आवृत्ति बढ़ाकर इसे सप्ताह में तीन दिन (ट्राई-वीकली) चलाने तथा साउथ बिहार एक्सप्रेस (13287/13288) को आरा से आगे बक्सर तक विस्तारित करने की माँग की है। समिति का कहना है कि ये दोनों मांगे क्षेत्रीय संतुलन, यात्रियों की सुविधा और रेलवे के राजस्व हित में अत्यंत आवश्यक हैं। फिलहाल बिलासपुर बक्सर एक्सप्रेस हफ्ते में सिर्फ एक दिन चलती है। बिलासपुर से यह ट्रेन शुक्रवार और बक्सर से रविवार को इसका परिचालन होता है। हफ्ते में सिर्फ एक दिन परिचालन होने से छिटपुट यात्रियों को ही इसका लाभ मिलता है। समिति का मानना है कि अगर इसके परिचालन में विस्तार हुआ तो बक्सर स्टेशन की आय में भी उफान आयेगा। रेल कनेक्टिविटी से बढ़ेगा व्यापार, फायदा भी होगा युवा संघर्ष समिति का कहना है कि इस व्यस्त रूट पर प्रत्यक्ष सुपरफास्ट ट्रेन की भारी कमी है, जिसके कारण यात्रियों को लंबा समय और अतिरिक्त किराया खर्च करना पड़ता है। प्रस्तावित ट्रेन से यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी और यात्रियों को अधिक सुविधाजनक विकल्प मिलेगा। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से पूरे क्षेत्र में व्यापार, उद्योग और वाणिज्य को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे आर्थिक गतिविधियां तेज़ होंगी। इसके साथ ही समिति ने साउथ बिहार एक्सप्रेस (13287/13288) को आरा से आगे बक्सर तक बढ़ाने की भी ज़ोरदार मांग की है। समिति का कहना है कि बक्सर बिहार का सीमावर्ती जिला है और इसका सीधा लाभ न केवल बक्सर बल्कि उत्तर प्रदेश के बलिया और गाजीपुर, तथा बिहार के रोहतास और कैमूर जिलों के कई प्रखंडों के यात्रियों को भी मिलेगा। नए रूट से चलाने की मांग समिति ने विशेष रूप से यह प्रस्ताव रखा है कि बिलासपुर बक्सर के ट्राई-वीकली संचालन में से सप्ताह में दो दिन यह ट्रेन एक नए और महत्वपूर्ण औद्योगिक व यात्री रूट से चलाई जाए। प्रस्तावित मार्ग के अनुसार ट्रेन बिलासपुर से चलकर झारसुगुड़ा, राउरकेला, हटिया, रांची, मुरी, कोटशिला, बोकारो स्टील सिटी, चंद्रपुरा, धनबाद, चितरंजन, झाझा, पटना होते हुए बक्सर तक पहुंचे। यह मार्ग छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार के लाखों यात्रियों के लिए सीधी और तेज़ कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। समिति के सदस्य राजा बाबू और तरुण कुमार ने बताया कि यह रेल सेवा और रूट कई कारणों से अत्यंत आवश्यक है। इस ट्रेन के पुराने रूट पर चक्रधरपुर मंडल में मालगाड़ियों के कारण यह हमेशा लेट रहती है। वहीं नया रूट प्रमुख औद्योगिक केंद्रों जैसे राउरकेला, बोकारो, धनबाद और आसनसोल को राज्य राजधानियों रांची और पटना से सीधे जोड़ती है। चार राज्यों के छात्र, दैनिक यात्री, व्यापारी, नौकरीपेशा लोग और पारिवारिक यात्रियों को इससे सीधा फायदा होगा।

9 साल बाद हरेंद्र सिंह हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता गिरफ्तार

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में नौ साल पुराने हरेंद्र सिंह हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता विकास वर्मा को नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार सुबह वीर कुंवर सिंह कॉलोनी के पास से उसकी गिरफ्तारी हुई। विकास लंबे समय से पुलिस की आंखों में धूल झोंकते हुए फरार चल रहा था। इस मामले में कुछ दिन पहले ही बक्सर कोर्ट ने चार अन्य आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। यह मामला नगर थाना कांड संख्या 382/2016 और सेशन ट्रायल 354/2017 से संबंधित है। अपर लोक अभियोजक रामनाथ ठाकुर के अनुसार, 22 अगस्त 2016 की रात बस स्टैंड से अपने घर सोहनीपट्टी लौट रहे हरेंद्र सिंह की पोखरा के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अगले दिन मृतक की पत्नी इंदू सिंह ने नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि हत्या के पीछे जमीन का विवाद था। विकास वर्मा ने हरेंद्र सिंह से जमीन के नाम पर करीब 12 लाख रुपये लिए थे। रकम लौटाने से बचने के लिए उसने हरेंद्र सिंह की हत्या की साजिश रची थी।

10 गवाहों की गवाही के आधार पर कार्रवाईः अदालत ने साक्ष्यों और 10 गवाहों की गवाही के आधार पर जिला पार्षद सदस्य के पति रिंकू यादव, रामाशीष उर्फ चतुरी, अजय कुमार पांडे और जयराम पासवान को दोषी ठहराया था। उन्हें भारतीय दंड विधान की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास, धारा 326 के तहत 10 वर्ष का कठोर कारावास और 27 आर्म्स एक्ट के तहत चार वर्ष की सजा सुनाई गई है। अदालत ने पीड़िता को दो लाख रुपए मुआवजा देने का भी आदेश दिया था। विकास वर्मा इस मामले में फरार चल रहा था। नगर थानाध्यक्ष मनोज सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घेराबंदी कर विकास वर्मा को वीर कुंवर सिंह कॉलोनी के पास से गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि आरोपी से पूछताछ जारी है और पुलिस को उम्मीद है कि इस गिरफ्तारी से पूरे नेटवर्क का खुलासा होगा।

पिलर गाड़ने को लेकर खूनी झड़प

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर के कोईलवर थाना क्षेत्र के जमालपुर बाजार पर शुक्रवार की देर शाम पिलर गाड़ने के विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस दौरान हुई चाकूबाजी में एक पक्ष से पिता-पुत्र और दूसरे पक्ष का एक युवक जख्मी हो गए। इसके बाद स्थानीय लोगों के बीच बचाव के बाद मामले को शांत कराया गया। सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल आरा लाया गया। जानकारी के अनुसार, घायलों में कोईलवर थाना क्षेत्र के मानाचक गांव निवासी 40 वर्षीय मनोज कुमार राय, उनका 17 वर्षीय बेटा पीयूष कुमार शामिल है। जबकि दूसरे पक्ष से नारायणपुर गांव निवासी जय शंकर प्रसाद शामिल है।

मार्केट में जगह को लेकर विवादः मनोज कुमार राय ने बताया कि, जमालपुर बाजार पर उनका मार्केट है। उसी मार्केट के मालिक ने नागेंद्र सिंह को भी दूसरा मार्केट बेचा है। दोनों पक्षियों के मार्केट के बीच दस फीट का रास्ता छोड़ा गया है। आरोप है कि नागेंद्र राय ने उनके हिस्से में पिलर गाड़ा है। जब मनोज उनसे पूछताछ करने गए तो उन लोगों ने पहले मारपीट की। फिर उसके बाद दोनों पिता-पुत्र को चाकू मार दिया। चाकूबाजी के दौरान दूसरे पक्ष के भी जयशंकर प्रसाद जख्मी हो गए।

पुलिस कर रही मामले की जांचः दूसरी और जख्मी मनोज राय ने दूसरे पक्ष के नागेंद्र राय, उनके बेटे और उनके साथ रहे अन्य लोगों पर मारपीट करने और चाकू मारने का आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

सड़क हादसे में महिला समेत तीन घायल

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्र में शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद एक को पटना रेफर कर दिया गया। हालत गंभीर बनी हुई है। पहली घटना उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कसाप गांव के पास की है। जहां ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिसके बाद बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा रही महिला से टकरा गई। इसके बाद परिजन दोनों घायलों इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। युवक को गंभीर हालत में इलाज के लिए पटना भेजा गया गया है।

महिला पैदल जा रही थीः घायलों में उदवंतनगर के ज्ञानचक गांव निवासी नारायण यादव का पुत्र रामबाबू(17) और पिपरा गांव निवासी रंजीत कुमार की पत्नी सुजीता कुमारी(25) शामिल है। रामबाबू अपने गांव से गड़हनी की ओर जा रहे थे। जबकि सुजीता कुमारी पैदल कसाप से अपने गांव जा रही थी। इस बीच ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी।

अज्ञात वाहन ने मारी टक्करः दूसरी घटना गड़हनी थाना क्षेत्र के दुबौली गांव की है। जहां अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घायल की पहचान अलीपुर गांव निवासी सतन सिंह के पुत्र आकाश कुमार(18) के तौर पर हुई है। मेला देखने जा रहा था।

भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर समारोह

निज संवाददाता। आरा

- जदयू के कार्यक्रम में खाली रही कुर्सी, मंत्री जमा खान बोले- नीट छात्रा की मौत मामले की सीबीआई जांच होगी

आरा शहर के नागरी प्रचारणी सभागार में आज भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की 102वीं जयंती समारोह का आयोजन जेडीयू की ओर से किया गया। आयोजन में अपेक्षित भीड़ नहीं जुट सकी और सभागार में लगी कुर्सियां तक पूरी तरह नहीं भर पाईं, जिससे कार्यक्रम की रौनक फीकी नजर आई। समारोह की शुरुआत जननायक कर्पूरी ठाकुर के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। वक्ताओं ने कर्पूरी ठाकुर के सामाजिक न्याय, पिछड़ों और वंचितों के उत्थान के लिए किए गए संघर्ष को याद किया और उनके विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया।

आदर्शों से सीख लेने की जरूरतः मंत्री जमा खान ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर का पूरा जीवन सामाजिक समरसता और समानता के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि आज की राजनीति को भी उनके आदर्शों से सीख लेने की जरूरत है। जमा खान ने कहा कि भारत रत्न देश का सर्वोच्चय सम्मान होता है, जो कर्पूरी ठाकुर को मिला है। देश के नौजवानों को यही कहूंगा कि कर्पूरी के पथ चिन्हों पर चलना चाहिए,जिस तरीके से इन्होंने धैर्य दिखाया था। जिस तरह से इन्होंने देश को आजाद कराने में लड़ाइयां लड़ी थी। NDA सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं कि कर्पूरी को भारत रत्न दिया । मंत्री जमा खान ने हाल में सामने आए NEET छात्रा प्रकरण पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह मामला बेहद गंभीर है और सरकार इसकी निष्पक्ष जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराएगी, इस पर बात चल रहा है। UGC कानून पर जमा खान ने कहा कि हमारे शीर्ष के बीच बातचीत चल रही है। NDA सरकार वही बात करती है देश के हर समाज को फायदा पहुंच सके। विधायक श्रीभगवान सिंह कुशवाहा ने भी कर्पूरी ठाकुर के योगदान को याद करते हुए कहा कि वे गरीबों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों की आवाज थे। उन्होंने कहा कि जेडीयू कर्पूरी ठाकुर के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने भी कर्पूरी ठाकुर के संघर्ष और उनकी ओर से लागू की गई नीतियों को याद किया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान, जगदीशपुर विधायक श्रीभगवान सिंह कुशवाहा सहित जेडीयू के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बड़की नैनीजोर में आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य शिविर, 200 लोगों की स्वास्थ्य जांच

निज संवाददाता। बक्सर

ब्रह्मपुर प्रखण्ड के दक्षिणी नैनीजोर पंचायत स्थित बड़की नैनीजोर फकड़ बाबा शिव मंदिर परिसर के समीप आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत एक निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन ऑक्टाविया हॉस्पिटल, वाराणसी के तत्वावधान में पूर्व लेफ्टिनेंट कर्नल सह ऑक्टाविया हॉस्पिटल वाराणसी के निदेशक डॉ. अखिलेश उपाध्याय के कुशल नेतृत्व में किया गया। शिविर में 200 से अधिक ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान ब्लड प्रेशर, शुगर, हृदय रोग सहित विभिन्न बीमारियों की जांच मुफ्त में की गई तथा जरूरतमंद मरीजों के बीच निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। डॉक्टरों की टीम ने लोगों को स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व पर भी विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. अखिलेश उपाध्याय ने कहा कि "किसी भी बीमारी की समय रहते जांच और सही इलाज जरूरी है। सेहत सबका अधिकार है। आयुष्मान भारत योजना के तहत ऑक्टाविया हॉस्पिटल में आयुष्मान कार्डधारकों को पूर्णतः मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध है।"उन्होंने बताया कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत कार्डियोलॉजी, जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, नवजात शिशु देखभाल पैकेज, प्रसूति एवं स्त्री रोग, आर्थोपेडिक्स, बाल रोग चिकित्सा, पॉलीट्रॉमा, यूरोलॉजी सहित अन्य गंभीर रोगों का भी इलाज किया जाता है। यह स्वास्थ्य शिविर दक्षिणी नैनीजोर पंचायत के मुखिया गौरीशंकर तिवारी एवं निर्मल उपाध्याय के आग्रह पर आयोजित किया गया था। शिविर में दर्जन भर अनुभवी चिकित्सक उपस्थित रहे, जिन्होंने मरीजों की गहन जांच की। स्थानीय ग्रामीणों ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की मांग की।

शिक्षा के साथ नैतिक मूल्य भी अपनाएं बच्चे

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर पब्लिक स्कूल परिसर में विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की पूजा पूरे श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ से संपन्न हुई। इस अवसर पर विद्यालय को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत पूजा-अर्चना की गई, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ मां सरस्वती के जयकारे लगाए और देवी से ज्ञान, बुद्धि और सद्बुद्धि का आशीर्वाद मांगा। पूजन कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक निर्मल कुमार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मां सरस्वती केवल विद्या ही नहीं, बल्कि संस्कार और अनुशासन का भी प्रतीक हैं। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में शिक्षकों, छात्रों एवं अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता रही। पूजा के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। संपूर्ण आयोजन भक्तिमय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं के साथ साथ विद्यालय के निदेशक निर्मल कुमार सिंह, प्राचार्य प्रीति सिंह, शिक्षक दया नंद पाण्डेय, तेजेन्द्र कुमार, रमेश सिंह, विष्णुजी सिंह, अंतिमा कुमारी, रागिनी श्रीवास्तव, सोनम चंद्रा, सत्या सिंह, अमर सिंह, रानी वर्मा, शोमा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी और अमरनाथ जायसवाल उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मसौढ़ी में रेड क्रॉस की पहल, 50 जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण

मसौढ़ी,पटना। मसौढ़ी में शनिवार को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से मानव सेवा के उद्देश्य से कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ठंड से राहत पहुंचाने के लिए 50 जरूरतमंद लोगों को कंबल प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान रेड क्रॉस प्रभारी विश्वरंजन सिंह ने कहा कि मानवता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में जरूरतमंदों की सहायता करना रेड क्रॉस का मूल उद्देश्य है और आगे भी इस तरह के सेवा कार्य लगातार जारी रहेंगे। इस अवसर पर पूर्व प्रमुख रमाकांत रंजन किशोर ने कहा कि आपदा हो या सामान्य परिस्थिति, पीड़ित मानवता की सेवा में रेड क्रॉस की भूमिका हमेशा अग्रणी रही है। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस की प्रबंध समिति और इसके सभी सदस्य सेवा कार्यों के लिए सदैव तत्पर रहते हैं और जरूरत पड़ने पर बिना देर किए आगे आते हैं। कंबल वितरण कार्यक्रम में स्थानीय लोगों की भागीदारी भी देखने को मिली। कार्यक्रम में सुशील कुमार, विकास चंद्र, श्रवण मालाकार, सोनी कुमारी, उमेश सिंह, पंकज कुमार, नवल भारती सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने का प्रयास किया गया, जिसकी स्थानीय लोगों ने सराहना की।

आपसी विवाद ने लिया हिंसक रूप, गोलीबारी में एक घायल आरोपी गिरफ्तार

दानापुर, पटना। दानापुर के शाहपुर थाना क्षेत्र में आपसी विवाद के दौरान हुई गोलीबारी की घटना से इलाके में अफरातफरी मच गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरा आरोपी फरार हो गया। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से एक देसी कट्टा और एक खोखा बरामद किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान शाहपुर थाना क्षेत्र के भगवतीपुर निवासी संजय राय के पुत्र कुंदन कुमार के रूप में हुई है। वहीं, घटना के बाद फरार हुआ आरोपी कुंदन का भाई जितेंद्र कुमार बताया जा रहा है। इस घटना में एक व्यक्ति को गोली लगने से गंभीर चोट आई है, जिसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल की स्थिति पर पुलिस नजर बनाए हुए है। दानापुर एएसपी शिवम धाकड़ ने बताया कि शाहपुर थाना अंतर्गत भगवतीपुर इलाके में मारपीट और फायरिंग की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही शाहपुर थाना की गश्ती टीम और डायल-112 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर दो युवक भागने लगे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक युवक को खदेड़कर पकड़ लिया, जबकि दूसरा अंधेरे और भीड़ का फायदा उठाकर फरार हो गया। पकड़े गए आरोपी की निशानदेही पर घटनास्थल के पास सड़क किनारे घास में छिपाकर रखा गया देसी कट्टा और एक खोखा बरामद किया गया। एएसपी धाकड़ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में गोलीबारी के पीछे लव ट्राइंगल से जुड़ा विवाद सामने आया है। दोनों पक्षों के बीच पूर्व में भी मारपीट की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे पुरानी रंजिश की बात भी उजागर हुई है। पीड़ित पक्ष के मनीष कुमार के आवेदन पर शाहपुर थाना में कांड संख्या 25/26 दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। वहीं फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है।

नीलगायों का बढ़ता आतंक, मसौढ़ी के गांवों में फसलें तबाह; किसान वन विभाग की ओर टकटकी लगाए

मसौढ़ी,पटना। मसौढ़ी प्रखंड क्षेत्र के कई गांवों में नीलगायों के झुंड किसानों के लिए गंभीर संकट बनते जा रहे हैं। बैरिचक, दौलतपुर, गांधूगढ़, सुधीरचक, कराय, हरबंशपुर, काजीचक, सिकंदरपुर सहित आसपास के अन्य गांवों में नीलगायें झुंड बनाकर खेतों में घुस रही हैं और किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फेर दे रही हैं। किसानों के अनुसार नीलगायें दिन हो या रात, किसी भी समय खेतों में पहुंचकर गेहूं, मटर, सरसों और आलू जैसी प्रमुख फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रही हैं। खेतों में लहलहाती फसलें कुछ ही समय में चट हो जा रही हैं, जिससे किसानों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। नीलगायों के बढ़ते आतंक के कारण कई किसानों ने चना और अरहर जैसी फसलों की खेती लगभग छोड़ दी है। किसानों का कहना है कि जैसे ही इन फसलों में फूल आते हैं, नीलगायों का झुंड उन्हें नष्ट कर देता है। इससे क्षेत्र में दलहन की खेती लगातार घटती जा रही है। फसलों की सुरक्षा के लिए किसान रात-रात भर खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं। कड़ाके की ठंड में भी उन्हें जागकर खेतों में पहरा देना पड़ रहा है, जिससे शारीरिक और मानसिक परेशानी बढ़ गई है। वन्य प्राणी संरक्षण कानून के तहत नीलगायों को नुकसान पहुंचाना प्रतिबंधित है। ऐसे में किसान चाहकर भी इन्हें मार नहीं सकते, जिससे उनकी बेबसी और बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि समस्या किसी एक गांव तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र में हालात एक जैसे हैं। किसान अरुण प्रसाद, राजबल्लभ यादव, नरेश यादव, सोनेलाल प्रसाद सहित अन्य किसानों ने वन विभाग और स्थानीय प्रशासन से नीलगायों को पकड़वाने, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने और इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो फसल उत्पादन पर गंभीर असर पड़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान झेलना पड़ेगा।

खलिहान में शॉर्ट सर्किट से उठी आग बनी काल, झोपड़ी में जिंदा जले मासूम भाई-बहन

निज संवाददाता। मसौढ़ी, पटना

मसौढ़ी के भगवानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत दनाड़ा गांव में शनिवार दोपहर एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। खलिहान में अचानक लगी भीषण आग की चपेट में आकर एक ही परिवार के दो मासूम बच्चों की झुलसकर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के समय दोनों बच्चे खलिहान में बनी झोपड़ी के भीतर खेल रहे थे।प्राप्त जानकारी के अनुसार दनाड़ा गांव निवासी विकास कुमार मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। शनिवार की दोपहर वे खलिहान में धान पीटने का काम कर रहे थे। इसी दौरान उनके तीनों बच्चे पास ही बनी झोपड़ी में खेल रहे थे। हादसे से कुछ ही देर पहले चार वर्षीय पुत्र अंशु झोपड़ी से बाहर निकल आया, लेकिन छह वर्षीय प्रियांशु कुमार और ढाई वर्षीय मंशी कुमारी झोपड़ी के अंदर ही रह गए। तभी अचानक बिजली के शॉर्ट सर्किट से खलिहान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने झोपड़ी को अपनी चपेट में ले लिया और लपटें तेज हो गईं। आग लगते ही अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने बाल्टियों से पानी डालकर और मिट्टी फेंककर आग बुझाने की भरसक कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। झोपड़ी के भीतर फंसे दोनों मासूम भाई-बहन आग में झुलस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही भगवानगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों बच्चों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एएसपी कोमल मीणा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट सामने आया है। मामले की विधिवत जांच की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मृत बच्चों के माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं परिजनों और ग्रामीणों की आंखें नम हैं। घटना के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधि मुखिया पति विनोद कुमार, पूर्व मुखिया प्रत्याशी कौशल कुमार और सरपंच पति नरेश यादव पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और सरकार से उचित मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को इस दुख की घड़ी में सरकारी सहायता बेहद जरूरी है। ग्रामीणों ने प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू किया जाए, ताकि भविष्य में किसी और परिवार को ऐसी असहनीय पीड़ा न झेलनी पड़े।

घटना के बाद रोते बिलखते मृत के परिजन

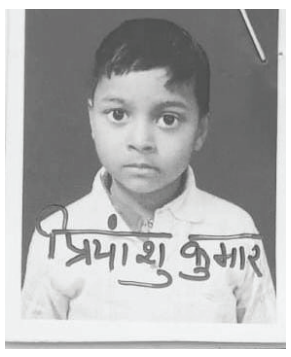

मृत प्रियांशु कुमार का फाइल फोटो

मृत मंशी कुमारी की फाइल फोटो

मसौढ़ी-बरनी लिंक रोड पर ऑटो–हाइवा की भीषण टक्कर, आधा दर्जन से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल

निज संवाददाता। मसौढ़ी, पटना

मसौढ़ी के बरनी क्षेत्र में एनएच-22 से सटे लिंक रोड पर सोमवार को एक तेज रफ्तार हाइवा और ऑटो के बीच हुई जोरदार टक्कर में आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद हाइवा चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही धनरूआ थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। कई घायलों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धनरूआ की ओर से एक ऑटो में आधा दर्जन से अधिक लोग सवार होकर मजदूरी करने के लिए मसौढ़ी की ओर आ रहे थे। जैसे ही ऑटो मसौढ़ी-बरनी लिंक रोड पर पटना-गया एनएच-22 स्थित पुल के नीचे पहुंचा, गया की ओर से तेज गति में आ रहे हाइवा ने ऑटो में सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो सड़क पर पलट गया और उसमें सवार लोग दूर तक जा गिरे। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और पुलिस को सूचना दी गई। धनरूआ पुलिस ने बताया कि फरार हाइवा चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने लिंक रोड पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार पर नाराजगी जताते हुए प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर दानापुर में गूंजा बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश

निज संवाददाता। दानापुर, पटना

दानापुर में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास निगम की महत्वाकांक्षी योजना 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के तहत एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दानापुर कैंट स्थित +2 जानकधारी उच्च विद्यालय परिसर में संपन्न हुआ, जिसमें दानापुर क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से बड़ी संख्या में छात्राएं, शिक्षक और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत लाल फीता काटकर जागरूकता रैली के शुभारंभ के साथ हुई। इस अवसर पर बीडीओ आलोक कुमार, सीओ चंदन कुमार और बीईओ विनोद कुमार विकास ने संयुक्त रूप से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

विद्यालय परिसर से निकली यह जागरूकता रैली अलख सिन्हा मार्ग, एमईएस पुल, सैनिक चौक होते हुए बीआरसी शहीद स्मारक तक पहुंची और उसी मार्ग से वापस स्कूल प्रांगण में आकर समाप्त हुई। रैली के दौरान विद्यालय की शिक्षिकाएं छात्राओं के साथ कदम से कदम मिलाकर चलती रहीं। रैली में शामिल छात्राओं ने भ्रूण हत्या, बाल विवाह, दहेज प्रथा और नशाखोरी जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जोरदार नारे लगाए। छात्राओं ने आमजन और अभिभावकों से अपील की कि बेटा-बेटी में भेदभाव न करें, बेटी को बोझ नहीं बल्कि परिवार की मजबूती समझें, दहेज जैसी कुप्रथा को त्यागें और बेटियों को शिक्षा का पूरा अवसर दें।

जागरूकता रैली के साथ-साथ विद्यालय परिसर में छात्राओं के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से बालिकाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और सामाजिक विषयों पर विचार व्यक्त करने का मंच मिला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दानापुर के सीओ चंदन कुमार ने कहा कि बालिकाओं का सशक्तिकरण किसी भी समाज के समग्र विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि जब तक बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और समान अवसर नहीं मिलेंगे, तब तक सशक्त समाज और मजबूत राष्ट्र की कल्पना अधूरी रहेगी।

सीओ ने छात्राओं से आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और समाज में सकारात्मक बदलाव की अग्रदूत बनने का आह्वान किया। उन्होंने जानकारी दी कि इस जागरूकता कार्यक्रम में दानापुर के दस से अधिक विद्यालयों की छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से बेटियों के सम्मान, शिक्षा और अधिकारों को लेकर समाज में सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा।

जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर मसौढ़ी में नमन विधायक ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

निज संवाददाता। मसौढ़ी, पटना

मसौढ़ी नगर मुख्यालय स्थित कर्पूरी चौक पर शनिवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और महान समाजवादी नेता जननायक कर्पूरी ठाकुर की 102वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर स्थानीय विधायक अरुण मांझी ने जननायक की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

विधायक अरुण मांझी ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर समाजवादी आंदोलन के मजबूत स्तंभ थे। उनकी पहचान सादगी, ईमानदारी और स्पष्ट नीतियों के लिए रही। उनका संपूर्ण जीवन सत्य, संयम और सामाजिक संवेदना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र और समाज के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी कर्पूरी ठाकुर सही अर्थों में जननायक थे, जिन्होंने सदैव गरीब, वंचित और शोषित वर्ग के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उनका जीवन आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है।

कार्यक्रम में उपस्थित मनोज गोल्डी ने कर्पूरी ठाकुर को एक ईमानदार और सिद्धांतवादी नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया और निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज व जनता के हित में कार्य किया। इस अवसर पर भाजपा नेता सह अनुसूचित जनजाति उपाध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ पिंटू रजक और जिला महामंत्री विजय यादव ने जननायक के राजनीतिक और सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कर्पूरी ठाकुर एक स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षक और कुशल राजनीतिज्ञ थे। वे बिहार के दूसरे उपमुख्यमंत्री रहे और दो बार मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली। जनसरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण ही वे 'जननायक' कहलाए। वक्ताओं ने बताया कि कर्पूरी ठाकुर का जन्म ब्रिटिश शासन काल में समस्तीपुर जिले के पितौंझिया गांव में हुआ था, जिसे आज कर्पूरी ग्राम के नाम से जाना जाता है। उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान 26 महीने तक जेल में रहकर स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष गोल्डी पटेल, आशीष देव, विधानसभा संयोजक संजय केसरी, अजय शर्मा, राकेश कुमार, युवा वार्ड पार्षद उज्ज्वल कुमार, जदयू के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष लाल मोहन सिंह, राणा लखन सिंह चंदेल, भाजपा के वरिष्ठ नेता विश्वनाथ केशरी, राजद के वरिष्ठ नेता लाला यादव, विजय ठाकुर, धनेश्वर ठाकुर, आशुतोष कुमार, शंकर चंद्रवंशी, रंजन चंद्रवंशी, सन्नी कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के माध्यम से जननायक कर्पूरी ठाकुर के विचारों, संघर्ष और सामाजिक न्याय की भावना को आत्मसात करने का संदेश दिया गया।

बेतिया में 5 दिवसीय चित्र प्रदर्शनी सह जागरूकता अभियान का शुभारंभ

निज संवाददाता। बेतिया/पटना

बेतिया राज कचहरी मैदान, बेतिया में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा दिनांक 24 से 28 जनवरी, 2026 तक 'विकसित भारत @2047' विषय पर आयोजित 5 दिवसीय चित्र प्रदर्शनी सह जागरूकता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ. संजय जायसवाल, माननीय सांसद, पश्चिम चम्पारण द्वारा किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय संचार ब्यूरो, पटना के कार्यालय प्रमुख कुमार सौरभ, बेतिया एलडीएम सतीश कुमार, डाक अधीक्षक बेतिया मनोज कुमार, उमाकांत सिंह (पूर्व विधायक), रूपम कुमार श्रीवास्तव (उपाध्यक्ष, बीस सूत्री), जनक शाह (पूर्व चेयरमैन, बेतिया), नीरज कुमार, एजाज अहमद, रवि सिंह, सीमा मढ़ोगरिया, अनिल राम सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. संजय जायसवाल, माननीय सांसद ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना 'विकसित भारत @2047' को साकार करने तथा उनके विज़न को बेतिया की जनता तक पहुँचाने के उद्देश्य से इस पाँच दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में हुए विकास कार्यों को दर्शाया गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीबीसी, पटना के कार्यालय प्रमुख कुमार सौरभ ने कहा कि इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाना है, ताकि समाज के सभी वर्ग इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। इस पाँच दिवसीय जागरूकता अभियान के अंतर्गत डाक विभाग द्वारा प्रतिदिन आधार सुधार, डाक बीमा आदि सुविधाएँ ऑन-स्पॉट प्रदान की जाएंगी। साथ ही बिहार सरकार के अन्य विभागों के स्टॉल भी लगाए गए हैं। कार्यक्रम का संचालन सहायक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी नवल किशोर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी जावेद अंसारी द्वारा किया गया। मौके पर विभाग के ग्यास अख्तर, निशांत कुमार, हर्ष सिन्हा सहित विभागीय लोक सांस्कृतिक कलाकार एवं अन्य कर्मी भी उपस्थित रहे।

पटना में 18वें रोजगार मेले का आयोजन, 447 चयनित अभ्यर्थियों को मिले नियुक्ति पत्र

निज संवाददाता। पटना

पटना के शास्त्री नगर स्थित ऊर्जा ऑडिटोरियम में 24 जनवरी 2026 को रोजगार मेला (18वां चरण) का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय सुरक्षा बलों सहित विभिन्न विभागों में चयनित अभ्यर्थियों ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के लिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रधानमंत्री द्वारा रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाने की प्रतिबद्धता के अनुरूप यह रोजगार मेला युवाओं को सरकारी सेवाओं से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया है। रोजगार मेला योजना की शुरुआत से अब तक देशभर में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं।

पटना में आयोजित इस रोजगार मेले में भारत सरकार के 11 विभिन्न विभागों में चयनित कुल 447 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। पटना सहित देशभर के 45 स्थानों पर एक साथ आयोजित रोजगार मेले का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इस अवसर पर उन्होंने देश के युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2026 भारत के लिए एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी के बाद का यह समय युवाओं के जीवन में भी नए अवसरों और नए वसंत के आगमन का संकेत देता है।

प्रधानमंत्री ने नियुक्ति पत्रों को केवल औपचारिक दस्तावेज न बताते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण की यात्रा का संकल्प पत्र करार दिया। उन्होंने कहा कि ये नियुक्ति पत्र युवाओं के आत्मविश्वास और भारत के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं को कौशल से जोड़ना, उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से सरकारी भर्तियों को मिशन मोड में संपन्न कराने के लिए रोजगार मेले की शुरुआत की गई है, जिससे पारदर्शी, समयबद्ध और व्यापक भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सरकार द्वारा किए जा रहे वैश्विक व्यापार समझौते और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े पैमाने पर निवेश से निर्माण सहित कई क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने "नागरिक देवो भवः" का मंत्र देते हुए सभी चयनित अभ्यर्थियों से ईमानदारी, निष्ठा और सेवा भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने में सभी से सक्रिय योगदान देने की अपील की।

पटना में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचायती राज तथा मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने चयनित कार्मिकों को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र प्रदान किए। नियुक्ति पत्र वितरण के बाद उन्होंने सभी अभ्यर्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका पूरी निष्ठा से निभाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में महानिरीक्षक निशीत कुमार उज्ज्वल (भा.पु.से), उप-महानिरीक्षक रुडोल्फ अल्वारेस (भा.पु.से), के. रंजीत तथा एच. जितेन सिंह सहित सशस्त्र सीमा बल सीमान्त पटना के वरीय अधिकारी, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। यह संपूर्ण कार्यक्रम सशस्त्र सीमा बल, सीमान्त मुख्यालय पटना की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय समारोह की तैयारियां पूरी, मोरहाबादी मैदान में फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न

एजेंसी। रांची

रांची के मोरहाबादी मैदान में आगामी 26 जनवरी को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय समारोह की तैयारियों को लेकर शनिवार को फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया। यह रिहर्सल उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान गणतंत्र दिवस समारोह में होने वाले सभी कार्यक्रमों को रियल टाइम आधार पर दोहराया गया, ताकि मुख्य आयोजन के दिन किसी भी प्रकार की कमी या तकनीकी त्रुटि से बचा जा सके। उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने परेड का निरीक्षण करते हुए मार्च पास्ट की सलामी ली और परेड में शामिल सभी टुकड़ियों को अनुशासन एवं समन्वय बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। रिहर्सल के उपरांत समारोह में प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई, जिसमें जिला स्तरीय एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान अपर जिला दंडाधिकारी, रांची ने गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर जारी संयुक्त आदेश की विस्तृत जानकारी सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को दी। संयुक्त ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे समय पर अपने-अपने प्रतिनियुक्ति स्थलों पर पहुंचकर सौंपे गए दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि समारोह के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। साथ ही झांकियों के निर्धारित समय-सीमा में प्रदर्शन, चिकित्सा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष निर्देश देते हुए कहा कि कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश से पूर्व सघन फ्रीस्किंग अनिवार्य रूप से की जाए और सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके। उप विकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवनिया ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रस्तुत की जाने वाली झांकियों के सुचारू, अनुशासित और समयबद्ध प्रदर्शन को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की परेड में भारतीय सेना, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, झारखंड जगुआर, जेएपी-1, जेएपी-2, डीएपी (पुरुष एवं महिला), एसएसबी, छत्तीसगढ़ पुलिस, जेएपी-10 (महिला बटालियन), होमगार्ड तथा एनसीसी (गर्ल्स और ब्वॉयज) की टुकड़ियां भाग लेंगी। समारोह में भारतीय सेना, जेएपी-1, होमगार्ड और जेएपी-10 (महिला) की बैण्ड पार्टियां भी अपनी प्रस्तुति देंगी। गणतंत्र दिवस पर परेड का समादेशन कैप्टन मोहित कुमार सुमन, भारतीय सेना, रांची द्वारा किया जाएगा, जबकि परेड के द्वितीय समादेशक श्री सुशांत कुमार, परिचारी प्रवर-1, रांची होंगे। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह को भव्य, अनुशासित और सुरक्षित ढंग से आयोजित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया नागपुरी आर्केस्ट्रा कार्यक्रम का उद्घाटन

खूंटी। रनिया प्रखंड के बलनकेल में युवा शांति क्लब द्वारा आयोजित रंगारंग नागपुरी आर्केस्ट्रा कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला के अध्यक्ष आनंद कुमार ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। सांस्कृतिक प्रस्तुति और नागपुरी गीत-संगीत से पूरा वातावरण उल्लासमय हो उठा। इस अवसर पर निखिल कंडुलना विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए और आयोजन की सराहना की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ समाज में आपसी भाईचारा और सांस्कृतिक जागरूकता को भी बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कलाकारों की प्रस्तुति का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में रनिया मंडल भाजपा अध्यक्ष सुशीला देवी, मंडल उपाध्यक्ष डोमन सिंह, पंचायत अध्यक्ष प्रदीप नाग, समिति के सचिव कुलदीप नाग, पूर्व मंडल अध्यक्ष शिव अवतार सिंह, दामू भाई, धनेश्वर नाग, बलराम काशी सहित कई भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

श्रमिक अधिकारों की रक्षा के लिए 12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल

पूर्वी सिंहभूम। केंद्रीय ट्रेड यूनियन एवं स्वतंत्र फेडरेशनों के संयुक्त मंच कोल्हान प्रमंडल के संयोजक विष्णु डे ने कहा कि केंद्र सरकार की मजदूर-किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ 12 फरवरी 2026 को देशव्यापी एक दिवसीय आम हड़ताल की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह हड़ताल बलिदानों से हासिल श्रमिक अधिकारों को बचाने और कॉर्पोरेटपरस्त नीतियों के खिलाफ निर्णायक संघर्ष की शुरुआत है। शनिवार को जमशेदपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि विष्णु डे ने बताया कि केंद्र सरकार ने ट्रेड यूनियनों से बिना परामर्श किए चार श्रम संहिताएं लागू की हैं, जिनका उद्देश्य हड़ताल के अधिकार को कमजोर करना, यूनियनों को निष्प्रभावी बनाना और स्थायी नौकरियों को ठेका और अस्थायी व्यवस्था में बदलना है। उन्होंने आरोप लगाया कि नई श्रम शक्ति नीति-2025 के जरिए सामूहिक सौदेबाजी और त्रिपक्षीय संवाद की अवधारणा को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। संयुक्त मंच का कहना है कि रेलवे, कोयला, स्टील, रक्षा, बैंक, बीमा, ऊर्जा और अन्य सार्वजनिक क्षेत्रों के बेलगाम निजीकरण से देश की आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को खतरा पैदा हो गया है। साथ ही 65 लाख से अधिक रिक्त सरकारी पदों को भरने के बजाय आउटसोर्सिंग और ठेका प्रथा को बढ़ावा दिया जा रहा है। आवश्यक वस्तुएं, शिक्षा और इलाज आम जनता की पहुंच से बाहर होते जा रहे हैं, जबकि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी अब तक नहीं मिली है। ट्रेड यूनियनों की प्रमुख मांगों में चारों श्रम संहिताओं को रद्द करना, सभी कृषि उत्पादों के लिए वैधानिक एमएसपी, ठेका व अस्थायी कर्मचारियों का नियमितीकरण, सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण रोकना, मातृ उद्योग एचईसी का पुनरुद्धार, सभी के लिए शिक्षा-स्वास्थ्य-आवास की गारंटी और मजदूर-किसान हितों के खिलाफ लाए गए नए कानूनों को वापस लेना शामिल है। विष्णु डे ने झारखंड के मजदूरों, किसानों, युवाओं, छात्रों और जन संगठनों से हड़ताल को सफल बनाने की अपील की।

गणतंत्र दिवस पर चाईबासा में झारखंड आंदोलनकारियों को किया गया सम्मानित

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिला में गणतंत्र दिवस के अवसर पर शनिवार को उपायुक्त कार्यालय की ओर से शहर के मांगीलाल रूंगटा प्लस टू विद्यालय, चाईबासा में झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मानित करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी सदर चाईबासा संदीप अनुराग टोपनो उपस्थित थे। इस अवसर पर सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी अमिताभ भगत, सदर अंचल अधिकारी उपेंद्र कुमार सहित अनुमंडल के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि झारखंड की स्थापना के 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं और 26वां वर्ष चल रहा है, लेकिन झारखंड आंदोलनकारियों को अब तक जितना सम्मान मिलना चाहिए था, उतना नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए दुख का विषय है। उन्होंने बताया कि विधायक बनने के बाद से ही वे इस मांग को सरकार के समक्ष उचित पटल पर रखते आ रहे हैं और जल्द ही सरकार इस पर संज्ञान लेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि आंदोलनकारियों की मांगों पर विचार करते हुए उन्हें उचित सम्मान दिया जाएगा। वहीं अनुमंडल पदाधिकारी सदर चाईबासा संदीप अनुराग टोपनो ने कहा कि अनुमंडल स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में झारखंड स्थापना आंदोलनकारियों को सम्मान पत्र एवं शॉल देकर सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन के कारण ही आज अलग राज्य मिला और राज्य में नौकरी का अवसर भी प्राप्त हुआ। अगर झारखंड नहीं बनता, तो संभव है कि यह अवसर भी नहीं मिलता। कार्यक्रम के दौरान झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मानित कर उनके योगदान को याद किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव, 26 जनवरी को बड़े वाहनों की नो-एंट्री

पूर्वी सिंहभूम। गणतंत्र दिवस के जिला स्तरीय मुख्य समारोह को लेकर प्रशासन ने शहर की यातायात व्यवस्था में अस्थायी बदलाव किया है। 26 जनवरी को गोपाल मैदान में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम के मद्देनजर सुरक्षा, सुगम यातायात और आमजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। शनिवार को प्रशासन द्वारा जारी निर्देश के अनुसार 26 जनवरी की सुबह छह बजे से रात 11 बजे तक जमशेदपुर शहर में भारी वाहनों (ट्रक, हाइवा, डंपर आदि) के प्रवेश पर रोक रहेगी। हालांकि यह प्रतिबंध बसों पर लागू नहीं होगा, ताकि यात्रियों को आवागमन में परेशानी न हो। निर्धारित समयावधि के दौरान किसी भी भारी वाहन को शहर की सीमा में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस संबंध में शनिवार को उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी, वरीय पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय एवं ट्रैफिक डीएसपी की ओर से संयुक्त रूप से दिशा-निर्देश जारी किए गए। अधिकारियों ने बताया कि समारोह स्थल और आसपास के क्षेत्रों में यातायात दबाव को नियंत्रित करने, वीआईपी मूवमेंट, परेड और दर्शकों की आवाजाही को सुचारू रखने के लिए यह व्यवस्था की गई है। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि आपातकालीन सेवाओं—जैसे एंबुलेंस, दमकल और आवश्यक सेवा वाहनों—को इस प्रतिबंध से मुक्त रखा जाएगा। साथ ही, शहर के प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक पुलिस की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग सुनिश्चित कराया जाएगा।

झारखंड के मौसम में उतार-चढ़ाव जारी, कांके में न्यूनतम तापमान पांच डिग्री

एजेंसी। रांची

राज्य भर में मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। राजधानी रांची के कांके में अभी भी न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस है, जबकि डाल्टनगंज में अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री पहुंच गया है। इससे डाल्टनगंज के लोगों को दिन में भारी गर्मी का एहसास हो रहा है। हालांकि यहां शाम होते ही ठंड महसूस हो रही है। इसके चलते शनिवार को यहां न्यूनतम तापमान आठ डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तरी पंजाब और आसपास के इलाकों में निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। साथ ही उत्तरी राज्यों में हो रही बर्फबारी के कारण देश के मैदानी और मध्यवर्ती भागों में ठंडी हवाएं फिर से चलने लगी हैं। इसके कारण तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 31.2 डिग्री डाल्टनगंज में और सबसे कम तापमान 5.7 डिग्री रांची के कांके में रिकॉर्ड किया गया।

शनिवार को रांची और आसपास के इलाकों में दिनभर मौसम साफ रहा और मध्यम दर्जे की हवा चली। इसके कारण लोगों को दिन में कनकनी महसूस हुई। वहीं, शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री और न्यूनतम 10 डिग्री डाल्टनगंज में अधिकतम 29 डिग्री और न्यूनतम 11.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 31.2 और न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री, बोकारो में अधिकतम तापमान 25.5 डिग्री और 9.1 डिग्री सेल्सियस एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

गणतंत्र दिवस को लेकर रांची में कड़े सुरक्षा इंतजाम, 1500 अतिरिक्त जवान तैनात

एजेंसी। रांची

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर राजधानी रांची में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। शहर के संवेदनशील और चिह्नित इलाकों में 1500 अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लॉज, हॉस्टल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और बाजारों में सघन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। पुलिस प्रशासन ने सभी पीसीआर और पेट्रोलिंग वाहनों को लगातार भ्रमणशील रहने का निर्देश दिया है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए क्यूआरटी (क्विक रिस्पॉन्स टीम) की पांच टीमें रिजर्व रखी गई हैं, जिनमें करीब 200 जवान शामिल हैं। इसके अलावा टीयर गैस पार्टी की चार टीमें भी पूरी तरह अलर्ट मोड में रहेंगी। रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन ने शनिवार को बताया कि गणतंत्र दिवस को लेकर शहर में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। मोरहाबादी स्थित मुख्य आयोजन स्थल और आसपास के क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। यहां 40 से अधिक स्थानों पर ड्रॉप गेट लगाए गए हैं, जिन पर जवानों की तैनाती की गई है। किसी भी वाहन को ड्रॉप गेट के आगे जाने की अनुमति नहीं होगी। एसएसपी ने बताया कि मोरहाबादी क्षेत्र में कुल 700 जवानों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही चार भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी, छह पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) और 17 पुलिस निरीक्षक सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करेंगे।

ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव- गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजधानी की यातायात व्यवस्था में भी व्यापक बदलाव किए गए हैं। यातायात पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह ने बताया कि 26 जनवरी को सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक शहर में बड़े वाहनों की एंट्री पूरी तरह से बंद रहेगी। उन्होंने बताया कि कांके की ओर से रांची आने वाले बड़े वाहन बोड़या तक, चाईबासा से खूंटी होकर आने वाले वाहन बिरसा चौक तक, गुमला-सिमडेगा से आने वाले वाहन कटहल मोड़ और आईटीआई तक ही जा सकेंगे। वहीं, जमशेदपुर की ओर से आने वाले बड़े वाहन दुर्गा सोरेन चौक और सदाबहार चौक तक सीमित रहेंगे। इसी तरह पतरातु से रांची आने वाले बड़े वाहन लॉ यूनिवर्सिटी तक, तिलता चौक रिंग रोड से पिस्का मोड़ की ओर आने वाले वाहन पंडरा बाजार तक ही जा सकेंगे। मोरहाबादी क्षेत्र की ओर निजी वाहनों के परिचालन पर भी रोक रहेगी। केवल पासयुक्त वाहनों को ही आयोजन स्थल की ओर आने-जाने की अनुमति दी जाएगी। पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें, प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

» 26 जनवरी को ट्रैफिक व्यवस्था में व्यापक बदलाव, बड़े वाहनों की एंट्री बंद

दिनदहाड़े घर का ताला तोड़कर चोरी, दो आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

मानगो गुरुद्वारा रोड स्थित विश्वनाथ मंदिर के सामने खान बिल्डिंग में शनिवार सुबह दिनदहाड़े चोरी की घटना सामने आई है। सुबह करीब 7:30 बजे नकाबपोश अपराधी मजदूर का भेष बनाकर बिल्डिंग में दाखिल हुए और एक बंद मकान का ताला तोड़कर भीतर घुस गए। घटना के समय घर के मालिक, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव अखिलेश्वर दुबे अपने बेटे की शादी की तैयारी के लिए गांव गए हुए थे। अपराधियों ने पहले मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा और घर के अंदर प्रवेश किया। अंदर कमरे का ताला नहीं टूटने पर उन्होंने दरवाजे को ही तोड़ दिया। इसके बाद अलमीरा और बक्सों में रखे जेवरात और नकदी समेट कर वे आसानी से बाहर निकलने लगे। चोरी में कितनी संपत्ति का नुकसान हुआ है, इसका आकलन अखिलेश्वर दुबे के लौटने के बाद ही हो सकेगा। बिल्डिंग के मालिक उमाकांत सिंह ने बताया कि सुबह के समय मजदूरों की आवाजाही सामान्य बात होने के कारण किसी को संदेह नहीं हुआ। लोगों को लगा कि दुबे जी के घर में मरम्मत का काम चल रहा है। कुछ देर बाद पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति ने दरवाजा टूटा देखा और सूचना दी, जिसके बाद चोरी का खुलासा हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा के पूर्व नेता विकास सिंह मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की सूचना स्थानीय थाना को दी। स्थानीय युवकों और मौके पर पहुंचे पुलिस की मदद से दो आरोपितों को पकड़ लिया गया। पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है। मौके पर मौजूद विकास सिंह ने कहा कि क्षेत्र में नशे का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, जिसके कारण अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपराध पर अंकुश नहीं लगा तो आम जनता को मजबूरन सड़क पर उतरकर विरोध करना पड़ेगा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां पूरी, उपायुक्त और एसएसपी ने परेड का किया निरीक्षण

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

पूर्वी सिंहभूम जिले में गणतंत्र दिवस की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। शनिवार को गोपाल मैदान में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय मुख्य समारोह के तहत परेड में शामिल टुकड़ियों के फुल ड्रेस रिहर्सल का उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने परेड की अनुशासनात्मक स्थिति, तालमेल, मार्च पास्ट और समग्र व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। परेड में जैप-6 की एक प्लाटून, जिला पुलिस बल की दो प्लाटून, जिला गृह रक्षक की एक प्लाटून, एनसीसी की महिला एवं पुरुष इकाई की दो प्लाटून तथा स्काउट एंड गाइड की दो प्लाटून शामिल रहीं। सभी टुकड़ियों ने पूरे अनुशासन और उत्साह के साथ अंतिम पूर्वाभ्यास में भाग लिया। जिला के वरीय पदाधिकारियों ने मुख्य समारोह स्थल पर की जा रही अन्य तैयारियों का भी जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को समय पर सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा, यातायात, बैठने की व्यवस्था, झांकियों की प्रस्तुति और कार्यक्रम के सुचारु संचालन को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। जिला प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई कि 26 जनवरी 2026 को प्रातः 09:05 बजे गोपाल मैदान में ध्वजारोहण किया जाएगा। इस अवसर पर आकर्षक झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां समारोह की शोभा बढ़ाएंगी। प्रशासन ने भरोसा जताया है कि गणतंत्र दिवस का जिला स्तरीय मुख्य समारोह पूरी गरिमा, अनुशासन और उल्लास के साथ संपन्न होगा।

यूजीसी की नई समानता विनियम के विरोध में सवर्ण महासंघ का उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से जनवरी 2026 में जारी की गई उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने संबंधी विनियम के विरोध में शनिवार को सवर्ण महासंघ फाउंडेशन ऑफ इंडिया की ओर से जिला स्तर पर जोरदार प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन जमशेदपुर स्थित उपायुक्त कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान सवर्ण महासंघ के कार्यकर्ताओं ने समान अधिकार हमारा हक है, संविधान विरोधी विनियम वापस लो और सभी वर्गों के लिए समान न्याय जैसे नारे लगाए। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन कार्यकर्ताओं में अधिसूचना को लेकर भारी आक्रोश देखने को मिला। इसके बाद सवर्ण महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में यूजीसी की ओर से जारी उक्त अधिसूचना को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की गई। इस अवसर पर सवर्ण महासंघ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनुर्धर त्रिपाठी ने कहा कि यह अधिसूचना उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता स्थापित करने के नाम पर केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांग छात्रों के अधिकारों पर केंद्रित है, जबकि सामान्य वर्ग के छात्रों के संवैधानिक अधिकारों और संरक्षण को पूरी तरह नजरअंदाज करती है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15 एवं 21 की मूल भावना के विरुद्ध है। धनुर्धर त्रिपाठी ने यह भी आरोप लगाया कि इस विनियम में झूठी अथवा दुर्भावनापूर्ण शिकायतों पर किसी भी प्रकार का दंडात्मक प्रावधान नहीं रखा गया है, जिससे इसके दुरुपयोग की व्यापक संभावना बन गई है। इसके कारण देश के कई राज्यों में विश्वविद्यालय परिसरों में भय, असंतोष और असमानता का माहौल उत्पन्न हो रहा है। महासंघ के जिला पदाधिकारियों ने बताया कि भारत की अनुमानित जनसंख्या लगभग 140 करोड़ है, जिसमें से लगभग एक-तिहाई आबादी सामान्य वर्ग की है। इसके बावजूद इस प्रकार की अधिसूचनाएं सामान्य वर्ग के करोड़ों छात्रों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश के विकास, प्रशासन, शिक्षा, उद्योग और राजस्व सृजन में सामान्य वर्ग का योगदान सदैव महत्वपूर्ण रहा है। प्रदर्शन में सवर्ण महासंघ के जिला अध्यक्ष, जिला महामंत्री, विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, युवा इकाई के सदस्य एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में अधिसूचना को वापस लेने की मांग की। महासंघ ने चेतावनी दी कि यदि इस अधिसूचना को शीघ्र वापस नहीं लिया गया, तो संगठन लोकतांत्रिक, संवैधानिक एवं विधिक तरीकों से आंदोलन को और तेज करेगा तथा आवश्यकता पड़ने पर न्यायिक उपाय भी अपनाएगा।

कार्यालय जिला अभियंता, जिला परिषद, पलामू।
Email:- zilaparishad.palamu@gmail.com

निविदा रद्द करने संबंधी सूचना।

इस कार्यालय के आम सूचना ज्ञापांक 53/जि0अ0, दिनांक 15.01.2026 द्वारा निर्गत अतिअल्पकालिन ई–निविदा आमंत्रण सूचना ई–संख्या– DOPR/DE/ZP/Palamu 15/2025-26 (PR No-370744) को अपरिहार्य कारणो से रद्द किया जाता है।

ह0/–
जिला अभियंता,
जिला परिषद, पलामू।

PR 371591 (District) 25-26 (D)

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
जिला नियोजनालय–सह–मॉडल कैरियर सेंटर, पलामू

भर्ती कैम्प सूचना

जिला नियोजन (रोजगार) कार्यालय, पलामू के द्वारा बेरोजगार अभ्यर्थियों को नियोजनालय, पलामू के कार्य योजनाओं एवं गतिविधियों से संबंधित जागरूकता सेमिनार के आयोजन के साथ ही निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर सुगमता से प्रदान करने हेतु दिनांक 27/01/2026 दिन मंगलवार को आई0टी0आई0 परिसर, डालटनगंज में 11:00 बजे (पूर्वा0) से 3:00 बजे (अप0) तक जागरुकता सेमिनार–सह–भर्ती कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें निम्न नियोजकों के द्वारा उपस्थित रहने की सहमति जताई है :–

S.No	Company Name	Name of the Post	No. of Vacancy	Qualification	Age	Salary	Place of Work
1	2	3	5	6	7		9
1	FIRST FLY CO RPORATE	Trainee	100	10th, 12th, ITI, Diploma, BE, Graduation	18-35	16000-21000	Pune
2	Sindhuja Microcredit Pvt Ltd	Trainee Credit Officer	50	12th	18-32	11500-15500	Jharkhand & Bihar
3	Freedom Employability Academy	Teacher	50	Graduation	18+	14500	Palamu, Garhwa, Ambikapur

जगरूकता सेमिनार–सह–भर्ती कैम्प में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक अपने सभी शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक, आधारकार्ड, 2 पासपोर्ट साईज का फोटो, नियोजनालय का निबंधन कार्ड एवं अपना बायोडाटा एवं स्थानीय निवासी प्रमाण–पत्र (न्यूनतम अंचलाधिकारी द्वारा निर्गत) के साथ जगरूकता सेमिनार–सह–भर्ती कैम्प में भाग लें। इस रिक्तियों के विरूद्ध भर्ती कैम्प के लिए सीधे नियोजक उत्तरदायी है। नियोजनालय एवं विभाग मात्र सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य करती है। जगरूकता सेमिनार–सह–भर्ती कैम्प में भाग लेने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं है।

नोट :– रिक्ति से संबंधित विशेष जानकारी हेतु जिला नियोजन कार्यालय, पलामू से सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला नियोजन पदाधिकारी
पलामू

PR 371586 District(25-26)D

संक्षिप्त समाचार

जूनियर छात्रों के साथ रैगिंग; घंटों खड़ा कराया फिर शराब-सिगरेट मंगवाई

बेंगलुरु , एजेंसी। कर्नाटक के बेंगलुरु ग्रामीण जिले से रैगिंग की गंभीर घटना सामने आई है। देवनहल्ली पुलिस ने बताया कि आकाश ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के 23 सीनियर छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इन पर जूनियर छात्रों के साथ उत्पीड़न करने का आरोप है। इस मामले में तीन मुख्य आरोपी छात्रों को गिरफ्तार भी कर लिया है। शिकायत के अनुसार, जूनियर छात्रों को शराब और सिगरेट लाने के लिए मजबूर किया गया। उन्हें

घंटों खड़े होकर अपनी किताबें ऊपर उठाकर सजा के रूप में खड़ा रखा गया।
रिपोर्ट के मुताबिक, कॉलेज के एडमिन हेड मिदुन माधवन तक इस मामले की शिकायत पहुंची। जब वह इसकी जांच करने गए, तो गुस्साए सीनियर्स ने उन पर हमला कर दिया। सीनियर्स पर जूनियर छात्रों पर लोहे की रॉड, पत्थर और लकड़ी की छड़ियों से हमला करने का भी आरोप है। घटना के दौरान एक छात्र की सोने की चेन भी छीन ली गई। इस मामले में देवनहल्ली पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों (बिलाल, झिरिल और मिशाल) को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी 20 आरोपित छात्रों की तलाश जारी है।
एक बाहरी व्यक्ति भी शामिल- सीनियर छात्रों ने 15 जनवरी को रैगिंग फिर से शुरू कर दी, जिसके बाद जूनियर छात्रों ने माधवन को इसकी सूचना दी थी। पुलिस के अनुसार, इसके बाद माधवन जूनियर छात्रों के साथ कॉलेज के पीछे एक चाय की दुकान के पास सीनियर छात्रों से मिलने गए और उन्हें चेतावनी दी। इस दौरान स्थिति और बिगड़ गई। सीनियर छात्रों ने कथित तौर पर जूनियर छात्रों और माधवन से मारपीट की। प्राथमिकी में कहा गया है कि सीनियर छात्रों के साथ आए एक बाहरी व्यक्ति नवीन ने उन पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला किया। उन्हें धमकी भी दी थी।

ग्रेटर नोएडा के हॉस्टल में शराब पीकर लौटा बीटेक का छात्र

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के एक हॉस्टल में रहने वाले बीटेक सेकेंड ईयर के छात्र ने शुक्रवार देर रात कथित तौर पर हॉस्टल की चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी। मृतक छात्र का नाम उदित सोनी है, मूलरूप से भोगनीपुर, झांसी का रहने वाला था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के नॉलेज पार्क-3 में स्थित एक हॉस्टल में बीटेक सेकेंड ईयर का छात्र उदित सोनी रहता

था। शुक्रवार देर रात वह अपने दो दोस्तों चेतन और कुलदीप के साथ शराब पीकर हॉस्टल में आया था। इसके चलते हॉस्टल प्रबंधन ने उसे फटकार लगाते हुए उसका वीडियो बनाकर उसके पिता विजय सोनी को भेज दिया था।
पिता ने नाम कटवाकर घर बुलाने की कही थी बात- उन्होंने बताया कि वीडियो मिलने पर विजय ने अपने बेटे को डांटा और उसका नाम कटवाकर घर बुलाने की बात कही गई थी। इस घटना से आहत होकर उदित ने हॉस्टल की चौथी मंजिल से नीचे छलांग लगा दी। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।
कुछ लोगों से पूछताछ कर रही पुलिस- पुलिस ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

1.16 करोड़ का मुआवजा देने का हाईकोर्ट का आदेश

नेशनल हाईवे निर्माण के कारण बर्बाद हो गए खेत

गुवाहाटी, एजेंसी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड को आदेश दिया है कि वह नेशनल हाईवे-29 के निर्माण के दौरान एक स्थानीय भूस्वामी की संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई करे। अदालत ने कहा कि नागरिक को उसकी संपत्ति के लाभप्रद उपयोग से वंचित करना उसके मौलिक अधिकारों (अनुच्छेद 21 और 300ए) का स्पष्ट उल्लंघन है। कोहिमा निवासी थजाओ सेखोसे ने अदालत में याचिका दायर की थी। उनका आरोप था कि एनएच-29 को फोर-लेन बनाने के दौरान की गई भारी खुदाई और मिट्टी कटाई की वजह से उनके क्षेत्र में भूस्खलन शुरू हो गया। उनका आरोप है कि इसके कारण उनकी तीन मंजिला आरसीसी इमारत, सूअर पालन केंद्र और सीढ़ीदार खेत पूरी तरह अनुपयोगी हो गए। निर्माण कार्य के दौरान उनके करीब 80 पेड़ काट दिए गए। उनका निजी रास्ता बंद कर दिया गया और वहां बिना अनुमति कचरा फेंका गया। जस्टिस मृदुल कुमार कलिता ने 20 जनवरी को दिए अपने आदेश में एनएचआईडीसीएल की दलीलों को खारिज करते हुए कई अहम बातें कहीं। कोर्ट ने कहा कि संपत्ति का नुकसान केवल आर्थिक नहीं बल्कि आजीविका के अधिकार (अनुच्छेद 21) और संपत्ति के अधिकार (अनुच्छेद 300ए) का हनन है। याचिकाकर्ता को मुआवजा न देना समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14) के खिलाफ है, क्योंकि इसी तरह के अन्य प्रभावित भूस्वामियों को एनएचआईडीसीएल पहले ही मुआवजा दे चुका था।

3 महीने के भीतर भुगतान का आदेश

अदालत ने नुकसान का आकलन करते हुए मुआवजे का आदेश दिया है। करीब 1.16 करोड़ की संपत्ति का नुकसान हुआ है। 13.93 लाख के पेड़ काटे गए। अदालत ने सख्त निर्देश दिया है कि एनएचआईडीसीएल इस राशि का भुगतान तीन महीने के भीतर याचिकाकर्ता को करे। आपको बता दें कि याचिकाकर्ता 2018 से ही मुआवजे के लिए भटक रहा था। कोर्ट ने कहा कि 7 साल से अधिक समय बीत जाने के बाद पीड़ित को अब सिविल कोर्ट भेजना अनुचित होगा, इसलिए हाईकोर्ट ने सीधे मुआवजे का आदेश जारी किया।

बिहार में टूटेगा महागठबंधन?

कांग्रेस में तेजस्वी यादव की आरजेडी से अलग होने की मांग तेज

पटना, एजेंसी। बिहार में महागठबंधन टूटने के कयास लगाए जा रहे हैं। कांग्रेस के अधिकतर विधायक एवं कई नेताओं ने लालू एवं तेजस्वी यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से नाता तोड़ने की मांग तेज कर दी है। नई दिल्ली में शुक्रवार को हुई बैठक में बिहार के कांग्रेस विधायकों ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत आला नेताओं के सामने यह बात रखी। कांग्रेस के अधिकतर विधायक आरजेडी के साथ रहने के मूड में नहीं हैं।
राहुल गांधी ने शुक्रवार को कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित बैठक में पहली बार पार्टी के सभी 6 नवनिर्वाचित विधायकों से मुलाकात की। खरगे ने उनसे पार्टी में टूट की अफवाहों पर सवाल किए, जिसे उन्होंने सिरे से नकार दिया। हालांकि, कांग्रेस विधायकों ने आरजेडी और कांग्रेस के संबंधों को असहज और घातक बताया।
सूत्रों की मानें तो ज्यादातर विधायक लालू-तेजस्वी के साथ गठबंधन के पक्ष में नहीं हैं। बैठक में इक्का-दुक्का को छोड़ सभी विधायक और नेताओं ने गठबंधन से हटने की वकालत की। हालांकि, फिलहाल इस पर कोई फैसला नहीं हो सकता है। माना जा रहा है कि पार्टी के शीर्ष नेता विचार कर इस पर भविष्य में कोई फैसला ले सकते हैं।

पहले भी हो चुकी है अलग होने की मांग

बिहार में विधायक दल के पूर्व नेता शकील अहमद भी लंबे समय से आरजेडी से गठबंधन तोड़ने की मांग करते रहे हैं। हालिया विधानसभा चुनाव में करारी हार मिलने के कुछ दिनों बाद राहुल-खरगे ने दिल्ली में समीक्षा बैठक की थी। उसमें कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले सभी प्रत्याशियों से बात की गई थी। उसमें भी आरजेडी से गठबंधन को बिहार में कांग्रेस की हार की एक वजह माना गया था।

नक्सल मुक्त हुआ छत्तीसगढ़ का रायपुर रेंज

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में शुक्रवार को कुल 47 लाख रुपए के इनाम वाले 9 माओवादियों ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि अब रायपुर पुलिस रेंज नक्सली मौजूदगी से मुक्त हो गया है। रायपुर रेंज के धमतरी और गरियाबंद जिलों तथा ओडिशा के निकटवर्ती नुआपड़ा जिले में सक्रिय सभी कैडर या तो मारे गए हैं या सरेंडर कर चुके हैं। रायपुर रेंज के आईजी अमरीश मिश्रा ने बताया कि छत्तीसगढ़ के धमतारी जिले में शुक्रवार को कुल 47 लाख रुपए के इनाम वाले 9 माओवादियों ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया, जिससे रायपुर पुलिस रेंज नक्सलियों की मौजूदगी से मुक्त हो गया।
बस्तर रेंज और राजनांदगांव के कुछ हिस्सों में अभी भी प्रभाव- आईजी ने बताया कि सरेंडर करने वाले कैडरों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के समक्ष हथियार डाल दिए। उन्होंने इसके पीछे माओवादी विचारधारा से मोहभंग, जंगलों में जीवन की कठिनाइयों और राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के प्रभाव का हवाला दिया। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि बस्तर रेंज और राजनांदगांव जिले के कुछ हिस्सों में माओवादी प्रभाव अभी भी जारी है। वहां कई कैडर अभी भी सक्रिय हैं।

47 लाख के इनामी 9 माओवादियों ने डाले हथियार

दो महिला नक्सलियों पर 8-8 लाख का इनाम- 7 महिलाओं सहित सरेंडर करने वाले सभी 9 माओवादी ओडिशा राज्य माओवादी समिति के धमतारी-गरियाबंद-नुआपड़ा डिवीजन के तहत संचालित नागरी और सीतानाडी क्षेत्र समितियों और मैनपुर स्थानीय गुरिल्ला दस्ते (एलजीएस) से संबंधित थे। इनमें सीतानदी एरिया कमेटी की सचिव ज्योति उर्फ ??जैनी (28) और डिविजनल कमेटी सदस्य उषा उर्फ ??बलम्मा (45) पर 8-8 लाख रुपए का इनाम था। छह अन्य- रामदास मरकाम (30), रोनी उर्फ ??उमा (25), निरंजन उर्फ ??पोडिया (25), सिंधु उर्फ ??सोमादी (25), रीना उर्फ ??चिरो (25) और अमिला उर्फ ??सन्नी (25) पर 5-5 लाख रुपए का इनाम था। इसके अलावा लक्ष्मी पुनेम (18) पर 1 लाख रुपए का इनाम था। बलम्मा तेलंगाना की रहने वाली हैं, जबकि अन्य छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से हैं।

छत्तीसगढ़ में 2025 में 1500 से अधिक सरेंडर

इस सरेंडर के साथ छत्तीसगढ़ में इस वर्ष अब तक 189 माओवादियों ने हथियार डाल दिए हैं। 19 जनवरी को 45 लाख रुपए के इनाम वाले 9 माओवादियों ने गरियाबंद में सरेंडर किया, जबकि 15 जनवरी को 52 माओवादियों ने (कुल 1.41 करोड़ से अधिक का इनाम) बीजापुर में सरेंडर किया। केंद्र ने देशव्यापी वामपंथी उग्रवाद को खत्म करने के लिए 31 मार्च की समय सीमा निर्धारित की है। छत्तीसगढ़ में 2025 में 1500 से अधिक माओवादियों ने सरेंडर किया है।

रायपुर रेंज में अब कोई कैडर नहीं

आईजी मिश्रा ने कहा कि रायपुर रेंज के अंतर्गत धमतरी और गरियाबंद जिलों तथा ओडिशा के निकटवर्ती नुआपड़ा जिले में सक्रिय सभी सूचीबद्ध कैडर या तो मारे गए हैं या सरेंडर कर चुके हैं या अब सक्रिय नहीं हैं।

युवक का अपहरण कर लूटने वाले गिरोह का चौथा सदस्य गिरफ्तार

गुरुग्राम, एजेंसी। सोशल मीडिया और डेटिंग ऐप के जरिए अपराध करने वाले गिरोहों के खिलाफ गुरुग्राम पुलिस को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस की अपराध शाखा फर्रुखनगर ने एक 22 वर्षीय युवक का अपहरण, मारपीट और लूटपाट करने के मामले में चौथे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान 44 वर्षीय सोमबीर के रूप में हुई है, जो महेंद्रगढ़ का रहने वाला है। वारदात पिछले साल 23 दिसंबर की है। पीड़ित युवक की दोस्ती ग्रिंडर ऐप के जरिए सोमबीर नाम के व्यक्ति से हुई थी। 23 दिसंबर की रात करीब दस बजे आरोपी ने युवक को मिलने के लिए फर्रुखनगर स्थित एक पीजी के पास बुलाया। जैसे ही युवक वहां पहुंचा, एक काले रंग की कार में सवार सोमबीर और उसके तीन अन्य साथियों रोहित, अनिल और भंवर ने युवक पर हमला कर दिया।

मानेसर औद्योगिक क्षेत्र की सीवर लाइनें अब नहीं होगी जाम

मानेसर एजेंसी। मानेसर औद्योगिक क्षेत्र के आठ सेक्टरों में सीवर लाइनें अब जाम नहीं होगी। हरियाणा राज्य औद्योगिक और अवसंरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) की ओर से औद्योगिक सेक्टरों की लाइनों की सफाई के लिए ठेका दिया गया है। लाइनों की सफाई से लेकर टूट ढक्कन लगाए जाएंगे। जिससे उद्यमियों की सीवरेज जाम की समस्या दूर हो जाएगी। औद्योगिक सेक्टरों नालों के ढक्कन टूटे- मानेसर के लगभग सभी औद्योगिक सेक्टरों नालों के ढक्कन टूटे हुए है। शिकायतें करने के बाद भी इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। सेक्टर सात में नाले का ढक्कन टूटा होने के कारण बड़ा हादसा होने का डर बना रहता है। उद्यमी मनोज जैन ने बताया कि सेक्टर सात में कई जगह नाले के ढक्कन टूटे हुए हैं। ऐसा नहीं है कि ये ढक्कन अभी टूटे हैं। पिछले करीब एक साल से ये ढक्कन ऐसे ही टूटे हुए हैं। इस समस्या के लिए नगर निगम से लेकर एचएसआईडीसी अधिकारियों से भी शिकायत की गई। हर दिन फोटों भी भेजकर शिकायत करते है। मरम्मत को लेकर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। रखरखाव के लिए उद्योगों से लाखों रुपये लिया जाता है सतीश कुमार ने कहा कि मानेसर में रखरखाव के नाम पर उद्योगों से लाखों रुपये का बजट लिया जाता। इस बजट को खर्च भी किया जाता है। लेकिन इसके परिणाम जमीनी स्तर पर नहीं दिखते।

गुलामों का बाजार बन गई है महाराष्ट्र की राजनीति: राज ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में चल रही खींचतान और मेयर पद को लेकर जारी सस्पेंस के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे ने बड़ा और तीखा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति अब गुलामों का बाजार बन गई है। यह टिप्पणी उन्होंने हालिया नगर निकाय चुनावों के बाद विभिन्न पदों को लेकर चल रही जोड़-तोड़ पर की, खासकर कल्याण-डोंबिवली के घटनाक्रम को लेकर। शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की जन्म शताब्दी के शुभारंभ कार्यक्रम में बोलते हुए राज ठाकरे ने कहा, 'जो कल्याण-डोंबिवली में हुआ, वह घिनौना है।'

उन्होंने आगे कहा, 'महाराष्ट्र की राजनीति गुलामों का बाजार बन चुकी है। कल्याण-डोंबिवली में जो हुआ, वह

बेहद घिनौना है। यह सब आखिर जा कहां रहा है?' उन्होंने मंच से अपना सोशल मीडिया (एक्स) पोस्ट भी पढ़ा और कहा, 'राजनीति में कभी-कभी लचीला होना पड़ता है।' उनकी यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है, जब दो दिन पहले उनकी पार्टी (एमएनएस) के पांच नगरसेवकों ने ठाणे जिले की कल्याण-डोंबिवली नगर निगम में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को समर्थन दिया था। इस कदम से राजनीतिक हलकों में राज ठाकरे द्वारा भाई उद्धव ठाकरे को धोखा देने संबंधी अटकलें तेज हो गईं और महापौर पद के चुनाव से पहले सहयोगी दलों की ओर से उनकी खूब आलोचना हुई।

- **20 साल बाद ठाकरे परिवार की सियासी नजदीकी-** गौरतलब है कि करीब दो दशक की दूरी के बाद राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे हाल ही में बीएमसी चुनाव में साथ आए थे। हालांकि वे चुनाव जीत नहीं पाए, लेकिन मराठी बहुल इलाकों में गठबंधन को जबरदस्त समर्थन मिला। दोनों दलों को कुल 71 सीटें मिलीं। हालांकि, उनमें एमएनएस को सिर्फ 6 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा।
- **कल्याण-डोंबिवली बना नया रणक्षेत्र-** अब सियासत का केंद्र कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) बन गया है, जहां एमएनएस ने उद्धव ठाकरे के कट्टर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी एकनाथ शिंदे की शिवसेना को समर्थन दे दिया है। यहां शिंदे गुट 62 के बहुमत आंकड़े को पार करने की कोशिश में है और अपने सहयोगी बीजेपी को किनारे रखने की रणनीति पर काम कर रहा है।

ठंड में अभी और बरसेंगे बदरा, 2-3 दिन बाद ही मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसम एक बार फिर करवट ले रहा है। आईएमडी के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके प्रभाव से 25 जनवरी को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश व हिमपात देखने को मिलेगा। 25 जनवरी को भी असर रहेगा मगर छिटपुट बर्फबारी/वर्षा होगी। हिमाचल-उत्तराखंड में अलग-थलग भारी वर्षा/हिमपात होगी। जम्मू-कश्मीर में भारी से बहुत भारी वर्षा संभव है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बरसात होगी। पंजाब-हरियाणा में

भारी वर्षा की चेतावनी है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी यूपी में ओलावृष्टि भी संभावित है।
27 जनवरी को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में फिर वर्षा/हिमपात हो सकता है। 28 जनवरी को छिटपुट बर्फबारी होगी। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल में भारी बरसात देखने को मिल सकती है। तमिलनाडु, पुदुच्चेरी में बिजली के साथ गरज-चमक वाली भारी वर्ष होगी। केरल में 26 जनवरी को आंधी की संभावना है। न्यूनतम तापमान में उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 24 घंटों में 3-5 डिग्री गिरावट होगी। इसके बाद स्थिरता और फिर वृद्धि होगी। मध्य भारत, महाराष्ट्र, गुजरात में भी 2-4 डिग्री की गिरावट के बाद वृद्धि संभावित है, बाकी इलाकों में कोई खास बदलाव नहीं होगा।
सुबह-रात में घने कोहरे की चेतावनी- पंजाब, हरियाणा में 24-26 जनवरी को सुबह-रात में घने कोहरे की चेतावनी है। हिमाचल, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी यह हाल रहेगा।

दिल्ली में साल की पहली बारिश

दिल्ली में शुक्रवार को साल की पहली बारिश हुई। पिछले 2 वर्षों में जनवरी महीने की सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई, जिससे तापमान में तेजी से गिरावट आई और प्रदूषण स्तर से कुछ समय के लिए राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, साल के पहले महीने में सबसे अधिक वर्षा 30 जनवरी 2023 को दर्ज की गई थी, जब शहर में 20.4 मिलीमीटर बारिश हुई थी। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए सुबह के समय आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम धुंध का पूर्वानुमान लगाया है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान क्रमशः 7 डिग्री सेल्सियस और 17.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। ताजा बारिश के कारण न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग ने गणतंत्र दिवस के लिए बारिश न होने का अनुमान लगाया है। बारिश से वायु प्रदूषण से अस्थायी राहत मिली।

गाजियाबाद के 2 फ्लैटों में चल रहा था न्यूड वीडियो कॉल रैकेट, गंदी हरकतें करतीं 7 लड़कियां पकड़ीं

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद की क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना पुलिस ने सेवियर स्ट्रीट मार्केट में दो फ्लैटों में चल रहे अश्लील वीडियो कॉल करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से गिरोह में शामिल एक युवक और सात महिलाओं को पकड़ा है। महिलाएं और युवतियां स्ट्रिप चैट नामक वेबसाइट पर न्यूड वीडियो कॉल कर अश्लील हरकतें कर रही थीं। पुलिस ने फ्लैटों से लैपटॉप, डेस्कटॉप, समेत अश्लील सामग्री भी बरामद की है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि पुलिस को फ्लैट में अश्लील वीडियो कॉल करने वाले गिरोह संचालित होने की सूचना मिली थी। टीम ने सेवियर स्ट्रीट मार्केट में फ्लैट नंबर 612 में छापा मारा।
पुलिस के छापे के वक्त अंग प्रदर्शन करती नजर आईं लड़कियां- पुलिस के छापे के दौरान वहां फ्लैट में महिला और युवतियां वीडियो कॉल पर अश्लील हरकतें और अंग प्रदर्शन करती नजर आईं। स्ट्रिप चैट नामक वेबसाइट पर दूसरी ओर से कुछ अन्य लोग जुड़े हुए थे। वहीं दूसरे फ्लैट 601 में भी अन्य महिला और युवती वीडियो कॉल कर रही थीं। पुलिस ने सभी को पकड़ लिया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संपादकीय

स्वच्छ ईंधन की चेतावनी, जलवायु संकट और गहराएगा

जीवाश्म ईंधन के अंधाधुंध इस्तेमाल से बढ़ते जलवायु संकट के बीच पूरी दुनिया में स्वच्छ ईंधन की जरूरत महसूस की जाने लगी है। मगर इस दिशा में प्रयास बहुत कम हो रहे हैं। स्वच्छ ईंधन और नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर योजनाएं तो बन रही हैं, लेकिन उनके क्रियान्वयन की गति बेहद धीमी है, जबकि जीवाश्म ईंधन पर अब भी ज्यादा जोर दिया जा रहा है। इससे स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंता तो है, लेकिन इससे निपटने के उपायों पर गंभीरता से काम नहीं हो पा रहा है। विश्व आर्थिक मंच की ओर से हाल में जारी एक रपट में भी इसका उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है कि स्वच्छ ईंधन से जुड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए वर्ष 2030 तक निवेश को चार गुना बढ़ा कर सालाना सौ अरब डालर करने की आवश्यकता है। जाहिर है कि अगर इस तरह की चेतावनियों और सुझावों को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो भविष्य में इसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। गौरतलब है कि दुनिया भर में इस समय स्वच्छ ईंधन पर सालाना करीब पच्चीस अरब डालर ही निवेश हो रहा है। दरअसल, स्वच्छ ईंधन को लेकर दावे तो बहुत किए जाते हैं, लेकिन इससे संबंधित योजनाओं की लागत अधिक होने से कई देश पीछे हट जाते हैं। वहीं सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन कर रहे विकसित देश खुद इसमें कटौती करने के बजाय छोटे और विकासशील देश पर नाहक दबाव बनाते रहे हैं। ऐसे में स्वच्छ ईंधन को साझा प्रयासों से प्रोत्साहित करने का वैश्विक लक्ष्य कहीं पीछे छूट जाता है। इसमें दोराय नहीं कि जलवायु संकट से निपटने की दिशा में स्वच्छ ईंधन अहम भूमिका निभा सकता है। इसके इस्तेमाल से उद्योगों और परिवहन क्षेत्र में बढ़ते उत्सर्जन को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है। लिहाजा स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल के लक्ष्य को जमीन पर उतारने के लिए न केवल भरोसेमंद और निवेश-योग्य परियोजनाएं बनानी होंगी, बल्कि उन्हें सख्ती से लागू भी करना होगा। जीवाश्म ईंधन के निरंतर इस्तेमाल से पूरी दुनिया में वायु प्रदूषण की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। इस संकट से बचने के लिए स्वच्छ ईंधन और नवीकरणीय ऊर्जा ही बेहतर विकल्प है।

पिटाई, भूख और खामोशी,घटना ने खड़े किए कई सवाल

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में एक बच्ची को घरेलू सहायिका बनाकर रखने तथा उसके साथ मारपीट एवं क्रूरतापूर्ण व्यवहार करने की घटना न केवल मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली है, बल्कि यह समाज में कुछ लोगों की कुंठित और विकृत मानसिकता को भी उजागर करती है। हैरत की बात है कि यह सब सुरक्षा का जिम्मा संभाले सीआरपीएफ यानी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के रिहाइशी परिसर में हुआ। आरोपी इसी बल का कर्मी है और पुलिस ने उसे और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है।कहा जा रहा है कि आरोपी ने घरेलू काम के लिए इस बच्ची को अपने आवास पर रखने की आधिकारिक अनुमति नहीं ली थी। ऐसे में सवाल है कि इस मामले में कार्रवाई करने में इतनी देरी क्यों हुई? क्या आसपास रहने वाले दूसरे कर्मियों को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उनका कोई सहयोगी एक बच्ची से घर का काम करवाता है और उसके साथ मारपीट करता है?गौरतलब है कि ग्रेटर नोएडा के सीआरपीएफ परिसर में इस घटना का पता तब चला, जब आरोपी जवान ने अपने आवास पर काम के लिए रखी दस वर्ष की बच्ची को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सीय जांच में बच्ची के शरीर पर कई जख्म पाए गए और उसमें खून की मात्रा भी बहुत कम पाई गई। पूछताछ में पता चला कि आरोपी और उसकी पत्नी इस बच्ची से अक्सर मारपीट करते थे और कई बार भोजन भी नहीं देते थे। यह जानते हुए कि बाल श्रम कराना अपराध है, इसके बावजूद एक बच्ची को घर पर काम के लिए रखना और उसके साथ मारपीट करना, यह किस तरह की मानसिकता को दर्शाता है। क्या कुछ लोगों के भीतर कानून का खौफ इस कदर खत्म हो गया है? हालांकि सीआरपीएफ ने विभागीय कार्रवाई के तहत आरोपी जवान को निलंबित कर दिया है, लेकिन पीड़ित बच्ची ने जो यातना झेली है, उसकी भरपाई कैसे संभव हो पाएगी।

अलबत्ता, मोहन भागवत जैसे नेताओं के बयान सकारात्मक हैं, लेकिन व्यावहारिक बदलाव सीमित दिखते हैं क्योंकि जाति राजनीति में गहरी पैठ रखती है। भले ही भागवत के समग्र मूल्यांकन प्रयासों से जनजागरूकता बढ़ी, लेकिन जाति राजनीति और सामाजिक जड़ों को तोड़ने में ये पहल अपर्याप्त साबित हुए। ऐसा इसलिए कि गहरे बदलाव के लिए राजनीतिक समर्थन और कानूनी सख्ती की स्पष्ट कमी रही।

क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत?

(कमलेश पांडेय)

संघ प्रमुख मोहन भागवत के 10-12 वर्षों में जातिवाद खत्म करने के बयान के बीच, यह विश्लेषण पड़ताल करता है कि क्या आरएसएस के 'सामाजिक समरसता' प्रयास केवल हिंदू एकता के लिए एक राजनीतिक उपकरण हैं। लेख जातिवाद की गहरी सामाजिक-राजनीतिक जड़ों और आरक्षण जैसे मुद्दों को देखते हुए भागवत के प्रयासों की व्यावहारिकता और मंशा पर सवाल उठाता है। प्राचीनकाल में मनुस्मृति से लेकर आधुनिक काल के संविधान तक हिंदू समुदाय में जिस जातिवाद को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में बढ़ावा दिया गया, वह अब दुनिया के तीसरे बड़े धर्म सनातन (हिन्दू) के लिए अभिशाप साबित हो रहा है। जिस तरह से सियासी गोलबंदी के लिए जातिवाद को हवा दी जा रही है, वह किसी लोकतांत्रिक कलंक से कम नहीं है। अब तो प्रशासनिक और न्यायिक निर्णय भी इसे हवा देते प्रतीत हो रहे हैं। मसलन, इससे निरंतर कमजोर हो रहे हिन्दू समाज की एकजुटता के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की चिंता स्वाभाविक है। यह उन जैसे सैकड़ों मशहूर लोगों के लिए भी सार्वजनिक चिंता का विषय रहा है। लेकिन हमारी संसद और सरकार के लिए यह कोई मुद्दा नहीं है क्योंकि जातिवादी खिलौने से मतदाताओं को फुसलाने के संवैधानिक तरकीब उसने विकसित कर लिए हैं और आधिकारिक निर्णयों में भी इसका भौंडा प्रदर्शन दिखाई दे जाता है। बता दें कि विगत 18 जनवरी 2026 को छत्रपति संभाजीनगर में संघ सरचालक मोहन भागवत ने कहा कि जातिगत भेदभाव समाप्त करने के लिए जाति को मन से मिटाना होगा, जो ईमानदारी से करने पर 10-12 वर्षों में संभव है। एक तरह से उनका यह बयान जातिवाद की गहरी जड़ों को देखते हुए आशावादी तो लगता है, लेकिन इसकी व्यवहारिकता पर सवाल उठते हैं क्योंकि जाति भारत की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संरचना में गहराई से बसी हुई है। अब तो संविधान से लेकर जनगणना तक इसने घुसपैठ कर ली है। इसलिए जब तक सत्ता प्रतिष्ठान को सद्बुद्धि नहीं आएगी, तबतक जाति मुक्त भारत या हिन्दू समाज की परिकल्पना बेमानी प्रतीत होती है। इसलिए यक्ष प्रश्न पुनः समुपस्थित है कि क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत? क्या जाति आधारित आरक्षण सम्बन्धी सोच को बदल पाएंगे मोहन भागवत? क्योंकि जबतक ऐसा नहीं होगा, उनकी तमाम कोशिशें नाकाफी प्रतीत होंगी! फ़िलवक्त मोहन भागवत ने बताया कि जाति मूल रूप से पेशे से जुड़ी थी, लेकिन बाद में भेदभाव का कारण बनी। उन्होंने जोर दिया कि कानून या घोषणाओं से नहीं, बल्कि मानसिकता बदलने से यह जटिल समस्या हल होगी। देखा जाए तो यह युगांतरकारी विचार पहले भी व्यक्त किया गया है, जैसे 2023 में जाति को 'पंडितों की देन' उन्होंने ही बताया था, लेकिन नेताओं और नौकरशाहों की संवैधानिक हठधर्मिता शायद उन्होंने विस्मृत कर डाली, ताकि आरक्षणवादी कोहराम न मचाएं। कहना न होगा कि जातिवाद मुक्त भारत और हिन्दू समाज की राह में कई व्यवहारिक चुनौतियाँ भी हैं क्योंकि जातिवाद ग्रामीण रोजगार, विवाह और राजनीति में प्रबल है, जहां आरक्षण और वोट बैंक इसे बनाए रखते हैं। भले ही प्रतिक्रियाओं में इसे 'चुनावी जुमला' कहा गया, क्योंकि ऐसे बयान कार्रवाई में नहीं बदलते। यही वजह है कि सामाजिक सुधारों के बावजूद, अंतरजातीय विवाह कम हैं और भेदभाव जारी है। यह ठीक है कि इस दिशा में जारी ईमानदार प्रयास से जागरूकता बढ़ सकती है, लेकिन राजनीतिक इच्छशक्ति और कानूनी सख्ती के बिना 10-12 वर्षों का लक्ष्य अवास्तविक लगता है। फिर भी यदि यह पुनीत सपना साकार होता है तो इससे नागरिक समाज, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण में सहायता मिल सकती है। वहीं नागरिक समाज, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण से ही यह पवित्र सपना साकार होगा। देखा जाए तो आरएसएस ने जातिवाद समाप्ति के लिए लंबे समय से सामाजिक समरसता व सामाजिक सद्भाव को प्रमुख लक्ष्य बनाया है, जिसमें जागरूकता अभियान, गांव-स्तरीय प्रयास और शाखाओं के माध्यम से कार्यकर्ताओं को प्रेरित करना शामिल है। हालांकि, आलोचक इसे सतही मानते हैं क्योंकि संगठन की आंतरिक संरचना और ऐतिहासिक रुख में जातिगत प्रभाव दिखता रहा है। बावजूद इसके, आरएसएस ने 2023 से 'सामाजिक समरसता परियोजना' शुरू की, जिसमें 13,000+ गांवों में कुओं, श्मशानों और मंदिरों में दलित प्रवेश पर रोक हटाने का सर्वे और जागरूकता अभियान चलाया। वहीं संघ शाखाओं (95,000+) के जरिए कार्यकर्ता गांवों, स्कूलों और मंदिरों में जाकर छुआछूत विरोधी संदेश फैलाते हैं, साथ में सामूहिक भोज के द्वारा भोजन करते हैं और सामूहिक विवाह को बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि बिहार, हरियाणा, उड़ीसा, महाराष्ट्र जैसे चुनावों में हिंदू वोटों को जाति से ऊपर उठाने में संघ की उपर्युक्त पहल सहायक साबित हुई, जिससे भाजपा को प्रत्यक्ष लाभ हुआ। साथ ही शाखाओं में जाति-निरपेक्षता का वातावरण स्थापित हुआ। यही नहीं, संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठकों में भी इसे प्राथमिकता दी गई, जैसे 2024 के आम चुनावों तक इस विषयक अभियान चलाने का फैसला संपन्न हुआ। वहीं, संगठन के भीतर जारी आंतरिक प्रयास के तहत संघ की शाखाओं में जाति को नजरअंदाज कर 'सभी हिंदू एक परिवार' का सिद्धांत अपनाया जाता है, जिसकी शुरुआत संस्थापक हेडगेवार ने की थी। वहीं, संवैधानिक आरक्षण पर भी समर्थन जताया गया है, ताकि दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों आदि का भरोसा आरएसएस में मजबूत हो। हालांकि हालिया बयानों में इसे जातिवाद बढ़ाने वाला भी कहा गया। साथ ही साल 2024 में जाति जनगणना का संघ ने समर्थन किया गया ताकि योजनाएं बेहतर हों, बशर्ते राजनीतिक दुरुपयोग न हो। कहना न होगा कि आरएसएस के इन सदाशयी प्रयासों के बावजूद, उस पर ब्राह्मण वर्चस्व और आरक्षण विरोध के पुराने आरोप लगते रहे हैं। आरएसएस के जातिवाद विरोधी प्रयासों पर कई गंभीर आलोचनाएं भी आई हैं, जो मुख्य रूप से इनके प्रचारात्मक, असंगठित और हिंदू एकता को प्राथमिकता देने वाले स्वरूप पर केंद्रित हैं। जिसके चलते आलोचक इन्हें सतही बताते हैं क्योंकि संगठन ने जाति व्यवस्था को जड़ से चुनौती नहीं दी। अक्सर सवाल उठाया जाता है कि विगत 100 वर्षों में कोई प्रमुख दलित या आदिवासी संघ सरसंघचालक नहीं बना, जिससे आंतरिक ब्राह्मण वर्चस्व के आरोप बने हुए हैं। वहीं, आरक्षण पर अस्पष्ट रुख और जाति जनगणना को राजनीतिक दुरुपयोग रोकने की शर्त रखना आलोचना का कारण बना। वहीं छुआछूत जैसी प्रथाएं ग्रामीण भारत में बनी हुई हैं।

चीन में जन्मदर सबसे निचले स्तर पर, बूढ़ा होता ड्रैगन भारत के लिए मौका

(नीरज कुमार दुबे)

सरकारी आंकड़ों के अनुसार चीन की कुल आबादी लगातार चौथे वर्ष घटी है। बीते वर्ष देश में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या पिछले कई दशकों में सबसे कम रही। जन्म दर इतनी नीचे आ चुकी है कि वह आबादी को स्थिर रखने के लिए जरूरी स्तर से काफी कम है। दुनिया को चौंकाने वाली खबरें अक्सर युद्ध या अर्थव्यवस्था से आती हैं, लेकिन इस समय चीन के लिए सबसे बड़ी चुनौती किसी सीमा पर नहीं बल्कि उसके घरों के भीतर जन्म ले रही है। चीन की जनसंख्या लगातार घट रही है और यह गिरावट अब अस्थायी नहीं बल्कि स्थायी रुझान बन चुकी है। हालात यह हैं कि सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद चीन में बच्चे पैदा करने की इच्छा तेजी से खत्म होती जा रही है और जन्म दर ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार चीन की कुल आबादी लगातार चौथे वर्ष घटी है। बीते वर्ष देश में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या पिछले कई दशकों में सबसे कम रही। जन्म दर इतनी नीचे आ चुकी है कि वह आबादी को स्थिर रखने के लिए जरूरी स्तर से काफी कम है। इसके उलट बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है जिससे चीन एक युवा देश से तेजी से बूढ़े देश में बदलता जा रहा है। चीन ने इस संकट से निपटने के लिए नीतिगत स्तर पर कई बड़े फैसले किए। पहले एक बच्चा नीति को खत्म किया गया फिर दो बच्चों और बाद में तीन बच्चों की अनुमति दी गई। इसके साथ ही सरकार ने बच्चों के पालन पोषण के लिए सब्सिडी, टैक्स छूट और सामाजिक सुविधाओं की घोषणा भी की। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि युवा दंपती इन प्रलोभनों से प्रभावित नहीं हो रहे। महंगे घर, शिक्षा की ऊंची लागत, नौकरी की असुरक्षा और काम का बढ़ता दबाव युवाओं को शादी और बच्चे से दूर कर रहा है। शहरों में रहने वाले युवाओं के लिए एक बच्चे को पालना ही आर्थिक बोझ बन गया है, ऐसे में दूसरा या तीसरा बच्चा उनके लिए कल्पना से बाहर है। इसी पृष्ठभूमि में चीन सरकार ने कंडोम और गर्भनिरोधक उत्पादों पर टैक्स लगाने का फैसला किया। इसका उद्देश्य अप्रत्यक्ष रूप से जन्म दर बढ़ाना बताया गया। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम वास्तविक समस्या को छूता भी नहीं है। बच्चे न होने की वजह कंडोम नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक दबाव हैं। यह फैसला दरअसल चीन की सरकार की हताशा को दिखाता है कि वह जन्म दर बढ़ाने के लिए प्रतीकात्मक उपायों तक सिमटती जा रही है। जब तक जीवन की गुणवत्ता और भविष्य की सुरक्षा का भरोसा नहीं मिलेगा तब तक युवा परिवार बच्चे पैदा करने का जोखिम नहीं उठाएंगे। देखा जाये तो घटती जनसंख्या का सबसे बड़ा असर चीन की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। कामकाजी उम्र की आबादी कम होने से श्रम शक्ति घटेगी और उत्पादन लागत बढ़ेगी। इससे चीन की तेज विकास दर पर ब्रेक लग सकता है। साथ ही बुजुर्गों की बढ़ती संख्या पेंशन और स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव डालेगी।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5984

8		3		1	6			
	9	1					6	
2	6	4						
			4	6			7	2
	7			3			5	
4	3			5	2			
						1	8	5
	8					7	4	
			1	7		2		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5983

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

आज का राशिफल

मेष

आज आपको राजनीतिक क्षेत्र में सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति उदासीन न रहें। वाणी पर संयम रखें। जीविका के क्षेत्र में चल रहे प्रयास फलीभूत होंगे। काम की अधिकता के चलते पारिवारिक उपेक्षा न करें। किसी भी विवाद में उलझना ठीक नहीं। विरोधी परास्त होंगे।

वृष

आज का दिन अशुभ योग से मन में तनाव, दुख, चिंता और मानसिक अशांति हो सकती है। इसके बाद भी आपका दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शारीरिक व मानसिक क्लेश मिल सकता है। परीक्षा की दिशा में किया गया श्रम सार्थक होगा। विरोधी परास्त होंगे।

मिथुन

आज आपके पराक्रम की वृद्धि कर रहा है। धन ऐश्वर्य वृद्धि से शत्रु ईर्ष्या करेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। रुका हुआ कार्य संपन्न होगा। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

कर्क

आज किसी आंतरिक विरोध या टकराव को जन्म दे सकता है। इस दौरान व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। विरोधी परास्त होंगे।

सिंह

आज का दिन अभीष्ट सिद्धि कारक है। ऐसे में उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या

आज आप कुछ विशेष कर दिखाने की उधेड़बुन में रहेंगे। आर्थिक दिशा में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम बरतें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

तुला

आज आपके पुरुषार्थ और पराक्रम की वृद्धि करेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। खान-पान पर संयम रखें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। झगड़ा विवाद से बचें।

वृश्चिक

आज पुराने रोग ऋण से छुटकारा दिलाएगा। व्यावसायिक दिशा में सफलता मिलेगी। खान-पान में संयम रखें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। रोजी रोजगार में सफलता मिलेगी।

मकर

आज पुराने झगड़े झंझटों से मुक्ति मिलेगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके स्वभाव व वर्चस्व में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा। मैत्री संबंध मधुर होंगे।

कुंभ

आज का दिन विवेकपूर्ण कार्य संपादन, रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिल सकता है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु

आज गुप्त शत्रु, ईर्ष्यालु साथियों से सावधान रहें। आर्थिक दिशा में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम बरतें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन

आज राजनीतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कुंभ का चन्द्रमा निकट व दूर की लाभकारी यात्रा का प्रसंग प्रबल करेगा।

वर्ग पहेली 5984

1	2	3	4	■	5	6	7
8				■	9		
10			■	11		■	
■		■	12				■
13		14		■		■	15
	■	16		■	17	18	
19	20	■	■	■	21		■
22				■	23		

संकेत: बाएं से दाएं
1. मुगल सम्राट जहांगीर की पत्नी का जन्मदिन 31 मई 1577 है जिनका मूल नाम मेहरून्निसा था (4)
5. पुराणानुसार अयोध्या नगरी को यह भी कहते थे, यह मिथिली शरणगुप्त रचित महाकाव्य है जिसका प्रथम प्रकशान 1931 में हुआ था (3)
8. उपद्रव, उत्पात, हलचल (4)
9. बालचद्र, नवचंद, नया चांद (4)
10. नमस्कार, प्रणाम (3)
11. स्वर, देवताओं की स्थिति या अवस्था, देवगति, आवाज (2)
12. पंजाब की पांच नदियों में से एक जिस पर भाखड़ा नांगल बांध बंधे है (4)
13. घपला, ऋषिकेश मुखर्जी के निर्देशन में अमोल पालेकर, बिंदिया गोस्वामी, उत्पल दत्त की एक स्वस्थ हास्स फिल्म (4)
16. क्षमा किया हुआ (2)
17. यज्ञ करने या कराने वाला (3)
19. गर्व, घमंड, फख्र (2)
21. आर्द्रता, गीलापन (2)
22. वे प्राणी जो पृथ्वी पर विचरित होते हो
23. बहादुरी, पराक्रमी (3)

ऊपर से नीचे
1. नया (3)
2. दयालु, कृपालु (3)
3. ग्रीष्म अनुभूति, झुलस, चरपरापन (3)
4. खदेड़, खेदा, हंकरावा, पशुपालक (2)
5. पुरानी फिल्मों के गीतकार (8)
6. भगवान के भोग के निमित्त जाने वाले फलों में प्रमुख फल, कदली (2)
7. इच्छा, मांगना, ख्वाहिश (3)
11. पुत्र, बेटा (2)
12. पूर्वज, बहुत पुराने लोग (3)
13. गोपियों के स्वामी होने के कारण भगवान श्रीकृष्ण का एक नाम यह भी है (4)
14. माता का भाई, मातुल (2)
15. टेढ़ापन, वक्रता (2)
18. अंतरात्मा, अंतकरण, कानशंस (3)
20. वारि, आब, पंचतत्वों में से एक (2)

वर्ग पहेली 5983 का हल

गो	वा	■	■	बां	ग्ला	दे	श
व	र	ना	■	सु	■	हा	ल
र्ध	■	म	दा	री	■	त	ज
न	मा	ज	■	■	अ	■	म
■	म	द	र	इं	डि	या	■
बा	ला	■	ला	■	ग	या	ना
ब	■	सी	क	र	■	व	ह
र	■	ना	र	■	का	र	क

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : soneversha vani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

सनराइजर्स ईस्टर्न केप चौथी बार एसए20 के फाइनल में

आज प्रिटोरिया कैपिटल्स से होगा खिताबी मुकाबला

केपटाउन (एजेंसी)। क्वालिफायर-2 में पार्ल रॉयल्स को 7 विकेट से हराया, अब प्रिटोरिया कैपिटल्स से होगा खिताबी मुकाबला सनराइजर्स ईस्टर्न केप (एसईसी) ने साउथ अफ्रीका टी-20 लीग (एस20) के फाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को खेले गए क्वालिफायर-2 के मुकाबले में सनराइजर्स ने पार्ल रॉयल्स को 7 विकेट से शिकस्त दी। सनराइजर्स की टीम 2023 में लीग की शुरुआत से अब तक लगातार चार सीजन में चौथी बार फाइनल में पहुंची है। अब रविवार को केप टाउन में होने वाले खिताबी मुकाबले में सनराइजर्स का सामना प्रिटोरिया कैपिटल्स से होगा। क्वालिफायर-1 में प्रिटोरिया ने ही सनराइजर्स को हराया था।

पार्ल रॉयल्स 114 रन ही बना सकी - पॉल रॉयल्स की टीम वांडरर्स की सूखी पिच पर 114 रन ही बना सकी। सनराइजर्स के स्पिनर्स ने पार्ल रॉयल्स के बल्लेबाजों को टिकने का मौका नहीं दिया। पिच पर काफी टर्न और असमान उछाल था, जिसका फायदा उठाते हुए लेफ्ट आर्म स्पिनर सेनुरन मुथुसामी ने 4 ओवर में मात्र 15 रन देकर 3 विकेट झटके। वहीं, जेम्स कोल्स ने भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 15 रन देकर 1 विकेट लिया, जिसमें एक मेडन ओवर भी शामिल था। पार्ल रॉयल्स के कप्तान डेविड मिलर चोट की वजह से इस मैच में नहीं खेल सके थे।

काइल वेरेन नाबाद 52 रन बनाए

काइल वेरेन नेअकेले दम पर पॉल रॉयल्स का स्कोर 100 के पार पहुंचाया। पार्ल रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था, लेकिन उनकी शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पावरप्ले में ही अपने टॉप ऑर्डर के विकेट गंवा दिए। विकेटकीपर-बल्लेबाज काइल वेरेन ने एक छोर संभाले रखा और 46 गेंदों पर नाबाद 52 रनों की पारी खेली। वेरेन ने अपनी पारी में स्पिनर्स के खिलाफ संभलकर खेला और तेज गेंदबाजों पर रन बटोरे। उनकी इसी मेहनत की बदौलत टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 114 रन तक पहुंच पाई।

जेम्स कोल्स का ऑलराउंड खेल

गेंदबाजी में किफायती रहने वाले जेम्स कोल्स ने बल्लेबाजी में भी अपना दम दिखाया। उन्होंने मात्र 19 गेंदों पर 45 रनों की नाबाद पारी खेलकर मैच को एकतरफा कर दिया। कोल्स ने पार्ट-टाइम गेंदबाजों के खिलाफ जमकर रन बनाए और 12वें ओवर में ही छक्का मारकर अपनी टीम को जीत दिला दी। सनराइजर्स ने यह लक्ष्य 50 गेंदें शेष रहते ही हासिल कर लिया।

टी-20 वर्ल्डकप में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड खेलेगा

बोर्ड ने डेडलाइन तक जवाब नहीं दिया; आईसीसी ने स्कॉटिश बोर्ड से बात की

दुबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर बांग्लादेश की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं और अब उसका टूर्नामेंट से बाहर होना लगभग तय माना जा रहा है। आईसीसी कुछ देर में इसका अधिकृत ऐलान कर सकता है। उसने स्कॉटलैंड क्रिकेट बोर्ड से बात की है और वर्ल्ड कप खेलने के लिए तैयार रहने को कहा है। भारत में मैच खेलने के आईसीसी के फैसले के खिलाफ बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने डिस्प्यूट रिजोल्यूशन कमेटी (डीआरसी) में जो अपील की थी, उस पर सुनवाई की गुंजाइश नहीं है, क्योंकि यह मामला समिति के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। मीडिया सूत्रों के अनुसार बीसीबी ने सभी कानूनी विकल्प आजमाने के इरादे से यह अपील दायर की थी, लेकिन नियमों के चलते उसे कोई राहत नहीं मिलने वाली।बोर्ड का कहना है कि यदि यहां से भी मामला खारिज होता है, तो आखिरी रास्ता कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) ही बचेगा। उधर, आईसीसी की ओर से दी गई 24 घंटे की समय-सीमा के भीतर बांग्लादेश की तरफ से कोई आधिकारिक जवाब नहीं आया, जिससे स्थिति और साफ हो गई।

हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं

बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने गुरुवार को नेशनल टीम के खिलाड़ियों के साथ ढाका में बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा, हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत में हमारे खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा को लेकर चिंता अब भी बनी हुई है।

रेप केस में क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक

- **हाईकोर्ट ने आरसीबी के बॉलर को 30 जनवरी तक थाने में पेश होने को कहा**

जयपुर (एजेंसी)। रेप के आरोपी आईपीएल चैंपियन आरसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल की गिरफ्तारी पर राजस्थान हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। जस्टिस गणेशराम मीणा की अदालत ने शुक्रवार को क्रिकेटर की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि 30 जनवरी तक जयपुर के सांगानेर थाने में जांच अधिकारी के सामने पेश हों।

केस डायरी के साथ जांच अधिकारी कोर्ट में रहे मौजूद - यश के वकील चंद्रशेखर शर्मा ने बताया- पिछली सुनवाई में कोर्ट ने केस डायरी के साथ जांच अधिकारी (आईओए) को बुलाया था। जांच अधिकारी कोर्ट में मौजूद थे। कोर्ट में बताया कि मामले में दो साल की देरी से एफआईआर दर्ज करवाई गई है। हम जांच में सहयोग करने के लिए तैयार हैं। इस पर कोर्ट ने गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी।

बता दें कि पास्को कोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद यश दयाल ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है।

नाओमी ओसाका ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर, नाम वापस लिया

बोलीं- शरीर को ध्यान देने की जरूरत; सिनर, कीज और अनिसिमोवा जीते

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियन ओपन की दो बार की चैंपियन नाओमी ओसाका ने तीसरे राउंड से पहले टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। वह शनिवार को ऑस्ट्रेलिया की क्वालिफायर मैडिसन इंग्लिस के खिलाफ खेलने वाली थीं। ओसाका ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी, लेकिन चोट के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। इंस्टाग्राम पोस्ट में ओसाका ने लिखा कि पिछले मैच के बाद उनके शरीर को ध्यान देने की जरूरत है, इसलिए उन्हें हटने का फैसला लेना पड़ा। उन्होंने कहा, मैं आगे खेलना चाहती थी और यह रन मेरे लिए बहुत मायने रखता था। यहां रुकना दिल तोड़ने वाला है, लेकिन कोर्ट पर लौटने के लिए मैं किसी और नुकसान का जोखिम नहीं ले सकती।

सिनर का लगातार 25 सेट जीतने का रिकॉर्ड टूटा - मेलबर्न में चल रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन में दूसरे सीड और इटली के स्टार खिलाड़ी यानिक सिनर ने वर्ल्ड रैंकिंग में 85वें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी इलियट स्पिजरी को तीन सेट के खेल में हराया। यहां अमेरिकी खिलाड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए सिनर को पहले सेट में 6-4 से हरा दिया। सिनर ने लगातार 25 सेट जीतने का रिकॉर्ड बनाया था। फिर सिनर ने

वापसी करते हुए अगले तीन सेट 6-3, 6-4, 6-4 से जीत हासिल की।

डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज की आसान जीत - महिला सिंगल्स में डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज का शानदार फॉर्म जारी है। उन्होंने चेक रिपब्लिक की कैरोलिना प्लिस्कोवा को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हरा दिया। कीज ने अपनी दमदार सर्विस और बेसलाइन गेम के दम पर यह मुकाबला महज दो सेटों में खत्म कर दिया। अब चौथे दौर में उनका मुकाबला अपनी ही हमवतन और दोस्त जेसिका पेगुला से होगा।

- **दोस्त और पॉडकास्ट पार्टनर के बीच होगा मुकाबला** - मैडिसन कीज और छठी सीड जेसिका पेगुला कोर्ट के बाहर काफी अच्छे दोस्त हैं। दोनों मिलकर एक टेनिस पॉडकास्ट भी चलाते हैं। कीज ने जीत के बाद मजाकिया अंदाज में कहा कि मैच से पहले उन्हें एक पॉडकास्ट रिकॉर्ड करना है, लेकिन कोर्ट पर यह दोस्ती किनारे रहेगी। गर्मी पर बात करते हुए फ्लोरिडा की रहने वाली कीज ने कहा कि उन्हें इस तापमान में खेलने में कोई दिक्कत नहीं है।
- **अमांडा अनिसिमोवा भी अंतिम-16 में पहुंचीं** - एक अन्य मुकाबले में चौथी सीड अमांडा अनिसिमोवा ने हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-1, 6-4 से मात दी। इस जीत के साथ ही अंतिम-16 में चार अमेरिकी महिलाओं ने जगह बना ली है,जो अमेरिकी टेनिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अनिसिमोवा ने पूरे मैच के दौरान अपना दबदबा बनाए रखा और खिताब के लिए अपनी दावेदारी मजबूत की।

एसए20: प्रिटोरिया कैपिटल्स और सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बीच होगा फाइनल

केपटाउन, एजेंसी। साउथ अफ्रीका टी20 लीग का फाइनल मुकाबला 25 जनवरी को केपटाउन के न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में प्रिटोरिया कैपिटल्स और सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बीच खेला जाएगा। सनराइजर्स ईस्टर्न केप अपने तीसरे खिताब की तलाश में है, जबकि प्रिटोरिया को अपने पहले खिताब की तलाश है। प्रिटोरिया कैपिटल्स ने पहले क्वालिफायर में सनराइजर्स ईस्टर्न केप को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी, जबकि सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने शुक्रवार को हुए मुकाबले में पार्ल रॉयल्स को हराकर फाइनल में जगह बनाई। प्रिटोरिया और ईस्टर्न केप दोनों ही टीमों का सीजन में शानदार प्रदर्शन रहा है। दोनों टीमों ने लीग स्टेज के 10 मैचों में 5-5 मैच जीते। अंकतालिका में सनराइजर्स पहले और प्रिटोरिया दूसरे स्थान पर रही है। फाइनल में दोनों टीमों के बीच रोमांचक टक्कर देखने को मिल सकती है। दोनों ही टीमें दूसरी बार फाइनल में आमने-सामने होंगी। लीग के पहले सीजन के फाइनल में दोनों टीमें आमने-सामने हुई थीं, जिसमें सनराइजर्स विजेता बनी थी।

साउथ अफ्रीका टी20 लीग का चौथा सीजन खेला जा रहा है। पिछले तीन सीजन की सबसे सफल टीम सनराइजर्स ईस्टर्न केप रही है। टीम तीनों बार फाइनल में पहुंची है और दो बार विजेता रही है। 2023 सीजन के फाइनल में सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने प्रिटोरिया कैपिटल्स को 4 विकेट से हराकर खिताब जीता था। 2024 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने डरबन सुपर जायंट्स को 89 रन से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब जीता। 2025 के फाइनल में सनराइजर्स ईस्टर्न कैप को एमआई केपटाउन से हार का सामना करना पड़ा था। पहली बार फाइनल में पहुंची एमआई केपटाउन ने सनराइजर्स को 76 रन से हराकर अपना पहला खिताब जीता था।

2026 में सनराइजर्स लगातार अपने चौथे फाइनल में पहुंची है। वहीं प्रिटोरिया दूसरी बार फाइनल में पहुंची है। देखना होगा कि सनराइजर्स अपना तीसरा खिताब जीतने में सफल रहती है या सौरव गांगुली की कोचिंग वाली प्रिटोरिया कैपिटल्स पहली बार खिताब जीतेगी। फाइनल मुकाबला 25 जनवरी को शाम 7 बजे से खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी गई है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई है। ऑस्ट्रेलिया के साथ एकमात्र टेस्ट पर्थ में 6 से 9 मार्च, 2026 तक खेला जाएगा। प्रतीक रावल, जो चोट लगने से पहले भारत के वर्ल्ड कप जीतने वाले कैंपेन का हिस्सा थीं, उन्हें भी टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। विकेटकीपर जी कमलिनी ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गई हैं और चयनकर्ताओं ने उनकी जगह उमा छेत्री को भारत की टी20 और वनडे टीम में शामिल किया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीमों के बीच अब तक 11 टेस्ट मैच खेले गए हैं। भारतीय टीम को एक मैच जीतने में सफलता मिली है।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः

मुसेट्टी और अनिसिमोवा ने शानदार जीत के साथ चौथे राउंड में बनाई जगह

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियन ओपन में सातवें दिन अमांडा अनिसिमोवा और लोरेंजो मुसेट्टी ने अपने-अपने तीसरे राउंड के मैच जीतकर चौथे राउंड में प्रवेश किया। महिला वर्ग में अमेरिकी स्टार अमांडा अनिसिमोवा ने मार्गरेट कोर्ट एरिना में अपनी हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-1, 6-4 से हराकर लगातार दूसरे साल राउंड ऑफ 16 में जगह पक्की की। मुकाबला एक घंटे 11 मिनट तक चला। अनिसिमोवा ने मैच की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। शुरुआती गेम में ब्रेक पॉइंट बचाने के बाद उन्होंने स्टर्न्स की सर्विस दो बार तोड़ी और पहले सेट में 5-1 की बढ़त बना ली। पहला सेट उन्होंने बिना किसी परेशानी के अपने

नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी अनिसिमोवा का दबदबा बना रहा और वह 5-2 से आगे थीं। हालांकि, स्टर्न्स ने अंत में संघर्ष दिखाया और एक मैच पॉइंट बचाते हुए ब्रेक बैक कर स्कोर 5-4 कर दिया। इसके बावजूद अनिसिमोवा ने संयम बनाए रखा और तीसरे मैच पॉइंट पर शानदार फोरहैंड विनर लगाकर मुकाबला जीत लिया। भले ही उन्होंने ज्यादा अनफोर्स्ड एरर किए, लेकिन उनकी आक्रामकता निर्णायक साबित हुई। अब उनका सामना अगले दौर में लिंडा नोस्कोवा या वांग शिन्यु से होगा। पुरुष वर्ग में इटली के लोरेंजो मुसेट्टी ने जॉन केन एरिना में खेले गए पांच सेट के थ्रिलर में टॉमस माचैक को 2-6, 6-4, 6-2, 5-7, 6-2 से हराया। चार घंटे 27 मिनट तक चले इस मुकाबले में मुसेट्टी ने जबरदस्त धैर्य और फिटनेस का परिचय दिया। शुरुआती सेट गंवाने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और तीसरे सेट में बढ़त बना ली। हालांकि चौथे सेट में माचैक ने मैच बराबर कर दिया, लेकिन निर्णायक पांचवें सेट में मुसेट्टी ने दमदार सर्विस और तेज फोरहैंड विनर्स के दम पर जीत सुनिश्चित की।

15 महीने बाद सूर्यकुमार यादव का धमाकेदार अर्धशतक, न्यूजीलैंड के खिलाफ रायपुर में मचाया तहलका

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जा रही 5 मैचों की टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 जनवरी को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए लंबे समय बाद अर्धशतक जड़ा। करीब 15 महीने के लंबे इंतजार के बाद सूर्या के बल्ले से अर्धशतक निकला, जो वर्ल्ड कप 2026 से पहले

भारतीय टीम के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर मानी जा रही है।

15 महीने बाद टूटा अर्धशतक का सूखा - सूर्यकुमार यादव ने भारत के लिए आखिरी टी-20 अर्धशतक 12 अक्टूबर 2024 को बांग्लादेश के खिलाफ बनाया था। उस मुकाबले में उन्होंने 75 रन की शानदार पारी खेली थी। इसके बाद सूर्या कई मैचों में अच्छी शुरुआत तो कर रहे थे, लेकिन बार-बार अर्धशतक से चूक जा रहे थे।

नाबालिग शूटर यौन शोषण केस

कोच अंकुश भारद्वाज की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

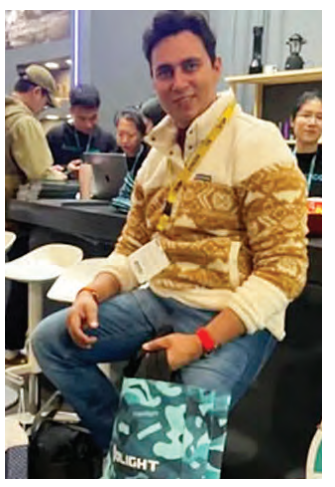

नई दिल्ली, एजेंसी। फरीदाबाद अदालत ने नाबालिग शूटर के यौन शोषण केस में फरार शूटिंग कोच अंकुश भारद्वाज की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोच पर पॉस्को के तहत मामला दर्ज है और एनआरएआई ने उसे निलंबित किया है। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें बनाई हैं, लेकिन वह अब तक फरार है। एक नाबालिग राष्ट्रीय स्तर की शूटर के कथित यौन शोषण केस में पुलिस से फरार चल रहे शूटिंग कोच अंकुश भारद्वाज की अग्रिम जमानत याचिका फरीदाबाद के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज अभिषेक फुतेला की अदालत ने खारिज कर दी है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अब तक गिरफ्तारी से बचता हुआ फरार है और उसकी तलाश में कई टीमें लगाई गई हैं।

पुलिस मामला और शिकायत की जानकारी - फरीदाबाद पुलिस ने छह जनवरी को महिला थाने फरीदाबाद में एक एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें 17 वर्षीय राष्ट्रीय स्तर की महिला शूटर ने अपने कोच पर यौन शोषण का आरोप लगाया। इसके बाद राष्ट्रीय रायफल संघ ने आरोपी कोच को निलंबित कर दिया। पीड़िता के मुताबिक, घटना 16 दिसंबर 2025 को तब हुई जब वह दिल्ली के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने आई थी।

चेतेश्वर पुजाराः टी20 के दौर में टेस्ट क्रिकेट के प्रति समर्पण ने दी अलग पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। जमाने से विपरीत चलना हमेशा मुश्किल होता है। आप अकेले होते हैं और संघर्ष के साथ सफलता की राह भी आपको खुद ढूंढनी होती है। चेतेश्वर पुजारा की कहानी कुछ ऐसी ही है। फटाफट क्रिकेट के दौर में अपनी धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी से पुजारा ने न सिर्फ टेस्ट क्रिकेट में बड़ी सफलता हासिल की बल्कि एक दशक तक इस फॉर्मेट में भारत की सबसे मजबूत कड़ी रहे। पुजारा को उनकी मजबूत मनोदशा और क्रीज पर लंबा समय गुजारने की क्षमता की वजह से राहुल द्रविड़ के बाद दूसरा 'द वॉल' कहा गया। 25 जनवरी 1988 को गुजरात के राजकोट में जन्मे चेतेश्वर पुजारा को क्रिकेटर बनाने में सबसे बड़ा योगदान उनके पिता अरविंद पुजारा का है। अरविंद खुद भी एक प्रथम श्रेणी क्रिकेटर और कोच रहे। देश के लिए खेलने की उनकी इच्छा कभी पूरी नहीं हुई, लेकिन अपने बेटे के माध्यम से उनकी आंखों ने इस सपने को पूरा होते देखा। बचपन से क्रिकेट को अपना लेने वाले पुजारा ने सौराष्ट्र की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेला। सौराष्ट्र के लिए प्रथम श्रेणी में 2005 में उन्होंने डेब्यू किया था। 5 साल तक घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद पुजारा को 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की तरफ से टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। यह वह दौर था जब राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण जैसे टेस्ट क्रिकेट के दिग्गज अपने करियर के आखिरी चरण में थे। भारत को इन दोनों बल्लेबाजों के विकल्प की तलाश थी। पुजारा ने मजबूती

से अपनी जगह बनाई और धीरे-धीरे वह टेस्ट टीम के नियमित और भरोसेमंद सदस्य बन गए। 2010 से 2023 के बीच पुजारा ने देश और विदेश में भारतीय टीम को टेस्ट फॉर्मेट में मिली सफलता में बड़ी भूमिका निभाई। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 2018-19 की ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज में पुजारा ने जो प्रदर्शन किया, वह हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने चार टेस्ट मैचों में 521 रन बनाए और ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण को लंबे समय तक काबू में रखा। इस प्रदर्शन ने भारत की पहली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीत में निर्णायक भूमिका निभाई। नवंबर 2012 में अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ 206 रन की पारी, दिसंबर 2013 में जोहानसबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 153 रन की पारी, 2017 में रांची में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 525 गेंदों पर खेली गई 202 रन की पारी, दिसंबर 2018 में एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 123 और 71 रन की पारी, और 2021 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में 77 और ब्रिसबेन में 56 रन की पारी पुजारा के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में मानी जाती है।

पुजारा ने अपने करियर में 103 टेस्ट मैचों की 176 पारियों में 19 शतक और 35 अर्धशतक की मदद से 7,195 रन बनाए। उनका औसत 43.60 रहा और सर्वाधिक स्कोर नाबाद 206 रन रहा। पुजारा ने काउंटी क्रिकेट में भी बड़ी सफलता हासिल की।

गांधी मैदान में साफ-सफाई का लिया जायजा

गणतंत्र दिवस : परेड का सघन अभ्यास डीएम-एसपी ने किया निरीक्षकण

- सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, ट्रैफिक नियंत्रण और आपात सेवाओं को लेकर विशेष सतर्कता के आदेश।
- गांधी मैदान परिसर में साफ-सफाई, मंच, साउंड सिस्टम, सजावट और बैरिकेडिंग का निरीक्षण।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

गणतंत्र दिवस–2026 के सफल, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर औरंगाबाद जिला प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। इसी क्रम में शनिवार को जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने संयुक्त रूप से गणतंत्र दिवस परेड की सलामी का पूर्वाभ्यास तथा मुख्य कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। पूर्वाभ्यास जिले के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित किया गया, जहां 26 जनवरी को मुख्य राजकीय समारोह संपन्न होगा। अभ्यास के दौरान सशस्त्र बलों की ओर से जिला पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया तथा परेड की औपचारिक सलामी दी गई।

परेड में विभिन्न टुकड़ियों की सहभागिता

परेड में बिहार पुलिस, सशस्त्र बलों के जवानों के साथ-साथ एनसीसी एवं स्काउट-गाइड के कैडेट्स ने भाग लिया। सभी टुकड़ियों ने अनुशासन, तालमेल और उत्कृष्ट ड्रिल का प्रदर्शन किया, जिसकी अधिकारियों ने सराहना की। जिला पदाधिकारी ने परेड से जुड़ी तैयारियों की बारीकी से समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि गणतंत्र दिवस के दिन परेड पूरी तरह त्रुटिरहित होनी चाहिए और यदि किसी स्तर पर कोई कमी हो तो उसे अविलंब दूर किया जाए, ताकि समारोह के दौरान किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न न हो।

परेड अभ्यास के बाद जिला पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने गांधी मैदान परिसर का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई, साउंड सिस्टम, मंच निर्माण, सजावट, रंग-रोगन, बैरिकेडिंग, प्रवेश-निकास व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया गया। संबंधित विभागों को सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने को कहा और कार्यक्रम स्थल के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में भी पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, भीड़ प्रबंधन, ट्रैफिक नियंत्रण और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि गणतंत्र दिवस समारोह को गरिमामय, सुरक्षित और जनसहभागिता से परिपूर्ण बनाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ लगातार कार्य कर रहे हैं।

संदिग्ध परिस्थिति में युवक की मौत, पत्नी ने गला घोंटकर हत्या का लगाया आरोप

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद जिले में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत का मामला सामने आया है, जिसे लेकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मृतक की पत्नी ने आरोप लगाया है कि उनके पति की गला घोंटकर हत्या की गई है और इस मामले में एक जमीन ब्रोकर की भूमिका संदिग्ध है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मामला नगर थाना क्षेत्र के क्लब रोड स्थित सिन्हा सोशल क्लब के समीप का है, जहां शुक्रवार की रात करीब 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान मुरली मनोहर प्रसाद के पुत्र मृगांक मनोहर के रूप में की गई है, जो क्लब रोड का ही निवासी था। परिजनों के अनुसार मृगांक की तबीयत पहले से खराब नहीं थी, ऐसे में अचानक हुई मौत को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के दौरान मौजूद मृतक की पत्नी ममता कुमारी ने बताया कि वह बीमार रहने के कारण पिछले तीन महीनों से अपने मायके दाउदनगर के भेड़िया बिगहा में रह रही थीं। शुक्रवार की रात उन्हें पति की मौत की सूचना मिली, जिसके बाद वह औरंगाबाद पहुंचीं।

उन्होंने कहा कि उनके पति को कोई गंभीर बीमारी नहीं थी, फिर अचानक उनकी मौत कैसे हो गई, यह समझ से परे है। पत्नी ने स्पष्ट रूप से गला दबाकर हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पति का जमीन के लेन-देन से जुड़े एक ब्रोकर से विवाद चल रहा था, जिसकी भूमिका की गहन जांच होनी चाहिए। इधर, मृतक के अन्य परिजनों ने भी जमीन ब्रोकर पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। परिजनों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो उन्हें न्याय नहीं मिल पाएगा।

ऑटो के नीचे दबने से छात्र की हुई मौत, दो लोग घायल

निज संवाददाता | मदनपुर(औरंगाबाद)

औरंगाबाद जिले में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 16 वर्षीय छात्र की मौत हो गई, जबकि एक अन्य छात्र और एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा मदनपुर थाना क्षेत्र के कठवर टोला बंगला के पास एसएच-101 पर उस समय हुआ, जब सवारियों और सीमेंट से लदी एक ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई और उसके नीचे लोग दब गए। मृतक की पहचान पेमा गांव निवासी संतोष सिंह के पुत्र रोहित कुमार (16) के रूप में हुई है, जो 11वीं कक्षा का छात्र था। घायलों में कृष्ण सिंह का पुत्र शिवमंगल (17) तथा पटौधी गांव निवासी मजदूर दिनेश राम शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ऑटो पर क्षमता से अधिक सामान लदा हुआ था और वाहन तेज रफ्तार में था, जिस कारण वह संतुलन खो बैठा और पलट गया।

मृतक के पिता संतोष सिंह ने बताया कि रोहित शनिवार को अपने दोस्त शिवमंगल के साथ ट्यूशन पढ़ने के लिए घर से निकला था। गांव का ही युवक सौरभ ऑटो पर सीमेंट लोड कर देव की ओर जा रहा था, उसी ऑटो पर दोनों छात्र भी बैठ गए। गांव से करीब 500 मीटर आगे बढ़ते ही अधिक लोड और तेज गति के कारण वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे दोनों छात्र और मजदूर उसके नीचे दब गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह तीनों को बाहर निकाला और तत्काल देव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने रोहित और दिनेश राम की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया, जहां डॉक्टरों ने रोहित को मृत घोषित कर दिया।

ऋण वसूली के दौरान पुलिस और बैंक टीम पर जानलेवा हमला

निज संवाददाता | अंबा (औरंगाबाद)

औरंगाबाद जिले के अंबा थाना क्षेत्र में ऋण वसूली के लिए गई पुलिस और बैंक की संयुक्त टीम पर कर्जदार और उसके बेटों द्वारा जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना में एक एएसआई और एक रिकवरी एजेंट गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मामला अंबा थाना क्षेत्र के मुड़िला रोड का है, जहां इंडियन बैंक की ऋण वसूली टीम पुलिस बल के साथ पहुंची थी। इस संबंध में इंडियन बैंक शाखा सिंहपुर के वरीय प्रबंधक ऋषिकेश कुमार ने अंबा थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। आवेदन में बताया गया है कि मुड़िला रोड निवासी संजय कुमार सिंह, जो जय अंबे ट्रेडिंग के प्रोपराइटर हैं, ने व्यवसाय के लिए इंडियन बैंक से पूर्व में नौ लाख रुपये का ऋण लिया था। समय पर ऋण का भुगतान नहीं किए जाने के कारण 27 सितंबर 2021 को उनका खाता एनपीए घोषित कर दिया गया था। ब्याज और अन्य देयों को मिलाकर कुल बकाया राशि बढ़कर करीब 15 लाख 97 हजार 412 रुपये हो गई थी। बैंक द्वारा कई बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद ऋण की राशि जमा नहीं की गई।

ऋण नहीं चुकाने पर बैंक की ओर से पीडीआर एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया गया था, जिसके तहत जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी द्वारा नियम 53 के अंतर्गत ऋणधारक को 19 जनवरी को कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था, लेकिन ऋणधारक द्वारा इस आदेश का पालन नहीं किया गया। इसके बाद जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी के निर्देश पर रिकवरी एजेंट पुलिस बल के साथ ऋण भुगतान को लेकर बातचीत करने ऋणधारक के मुड़िला रोड स्थित आवास पर पहुंचे।

सूर्यनगरी देव में भगवान सूर्य के जन्मोत्सव को लेकर पूरे जिले में भक्तिमय माहौल

सूर्यरथ यात्रा पर होगी पुष्प वर्षा, सूर्य जन्मोत्सव पर नमक त्याग व घरों के द्वार पर रंगोली बनाने का दिया गया संदेश

निज संवाददाता | देव (औरंगाबाद)

औरंगाबाद जिले की सूर्यनगरी देव में भगवान सूर्य के जन्मोत्सव को लेकर पूरे जिले में भक्तिमय माहौल बन गया है। अचलासप्तमी के अवसर पर आयोजित होने वाले इस महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। देव पर्यटन विकास केंद्र के सदस्यों द्वारा श्री सूर्यनारायण रथ यात्रा सह कलश यात्रा में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए जिले के ग्रामीण इलाकों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया है। इस दौरान लोगों से सूर्य जन्मोत्सव के दिन नमक का त्याग करने तथा अपने घरों के द्वार पर रंगोली बनाकर उत्सव को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाने का संदेश भी दिया गया

है। अचलासप्तमी को यादगार बनाने के उद्देश्य से देव छठ महापर्व के दृश्य पर आधारित एक विशेष सेल्फी प्वाइंट भी तैयार किया गया है। वहीं, सूर्य मंदिर को कमलासन के स्वरूप में भव्य रूप से सजाया गया है, जिससे मंदिर परिसर अत्यंत आकर्षक और दिव्य दिखाई दे रहा है। सूर्यरथ यात्रा के केंद्र स्थल देवगढ़ में स्थित राज विरासत के उत्तराधिकारियों द्वारा किले के रंग-रोगन का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है।

भगवान भास्कर का रथ देवगढ़ से निकलकर संपूर्ण देवार्क नगरी का भ्रमण करेगा। इस दौरान श्रद्धालु अपने-अपने घरों से भगवान सूर्य पर फूलों की वर्षा करेंगे, जिससे पूरा नगर भक्तिरस से सराबोर हो जाएगा। कलश यात्रा के दौरान जलभरी में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सूर्य कुंड तालाब परिसर को अतिक्रमण मुक्त कराकर साफ-सफाई का कार्य पूरा कर लिया गया है। दीवान बीघा में सूर्यरथ का भव्य स्वागत किया जाएगा, जबकि देव बाजार में बैजनाथ गुप्ता एवं उनके सहयोगियों द्वारा श्रद्धालुओं के बीच फल और शरबत का वितरण किया जाएगा।

दरधा स्थित अक्षर विद्या गृह में सरस्वती पूजा सह 15वां स्थापना दिवस समारोह संपन्न

जीवन में सफलता प्राप्त करनी है तो सबसे पहले नारी का सम्मान करना आवश्यक : कुलपति

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

गोह प्रखंड के दरधा स्थित अक्षर विद्या गृह में सरस्वती पूजा सह 15वें स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय पंचानपुर, गया के कुलपति कामेश्वर नाथ सिंह ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। समारोह की शुरुआत मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना और "जयति जय जय मां सरस्वती" जैसे भक्तिमय गीत से हुई, जिसने पूरे पंडाल को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। इसके बाद विद्यालय के बच्चों ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत, नृत्य और झांकियों की प्रस्तुति दी, जिसने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के दौरान तालियों की गूंज से पूरा परिसर गूंज उठा। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करनी है तो सबसे पहले नारी का सम्मान करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्या प्राप्त करने के लिए मां सरस्वती की आराधना, समृद्धि के लिए मां लक्ष्मी की उपासना और शक्ति के लिए मां दुर्गा की भक्ति जरूरी है। कुलपति ने समारोह में महिलाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति देखकर प्रसन्नता व्यक्त की और पुरुषों से नारी सम्मान को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की। विद्यालय के निदेशक अभिमन्यु सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि अक्षर विद्या गृह का उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि बच्चों में संस्कार, संस्कृति और नारी सम्मान की भावना विकसित करना है।

समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभाकामनाएं

अचला सप्तमी यानी
भगवान भास्कर के जन्मोत्सव पर
सूर्य नगरी देव के समस्त सम्मानित
नागरिकों तथा औरंगाबाद जिले के सभी
श्रद्धालुजनों को हृदय से हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं

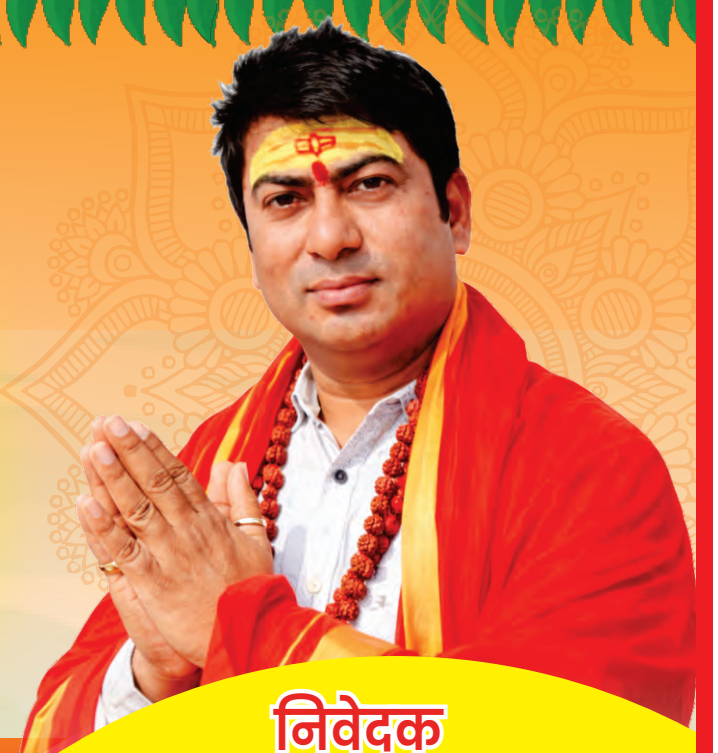

निवेदक
लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता
सूर्य मंदिर न्यास समिति, देव, औरंगाबाद
सह संरक्षक उधमचंद स्मृति पुस्तकालय

सूर्य आराधना से सामाजिक चेतना तक अचला सप्तमी का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व

सूर्यदेव को संपूर्ण सृष्टि की चेतना और जीवनशक्ति का आधार माना गया है। उनकी दिव्य किरणें केवल प्रकाश का स्रोत नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन में ऊर्जा, आरोग्य, समृद्धि और सकारात्मक दृष्टिकोण का संचार भी करती हैं। भारतीय सनातन परंपरा में सूर्य उपासना को आत्मशुद्धि और अनुशासित जीवन का माध्यम माना गया है। अचला सप्तमी का पावन पर्व इसी सनातन चेतना को जीवंत करता है। यह पर्व हमें कर्मयोग, आत्मसंयम और सत्य के मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। अचला सप्तमी केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक भर नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता, लोक कल्याण और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता भाव को सशक्त करने वाला अवसर भी है। सूर्य नगरी देव, जहां प्राचीन काल से भगवान सूर्य की आराधना की परंपरा चली आ रही है, आज भी अपनी विशिष्ट धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के लिए पूरे देश में विख्यात है। यहां आयोजित होने वाले धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-अर्चना और सूर्योपासना से न केवल नगर बल्कि पूरा क्षेत्र भक्तिरस में सराबोर हो उठता है। इस पावन अवसर पर श्रद्धालु उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। आइए, इस शुभ पर्व पर हम सभी सूर्यदेव से उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और जिले के चहुंमुखी एवं सतत विकास की

हमारा उद्देश्य
- देव शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाना
- धार्मिक व सामाजिक आयोजनों को मूर्त रूप देना
- धार्मिक व सामाजिक स्थलों का सौंदर्याकरण कराना
- देव के इलाके में कोटा जैसा शैक्षणिक माहौल बनाना
- मेडिकल, इंजीनियरिंग, यूपीएससी व बीपीएससी के लिए बेहतर शैक्षणिक संस्थान बनाना
- गरीब परिवारों की सहायता करना
- गरीब घरों के बेटियों के हाथ पीले कराना
- दिव्यांगों को तमाम सुविधा उपलब्ध कराना

आइए हम सभी भगवान सूर्य से उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और जिले के चहुंमुखी विकास की कामना करें